हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची ● सोमवार ● 10.08.2026 ● वर्ष : 17 ● अंक : 20 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये
RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

झारखंड की सवा तीन करोड़ जनता के प्रति राज्य सरकार संवेदनशील : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित दो दिवसीय झारखंड आदिवासी महोत्सव 2026 के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सभी राज्यवासियों को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए जोहार से अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस को हम सभी जानते हैं। पूरे आदिवासी समाज को आज के इस दिवस को यादगार बनाने के का इंतजार रहता है। धरती पर आदिवासी समाज की अलग पहचान है। इसे अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए इस आदिवासी महोत्सव की शुरूआत हुई है। उन्होंने महोत्सव के लिये सभी लोगों के सहयोग व आशीर्वाद प्राप्त होने का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने राज्य के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार जी की गरिमामयी उपस्थिति को समारोह की विशेष गरिमा और आदिवासी समाज के गौरव का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि हमारे लिए राज्यपाल महोदय केवल राज्य के राज्यपाल ही नहीं, बल्कि आदिवासी समुदाय के मार्गदर्शक और सर्वमान्य नेतृत्वकर्ता के रूप में हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में ट्राइबल एडवाइजरी काउंसिल (टीएसी) राज्यपाल महोदय की छत्रछाया और मार्गदर्शन में कार्य करती है। टीएसी के माध्यम से आदिवासी समुदाय के हितों की रक्षा, उनके

समग्र विकास और कल्याण से जुड़े विषयों पर चर्चा की जाती है। साथ ही, आदिवासी समाज के विकास के साथ-साथ पूरे समाज की प्रगति और भविष्य की दिशा तय करने में भी टीएसी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के आदिवासी दिवस को पूरे देश और दुनिया में आदिवासी समाज अपने-अपने तरीके से यादगार बनाने में जुटा हुआ है। झारखंड में भी पिछले कुछ वर्षों से इस अवसर पर छोटे-बड़े विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित करके आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली को सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मोरहाबादी के पूरे मैदान में देश और राज्य के विभिन्न हिस्सों में निवास करने वाले आदिवासी समुदायों की विविधता और सांस्कृतिक झलक देखने को मिल रही है। आयोजन स्थल पर पंडाल लगाए गए हैं, जहां हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोग अपनी जीवनशैली, कला, संस्कृति, परंपरा और आजीविका के साधनों को प्रदर्शित कर रहे हैं। यह आयोजन हमें यह भी दिखाता है कि किस तरह आदिवासी समाज अपनी पारंपरिक पहचान को संजोते हुए विकास और बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आयोजन में केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि देश के विभिन्न राज्यों से भी आदिवासी समुदाय के लोग शामिल हुए हैं।

कलाकारों, कारीगरों और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों की सहभागिता ने इस आयोजन को और भी अधिक व्यापक स्वरूप प्रदान किया है। उनके हुनर, परंपरा और अनुभवों के माध्यम से एक मजबूत और बेहतर रास्ते की तलाश में आगे बढ़ते आदिवासी समाज की तस्वीर यहां देखने को मिल रही है। इस अवसर पर राज्य में विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों के माध्यम से आदिवासी समाज की समृद्ध विरासत को सम्मान और सशक्तिकरण का प्रदर्शन हो रहा है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि आज राज्य विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मना रही है, वहीं हमारे कुछ युवा, नौजवान और छात्र-छात्राएं अपनी कुछ मांगों और अधिकारों को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं।

सरकार खुले मन से उनकी बातें सुन रही है और उनकी समस्याओं को गंभीरता से समझने का प्रयास कर रही है। हर समस्या का समाधान संवाद से संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि इतनी बड़ी व्यवस्था का संचालन करते हुए भी सरकार की मंशा राज्य के सवा तीन करोड़ लोगों के प्रति पूरी संवेदनशीलता के साथ काम करने की है। गांव में रहने वाला व्यक्ति हो या शहर में रहने वाला, किसान हो या मजदूर, महिला हो या पुरुष, पढ़ा-लिखा नौजवान हो या कम पढ़ा-लिखा अथवा अशिक्षित व्यक्ति–सरकार सभी की चिंता करती है और सबके हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जिस विषय को लेकर राज्य के नौजवान अपने अधिकार की आवाज उठा रहे हैं, वह उनकी जागरूकता और अपने हक के लिए खड़े होने के साहस को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि नौजवानों ने हिम्मत इसलिए जुटाई है, क्योंकि उन्हें विश्वास है कि उनके साथ न्याय होगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि मेरे संज्ञान में गड़बड़ी सामने आई है, उसकी जांच होगी, नौजवानों को न्याय मिलेगा और जिन लोगों ने गड़बड़ी की है, उन्हें कठोर से कठोर सजा दी जाएगी। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए धरती पुत्र की भांति कहा कि आप विश्वास रखिए, हम इसी मिट्टी में जन्मे हैं और इसी मिट्टी में दफन भी होंगे।

इसलिए हम आपके साथ गलत नहीं होने देंगे। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आदिवासी महोत्सव में सशरीर एवं अन्य माध्यमों से उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर राज्य के मंत्री राधा कृष्ण किशोर, सांसद राज्यसभा महुआ माजी, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक अमित महतो, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव वंदना दादेल, अपर मुख्य सचिव नितिन मदन कुलकर्णी सहित अन्य गणमान्य अतिथिगण, राज्य सरकार के पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोग उपस्थित थे।

जनजातीय संस्कृति, परंपरा और प्रकृति संरक्षण झारखंड की पहचान : राज्यपाल

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को वश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर मोरहाबादी मैदान, राँची में आयोजित झारखण्ड आदिवासी महोत्सव-2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपराएँ, जीवन-मूल्य एवं प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की चेतना की विशिष्ट पहचान हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कौशल विकास तथा आर्थिक सशक्तीकरण के क्षेत्रों में निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड का जनजातीय समाज सदियों से प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश देता रहा है। आज जब पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय संकट जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब जनजातीय जीवन-दर्शन सम्पूर्ण मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि विकास की गति को बनाए रखते हुए पर्यावरण एवं प्राकृतिक विरासत के संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना आवश्यक है। राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने विगत दो वर्षों के दौरान झारखण्ड के सभी जिलों के सुदूरवर्ती ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों का भ्रमण किया है तथा वहाँ के लोगों से संवाद करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज अत्यंत परिश्रमी, ईमानदार, स्वाभिमानी तथा प्रकृति के प्रति गहरे सम्मान की भावना रखने वाला समाज है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की अनेक सामाजिक विशेषताएँ पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

युवाओं को मिलेगा न्याय, लाठी-गोली से हल नहीं होतीं समस्याएं : मुख्यमंत्री

रांची : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्य में अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे छात्र-छात्राओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं की बात सुन रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस विषय को लेकर नौजवान आंदोलन कर रहे हैं, उसमें सरकार की गतिविधियों की वजह से ही उन्हें अपनी बात रखने और अपने अधिकार के लिए आवाज उठाने का हौसला मिला है। हेमन्त सोरेन ने कहा कि सरकार ने गड़बड़ी पकड़ी है और नौजवानों को न्याय मिलेगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिन लोगों ने गड़बड़ी की है, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि उन्हें किसी राजनीतिक दल की छत्रछाया की आवश्यकता नहीं है। वे छात्र हैं और अपने अधिकार एवं न्याय के लिए अपनी बात सीधे सरकार के सामने रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान संवाद के जरिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि लाठी, गोली और डंडे से समस्याओं का समाधान नहीं होता, बल्कि इससे नुकसान बढ़ता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे निर्भीक होकर अपनी बात सरकार के सामने रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आंदोलन के माध्यम से ही नहीं, बल्कि घर बैठे युवाओं की बात भी सुनने का प्रयास करेगी।

जवाबदेही से नहीं भाग सकती सरकार : राहुल

नई दिल्ली : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि प्रयागराज में एक छात्र ने उनसे कहा कि अब उसके पास कोई रास्ता नहीं बचा है। वर्षों की तैयारी, परिवार की जमीन बेचने और माता-पिता पर कर्ज के बावजूद रोजगार नहीं मिलना उस छात्र की नहीं बल्कि ऐसी व्यवस्था की हार है जो युवाओं की मेहनत का उचित मूल्य देने में विफल है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर रविवार को कहा कि प्रयागराज में एक छात्र ने उनसे कहा कि उसने सालों तक तैयारी की, परिवार की जमीन बेच दी और उसके माता-पिता पर कर्ज है लेकिन इसके बावजूद उसके हाथ में कुछ नहीं है। यह हार उस छात्र की नहीं है बल्कि उस व्यवस्था की है जिसने उसकी मेहनत का दाम देने से इनकार कर दिया। उन्होंने केंद्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर छात्रों के मुद्दे पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया।

मध्य प्रदेश में गुजरात के श्रद्धालुओं की वैन को ट्रॉले ने मारी टक्कर, छह की मौत

एजेंसी

धार : मध्य प्रदेश के धार जिले में बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर रविवार दोपहर भीषण हादसे में गुजरात के छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई। सभी श्रद्धालु मारुति ईको वैन में सवार होकर उज्जैन में महाकाल के दर्शन करने के बाद गुजरात लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनकी वैन को गलत दिशा से आ रहे अनियंत्रित ट्रॉले ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे यह दुर्घटना घटी। पुलिस के अनुसार गुजरात के वड़ोदरा से कुछ श्रद्धालु ईको वैन से उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन करने के लिए आए थे। यहां से लौटते समय रविवार दोपहर करीब एक बजे पंचकवासा गांव के पास उज्जैन फोरलेन पर गलत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रॉले ने वैन को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए। हादसे की सूचना मिलते ही बदनावर थाना प्रभारी अमित सिंह कुशवाह और तहसीलदार सुरेश नागर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से वैन में फंसे शवों को बाहर निकाला गया। बदनावर थाना प्रभारी कुशवाह ने बताया कि हादसे में वैन में सवार छह युवकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हादसा इतना भीषण था कि दो शवों को ग्राइंडर मशीन से वैन को काटकर निकाला गया। सभी महाकाल के दर्शन कर उज्जैन से वड़ोदरा लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद फोरलेन पर कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित हुआ, जिसे पुलिस ने सुचारु कराया। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। शवों का पंचनामा बनाकर उन्हें बदनावर सिविल अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है, जहां उनका पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। ग्रामीणों के मुताबिक ट्रॉला बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर गलत साइड से उज्जैन की ओर जा रहा था। ट्रॉले में लोहे का सामान भरा था। वहीं, मारुति ईको स्पोर्ट्स वैन उज्जैन से गुजरात की ओर जा रही थी। इसी दौरान दोनों वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे के बाद ट्रॉले का ड्राइवर भाग गया। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस करीब 10 मिनट में मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने कार की खिड़की का कांच तोड़कर अंदर से शवों को बाहर निकाला।

ममता बनर्जी की कार पर पत्थरों-जूतों और कीचड़ से हमला, चोर-चोर के लगे नारे

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की कार पर हमला हुआ है। जब वह नॉर्थ 24 परगना में एक टीएमसी कार्यकर्ता के घर जा रही थीं, तब उनकी गाड़ी पर कुछ लोगों ने पत्थरों, जूतों और कीचड़ से हमला कर दिया। ममता बनर्जी ने दावा किया कि उनकी कार पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके गए। अगर शीशा खुला होता तो उनका सिर फट जाता और उनकी मौत भी हो सकती थी। इस दौरान, प्रदर्शनकारियों ने चोर-चोर के नारे भी लगाए। हमले के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, पुलिस के सामने ही असामाजिक तत्वों ने मेरी कार पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके। गाड़ी पर हमला इतना जोरदार था कि अगर खिड़कियां खुली होतीं, तो मेरा सिर फट जाता। बंगाल में अप्रैल-मई में हुए विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की टीएमसी की करारी हार हुई है। 15 साल बाद सत्ता से बाहर हुई टीएमसी के कई नेताओं को विरोध का सामना करना पड़ा है। इससे पहले, ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी पर भी हमला हो चुका है। उन पर अंडों और पत्थरों से हमला हुआ था। ममता बनर्जी रविवार को नॉर्थ 24 परगना जिले में मृतक टीएमसी कार्यकर्ता के घर जा रही थीं। इसी दौरान, उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने 'चोर-चोर' के नारे लगाए और कथित तौर पर उनकी कार पर कीचड़ भी लगाया गया। यह घटना बीजपुर में हुई। प्रदर्शनकारियों का एक ग्रुप बनर्जी की गाड़ी के चारों ओर जमा हो गया और नारेबाजी करने लगा। बनर्जी ने रिपोर्टर्स से कहा, मेरी कार पर पत्थरों, जूतों और कीचड़ से हमला किया गया है। यह साजिश के अलावा कुछ नहीं है। मैंने पुलिस को बताया था कि मैं आऊंगी। इसके बावजूद पुलिस ने कोई सुरक्षा उपाय नहीं किए। पूरे पश्चिम बंगाल को गुंडों ने कंट्रोल किया है। वहीं, प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बनर्जी शांत इलाके को अशांत करने आई थीं और प्रदर्शन के दौरान उनके खिलाफ नारे लगाए। बता दें कि टीएमसी वर्कर की कथित तौर पर हालिसहर पुलिस की कस्टडी में बीमार पड़ने के बाद मौत हो गई थी। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि उनकी गाड़ी पर बड़ी ईंटें भी फेंकी गईं। उन्होंने कहा, मेरा सिर फूट सकता था। मैं यहीं मर सकती थी। उन्होंने भाजपा की राज्य सरकार पर उन्हें निशाना बनाने के लिए गुंडों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्हें पुलिस से कोई खास गुस्सा नहीं है, लेकिन आरोप लगाया कि राज्य सरकार के कहने पर फोर्स का इस्तेमाल किया जा रहा है। बनर्जी ने कहा, पुलिस गुंडों को बचा रही है। बंगाल गुंडों के हाथ में चला गया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी इस मामले को कानूनी तौर पर आगे बढ़ाएगी। हालांकि, भाजपा ने बनर्जी पर कांचरापाड़ा में तनाव भड़काने के लिए आने का आरोप लगाया और कहा कि स्थानीय लोगों ने उनकी मौजूदगी का विरोध किया था।

जेपीएससी प्रोटेस्ट : ईडी-सीआईडी से जांच करवाने को झारखंड सरकार तैयार

14वीं जेपीएससी पीटी रद्द करने पर बनी सहमति, जेएसएससी-सीजीएल पर अड़ी सरकार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ झारखंड सरकार के ग्रुप ऑफ मिनिस्टर ने रविवार को दूसरे दौर की बातचीत की। बैठक के बाद मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने मीडिया को संबोधित किया और बताया कि सरकार जेएसएससी सीजीएल परीक्षा रद्द नहीं कर सकती। हालांकि जेपीएससी-पीटी परीक्षा रद्द करने पर सहमति बनी है। हालांकि उन्होंने बताया कि 14 जेपीएससी और 23 और 25 के बैकलॉग की जांच दो तरीके से होगी। ईडी वित्तीय अनियमिताओं की जांच करेगी जबकि आपराधिक मामलों की जांच सीआईडी करेगी। वहीं छात्र सीबीआई जांच करवाने के लिए अड़े हुए हैं। बैठक के बाद

छात्र नेताओं ने कहा है कि उनका आंदोलन जारी रहेगा। छात्र नेताओं ने कहा कि वे 10 अगस्त को झारखंड विधानसभा तक मार्च करेंगे। सुदिव्य कुमार सोनू ने आगे बताया कि 'सीआईडी की जांच में मॉनिटरिंग के लिए सेवानिवृत्त जजों की एक कमेटी बनाई जाएगी। जेएसएससी सीजीएल परीक्षा सरकार रद्द नहीं कर सकती, क्योंकि परीक्षा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में ली गई है। रिफॉर्म (परीक्षा में सुधार) के लिए आईआईएम और एक्सएलआरआई से गाइडेंस लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 'फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया जाएगा और 90 दिनों के अंदर चार्जशीट जमा की जाएगी। रिफॉर्म के मुद्दे पर आईआईटी-आईएसएम, आईआईएम रांची और एक्सएलआरआई के विशेषज्ञों की एक केमिटी बनाकर रिफॉर्म किया जाएगा। छात्र प्रतिनिधियों की एक मांग यह भी थी कि सीजीएल की परीक्षा को रद्द किया जाना चाहिए सरकार का साफ कहना था कि चूंकि यह परीक्षा हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर हुई है इसलिए सरकार इसे रद्द करने में सक्षम नहीं है। मंत्री ने आगे बताया कि सरकार यही कर सकती है कि एक रिटायर्ड जज अध्यक्षता में एक मॉनिटरिंग कमेटी बनाकर इस जांच की मॉनटरिंग कर दे। जिसे छात्र ने मानने से इनकार कर दिया। हम यह समझते हैं कि 98 फीसदी बिंदूओं (छात्रों की मांग) पर सरकार ने सहमति दी है। दो फीसदी बिंदू जो बचे हैं जो सिर्फ और सिर्फ सीजीएल की परीक्षा को रद्द करने के थे और सरकार का स्पष्ट कहना है कि जो माननीय कोर्ट के आदेश पर परीक्षा ली गई हैं परिणाम प्रकाशित हो चुके हैं और सफल उम्मीदवार पहले से ही नौकरी कर रहे हैं। ऐसे में सरकार उन्हें अपनी तरफ से रद्द नहीं कर सकती है। सरकार छात्रों में विश्वास जगाने के लिए सीआईडी के ऊपर एक रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाने को तैयार थी कि यदि अगर सीआईडी आपकी बातों को नहीं सुनती है तो रिटायर्ड जज का एक विकल्प हम आपको दे रहे हैं जहां आप अपनी बातों को रख सकेंगे।

जेपीएससी के तीन सदस्यों का इस्तीफा राज्यपाल ने किया स्वीकार

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राज्य सरकार की अनुशंसा के आलोक में झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के तीन सदस्यों के त्यागपत्र को स्वीकार कर लिया है। त्यागपत्र देने वाले सदस्यों में डॉ. अजिता भट्टाचार्य, डॉ. अनिमा हांसदा और डॉ. जमाल अहमद शामिल हैं। राज्यपाल ने तीनों सदस्यों द्वारा अपने पद से दिए गए इस्तीफे को मंजूरी प्रदान कर दी है।

महाराष्ट्र के बारामती एयरपोर्ट पर ट्रेनिंग विमान रनवे से फिसलकर क्षतिग्रस्त

एजेंसी

मुंबई : महाराष्ट्र के बारामती एयरपोर्ट पर रविवार को एक ट्रेनिंग विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसलकर क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना में विमान में सवार इंस्ट्रक्टर और ट्रेनी पायलट दोनों सुरक्षित हैं। इस घटना की गहन छानबीन जारी है। पुणे के पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने बताया कि कार्वर एविएशन का सेसना-172 विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसल गया, जिससे वह विमान मामूली रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। विमान में सवार दोनों लोग सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस और संबंधित एजेंसियां हादसे की जांच कर रही हैं और यह पता लगाया जा रहा है कि दुर्घटना तकनीकी खराबी के कारण हुई या इसके पीछे कोई अन्य वजह थी। बारामती पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया निजी फ्लाइट ट्रेनिंग संस्थान कार्वर एविएशन का सेसना-172 ट्रेनिंग विमान रविवार दोपहर बारामती एयरपोर्ट पर लैंड कर रहा था। इसी दौरान विमान रनवे से फिसल गया। शुरूआती जानकारी के अनुसार, विमान का एक हिस्सा पास के लाइट पोल से टकराया और इसके बाद विमान रनवे की सीमा से बाहर चला गया। हादसे के समय विमान में दो लोग सवार थे। दोनों पायलट सुरक्षित हैं और किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और एयरपोर्ट प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और जांच कार्य शुरू कर दिया है।

एक नजर

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

बड़कागांव : मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि मोहन गंझू उर्फ आकाश गंझू पिता बरतु गंझू पता ग्राम चलंदाग थाना बड़कागांव जिला हजारीबाग की धारा व/र- 127 (2) , 303 (2) , 308 (2) , 308 (4) , 109 (2) 324 (5), 352 , 3(5)/इठर के अधीन दंडनीय संज्ञेय , का अपराध क्या है , और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त मोहन गंझू उर्फ आकाश गंझू मिल नहीं रहा है , और मुझे समाधानप्रद रूप में यह दर्शित कर दिया गया है कि उक्त नाम मोहन गंझू उर्फ आकाश गंझू फरार हो गया है या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है। : इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मोहन गंझू उर्फ आकाश गंझू पिता बरतु गंझू पता शकीन चलनदाग दाग थाना बड़कागांव जिला हजारीबाग के उक्त से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए व्यवहार न्यायालय रामगढ़ में तारीख 15/ 09/ 2026 को हाजिर हो। न्यायिक दंडाधिकारी , प्रथम श्रेणी , रामगढ़। उक्त आशय की जानकारी एसआई सोमय उरांव पी थाना पतरातू के द्वारा दिया गया।

विधानसभा घेराव को लेकर चौपारण में हाई अलर्ट, चोरदाहा चेकपोस्ट पर सघन जांच

चौपारण : झारखंड विधानसभा के प्रस्तावित घेराव कार्यक्रम को लेकर चौपारण पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। किसी भी अप्रिय स्थिति की आशंका को देखते हुए रविवार सुबह से ही चोरदाहा चेकपोस्ट पर रांची की ओर जाने वाले वाहनों की सघन जांच शुरू कर दी गई। पुलिस द्वारा विशेष निगरानी बरतते हुए आने-जाने वाले वाहनों और यात्रियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। जांच अभियान के दौरान बसों के अलावा छोटी गाड़ियों, चारपहिया वाहनों सहित अन्य निजी वाहनों को रोककर तलाशी ली जा रही है। साथ ही वाहनों में सवार यात्रियों से भी आवश्यक जानकारी ली जा रही है, ताकि विधानसभा घेराव कार्यक्रम के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखा जा सके। चेकपोस्ट पर चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार एवं चोरदाहा पिकेट प्रभारी नीतीश कुमार पुलिस बल के साथ तैनात हैं। दोनों अधिकारी मौके पर सुरक्षा व्यवस्था की लगातार निगरानी कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि विधानसभा घेराव को देखते हुए एहतियात के तौर पर जांच अभियान चलाया जा रहा है। क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है।

डिवाइन पब्लिक स्कूल बरकट्ठा: 50 बच्चों से 2100 तक का सफर, ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा की मिसाल बने आईपी भारती

सीबीएसई मान्यता, हॉस्टल, बस और निःशुल्क शिक्षा से हजारों बच्चों का भविष्य संवार रहे डायरेक्टर

प्रत्यूष नवबिहार (कृष्णा प्रजापति)

बरकट्ठा : ग्रामीण क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की अलख जगाने वाले शिक्षाविद डायरेक्टर आईपी भारती द्वारा वर्ष 2010 में स्थापित डिवाइन पब्लिक स्कूल बरकट्ठा आज क्षेत्र का एक प्रमुख शैक्षणिक ब्रांड बन चुका है। शुरूआती दौर में संसाधनों और जागरूकता की कमी के बावजूद हर चुनौती को पार करते हुए आज इस विद्यालय में 2100 से अधिक बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

संघर्ष से शिखर तक का सफर

डायरेक्टर आईपी भारती ने 50 बच्चों के साथ शुरू किए गए इस स्कूल को सीबीएसई गाइडलाइन के अनुरूप विकसित किया। अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप 2016 में विद्यालय को सीबीएसई बोर्ड से स्थायी सम्बद्धता प्राप्त हुई। इसके बाद विद्यालय भवन का निर्माण और सुविधाओं का विस्तार किया गया। ग्रामीण बच्चों को +2 तक शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डिवाइन प्लस टू उच्च विद्यालय बरकट्ठा की भी शुरूआत डायरेक्टर आईपी भारती द्वारा की गई।

सुविधाओं से सुसज्जित परिसर

- हॉस्टल सुविधाः स्कूल में 120 बच्चों की क्षमता वाला हॉस्टल है। यहां रहने वाले बच्चों की देखभाल और नियमित मॉनिटरिंग प्रबंधन द्वारा की जाती है, जिसका सीधा असर उनके शैक्षणिक परिणामों पर दिख रहा है।

यातायात व्यवस्थाः छात्रों की सुविधा के लिए बस की व्यवस्था उपलब्ध है।

योग्य शिक्षकः विद्यालय में 50 से अधिक वेल एजुकेटेड शिक्षक और 60 से अधिक नॉन टीचिंग स्टाफ कार्यरत हैं।

संस्कार और गतिविधि आधारित शिक्षा डायरेक्टर आईपी भारती और प्राचार्य राकेश कुमार मलिक के नेतृत्व में यहां संस्कार युक्त शिक्षा पर विशेष जोर दिया जाता है। प्रत्येक दो माह में शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी आयोजित कर बच्चों के शैक्षणिक विकास पर चर्चा की जाती है। सीबीएसई गाइडलाइन के अनुसार गतिविधि आधारित शिक्षा, खेल और संगीत की पूरी व्यवस्था है। इसी कारण ग्रामीण क्षेत्र में डिवाइन पब्लिक स्कूल में हर वर्ष क्षमता के अनुसार नामांकन पूरा हो जाता है। मानवता की मिसालः गरीब बच्चों को गोद लेकर पढ़ा रहे डायरेक्टर शिक्षा को व्यापार बनाने के दौर में डायरेक्टर आईपी भारती ने मानवता की अनूठी मिसाल पेश की है। उन्होंने दर्जनों गरीब और जरूरतमंद बच्चों को गोद लेकर उनकी पूरी शिक्षा, किताब, ड्रेस और अन्य व्यवस्था निःशुल्क कराई है। आर्थिक रूप से कमजोर कई बच्चों को भी यहां मुफ्त शिक्षा दी जा रही है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर डिवाइन पब्लिक स्कूल ने न केवल शिक्षा का स्तर ऊंचा किया है, बल्कि डायरेक्टर आईपी भारती के नेतृत्व में यह स्कूल सेवा और समर्पण का प्रतीक बन गया है।

जगदेव विचार मंच की हुई बैठक डॉ. बालेश्वर महतो बने अध्यक्ष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव पश्चिमी पंचायत भवन में जगदेव विचार मंच की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता संस्थापक डॉ बालेश्वर महतो एवं संचालन चेपा कला के पंचायत समिति सदस्य कृष्णा राम ने किया। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने कहा कि विचारों से ही क्रांति आती है, अच्छे विचारों के लिए महापुरुषों से जुड़ना पड़ता है। क्योंकि महापुरुषों ने स्वच्छ समाज एवं राष्ट्र का निर्माण किया है। बाबू जगदेव प्रसाद जी का विचार भी प्रेरणा स्रोत है। उनके विचारों से ही हम नए समाज का निर्माण कर सकते हैं। बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर, कपूर्री ठाकुर जैसे महापुरुषों ने भी सामाजिक परिवर्तन लाकर हम सबको नई जीवन देने का काम किया। मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार मेहता ने कहा कि बाबू

जगदेव प्रसाद जी के विचार को आगे बढ़ाना है एवं संगठन को मजबूत करना है, पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर ने संगठन को मजबूती पर प्रकाश डाला, इसके बाद बैठक में सर्वसम्मति से डॉक्टर बालेश्वर महतो को जगदेव विचार मंच के अध्यक्ष एवं संगठन सचिव पिंटू कुशवाहा का चयन किया गया। मौके पर पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, डॉक्टर कीर्ति नाथ महतो, मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार, पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर, कृष्णा राम,मो अख्तर हुसैन, अलंकार, भाजपा मंडल अध्यक्ष शिव शंकर कुमार उर्फ शिबू ,सत्यजीत विद्या, संजय सागर, आनंद कुमार पासवान, पिंटू कुशवाहा, राजेंद्र महतो ,गोकुल महतो, तुलसी राणा आदि मौजूद थे।

झारखंड आंदोलनकारी स्व. रिझुनाथ चौधरी की 12वीं पुण्यतिथि पर पौधे का किया वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : झारखंड आंदोलनकारी सह शिक्षाविद स्व. रिझुनाथ चौधरी की 12वीं पुण्यतिथि बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी के गुरुचट्टी स्थित आवासीय कार्यालय पर श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता आजसू प्रखंड अध्यक्ष गौतम वर्मा व संचालन भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवशंकर उर्फ शिबू मेहता ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए और स्व. रिझुनाथ चौधरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान स्व. रिझुनाथ चौधरी के सामाजिक, शैक्षणिक एवं झारखंड आंदोलन में योगदान को याद किया गया। मौके पर मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार,आजसू केंद्रीय सचिव सह

मुखिया अनिकेत नायक, एवं कामेश्वर महतो संयुक्त रूप से कहा कि रिझुनाथ चौधरी समाज के वंचित और जरूरतमंद लोगों के हित में निरंतर कार्य किया तथा शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणादायी रहा है। पुण्यतिथि के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली का संदेश देते हुए हजारों लोगों के बीच फलदार पौधों का वितरण किया गया। लोगों से पौधों को सुरक्षित रखने तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की गई। कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक सेवा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने स्व. रिझुनाथ चौधरी के विचारों और आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, समर्थक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के लोग मौजूद रहे। श्रद्धांजलि सभा के दौरान पूरा वातावरण स्व. रिझुनाथ चौधरी की स्मृतियों से भावुक नजर आया।

55वें जनता दरबार में विधायक ने सुनीं क्षेत्रवासियों की समस्याएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने रविवार को बरही स्थित अपने आवास पर 55वें जनता दरबार का आयोजन किया। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे लोगों ने विधायक से मुलाकात कर अपनी व्यक्तिगत एवं क्षेत्रीय समस्याओं और शिकायतों से अवगत कराया। विधायक मनोज कुमार यादव ने बारी-बारी से लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों से फोन पर बातचीत की। उन्होंने अधिकारियों को जनसमस्याओं का त्वरित एवं प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनता दरबार में लोगों ने सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, सरकारी

योजनाओं का लाभ, प्रमाण पत्र सहित अन्य समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा। विधायक ने लोगों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा और संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी। विधायक ने कहा कि जनता की समस्याओं को सुनना और उनके समाधान के लिए प्रयास करना उनकी जिम्मेदारी है। जनता दरबार के माध्यम से क्षेत्रवासियों को अपनी समस्याएं सीधे उनके समक्ष रखने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि जनसेवा उनके राजनीतिक जीवन का मूल उद्देश्य है और क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए वे लगातार तत्पर हैं।उन्होंने कहा कि जन-जन की सेवा ही हमारा सर्वोपरि संकल्प है। विधायक ने कहा कि क्षेत्रवासियों के हित और विकास से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए आगे भी जनता दरबार के माध्यम से लोगों से सीधे संवाद जारी रखा जाएगा।

चौपारण में फुटबॉल टूनार्मेंट का हुआ आगाज इमरान खान ने फीता काटकर किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : रविवार को ब्लॉक मैदान में सीएससीए के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय फुटबॉल टूनार्मेंट का भव्य आगाज हुआ। उद्घाटन समारोह में खिलाड़ियों के साथ बड़ी संख्या में खेलप्रेमी मौजूद रहे। दृष्टि आई हॉस्पिटल के संचालक इमरान खान ने फीता काटकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान मैदान में खिलाड़ियों और दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। मौके पर सीएससीए अध्यक्ष तस्लीम रजा, उपाध्यक्ष राकेश कुमार सहाय, सचिव शशि शेखर सहित संस्था के सहयोगी राहुल कुमार, राजा गुप्ता, अजय यादव, बबन कुमार, विक्रम राठौर, अंशु कुमार एवं अभिजीत कुमार समेत अन्य लोग उपस्थित रहे। उद्घाटन अवसर पर अतिथियों ने खिलाड़ियों

का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम ही नहीं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करता है। इस तरह के आयोजनों से ग्रामीण एवं स्थानीय क्षेत्र की प्रतिभाओं को अपनी खेल क्षमता प्रदर्शित करने का बेहतर मंच मिलता है। सात दिवसीय फुटबॉल टूनार्मेंट को लेकर खिलाड़ियों और स्थानीय खेलप्रेमियों में काफी उत्साह है। आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे। टूनार्मेंट को सफल बनाने के लिए आयोजन समिति द्वारा आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

आदिवासी महोत्सव के अवसर पर जिला प्रशासन ने आयोजित किया भव्य जिला स्तरीय समारोह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : आदिवासी महोत्सव-2026 के अवसर पर जिला प्रशासन, हजारीबाग द्वारा आज पैराडाइस रिजॉर्ट, कार्मेल चौक, हजारीबाग में भव्य जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक लोककला एवं प्रतिभाओं को सम्मान और मंच प्रदान करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान स्वागत नृत्य, नागपुरी नृत्य, कलसा नृत्य, आदिवासी समूह नृत्य, छऊ नृत्य, आदिवासी नाट्य मंचन, झारखंडी सांस्कृतिक फैशन शो एवं पारंपरिक लोकनृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। विभिन्न कला दलों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक नृत्य, संगीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम स्थल पर झारखंड की लोक एवं आदिवासी संस्कृति की जीवंत झलक देखने को मिली।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त रिया सिंह, महापौर अरविंद राणा, सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य कुमार पांडे, अपर समाहर्ता महेंद्र छोटन उरांव, जिला योजना पदाधिकारी पंकज कुमार तिवारी, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी वेदवंती कुमारी, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी मुलिन मरांडी, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के माननीय सांसद के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, झारखंड मुक्ति मोर्चा के सुनील कुमार

सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, कलाकार एवं बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट प्रतिभाओं का सम्मान

आदिवासी महोत्सव के माध्यम से जिले की उन प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने खेल, शिक्षा एवं कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर जिले एवं राज्य का गौरव बढ़ाया है। एथलेटिक्स एवं फुटबॉल के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित प्रतिभाओं में फुटबॉल खिलाड़ी अष्टम उरांव एवं पूर्णिमा कुमारी जैसी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिभाएं शामिल रहीं, जिन्होंने भारतीय महिला फुटबॉल का प्रतिनिधित्व करते हुए उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। वहीं एथलेटिक्स के क्षेत्र में पृथ्वी उरांव, प्रीति लकड़ा सहित अन्य खिलाड़ियों को भी उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले संतोष कुमार को भी सम्मान प्रदान किया गया।

इसके अतिरिक्त आदिवासी संस्कृति एवं पारंपरिक कला को जीवंत रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सोहराई कलाकारों को भी सम्मानित किया गया। सोहराई कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पुतली गंझू, दिव्या मुर्मू एवं तारा ज्योत्सना मुर्मू को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान किया गया।

कलादलों को भी मिला सम्मान

कार्यक्रम में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखंड में पंजीकृत विभिन्न कलादलों द्वारा शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। महिला उत्प्रेरणा केन्द्र, हो इंटरटेनमेंट, झारखंड लोक कल्याण समिति, झारखंड समाज विकास परिषद, एमडी ग्रुप ऑफ थिएटर, तरंग ग्रुप एवं सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स, हजारीबाग से जुड़े कलाकारों ने विभिन्न आदिवासी एवं झारखंडी लोक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से कार्यक्रम को जीवंत बना दिया।

संक्षिप्त खबरें

डेबो पीएम श्री स्कूल में एसएमसी गठन को लेकर गरमाया माहौल, सर्वसम्मति से चुने गए अध्यक्ष व संयोजिका

चौपारण (प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता) : डेबो पंचायत स्थित पीएम श्री हाई स्कूल डेबो में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के गठन को लेकर आयोजित प्रक्रिया के दौरान कुछ समय के लिए नोकझोंक की स्थिति उत्पन्न हो गई। हालांकि, बाद में मामले को शांत कराया गया और सर्वसम्मति से समिति का गठन संपन्न कराया गया। इस दौरान रमेश कुमार पांडेय को अध्यक्ष एवं सपना देवी को संयोजिका चुना गया। समिति गठन को लेकर विद्यालय परिसर में ग्रामीणों एवं संबंधित लोगों की उपस्थिति रही। गठन प्रक्रिया के दौरान विभिन्न बिंदुओं को लेकर कुछ देर तक चर्चा और बहस हुई, जिसके कारण माहौल में हल्की गर्माहट देखने को मिली। हालांकि, मौजूद लोगों के हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हुई और सभी की सहमति से एसएमसी के पदाधिकारियों का चयन किया गया। समिति के सदस्यों में सरिता देवी, बीरेंद्र साव, गायत्री देवी, प्रेमा देवी, राधिका देवी, नीतू देवी, रियाज अंसारी, ममता देवी सहित अन्य को शामिल किया गया।समिति गठन के बाद सदस्यों एवं ग्रामीणों ने विद्यालय के बेहतर संचालन, विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने तथा विद्यालय की शैक्षणिक एवं अन्य व्यवस्थाओं को मजबूत करने पर जोर दिया। मौके पर वार्ड सदस्य रामदेव यादव एवं भारत शर्मा के अलावा राजकुमार राणा, मुकेश यादव, किशोर यादव, राजू साव, कैलाश साव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। नवगठित समिति के सदस्यों ने विद्यालय के विकास और विद्यार्थियों के हित में मिलकर कार्य करने की बात कही।

विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ आयोजन

बड़कागांव (प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता): बड़कागांव प्रखंड के आगों पंचायत स्थित ग्राम उरेज के खेल मैदान में विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर फुटबॉल टूनार्मेंट का आयोजन गया। यह मैच यूएफसी क्लब उरेज के तत्वाधान में किया गया। मैच का उद्घाटन मुख्य अतिथि रित्विक कंपनी के उप महाप्रबंधक विजय कुमार कलाटुला, मुखिया निलम मिंज, उप मुखिया रमन गंझू, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि मुनेश्वर गंझू ,मुख्य संरक्षक समाज सेवी कोलेश्वर गांझू और जागेश्वर गंझू ने संयुक्त रूप से भगवान बिरसा मुंडा व नीलांबर पीतांबर की तस्वीर पर माल्यार्पण कर शुरू किया। मैच की शुरूआत इतिज एवं सहेदा के बीच खेला गया। जिसमें से सहेदा टीम के विरुद्ध प्लाटी सूट मारकर इतीज ने जीत हासिल किया। इसके बाद दूसरा मैच बरतुवा एवं पवन इलेवन रामगढ़ के बीच खेला गया। जिसमें पवन इलेवन रामगढ़ ने एक गोल से जीतकर बरतुवा को हराया। समाचार लिखे जाने तक तीसरा मैच इतिज बनाम पवन इलेवन रामगढ़ के बीच खेला जा रहा था। मौके पर समाजसेवी कालेश्वर गंझू ने कहा कि आदिवासी भारत की मूल वासी है, क्योंकि आदिवासी आदिकाल से भारत में निवास करते आ रहे हैं और उनकी ही जमीन पर आदिवासी समुदाय को उनके हक अधिकार को छीना जा रहा है, लेकिन अब हम सब जागरूक हो चुके हैं, अपने हक और अधिकार किसी को छीनने नहीं देंगे, इसीलिए हम सभी विश्व आदिवासी दिवस मनाते हैं, मौके पर टूनार्मेंट को सफल बनाने में टूनार्मेंट के अध्यक्ष जयनंदन गंझू, उपाध्यक्ष संजय कु गंझू, सचिव विरन गंझू, उपसचिव अलबिन टोपो, विशाल गंझू, मुख्य संरक्षक कौलेश्वर गंझू, संरक्षक जागेश्वर गंझू, रमन गंझू, रामजीत गंझू,एतवा गंझू, टिकेश्वर गंझू, दिनेश करमाली, नागेश्वर गंझू,कृष्ण गंझू, शिवनाथ गंझू, प्रेम गंझू, महेश महतो, संजय गंझू, श्याम कु रंजन, सावन गंझू, अजय गंझू, धीरज गंझू, अनिल गंझू, दुर्गा मरांडी,सचिन गंझू,मुकेश गंझू एवं यूएफसी कमेटी के सभी सदस्य उपस्थित थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर लालकी माटी में उमड़ा उत्साह, जुलूस के बाद गीत-नृत्य की प्रस्तुति

चौपारण (प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता): प्रखंड के लालकी माटी गांव में रविवार को विश्व आदिवासी दिवस पारंपरिक उल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सबसे पहले ग्रामीणों ने पारंपरिक वेशभूषा में जुलूस निकाला। जुलूस में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष एवं युवाओं ने भाग लिया। पारंपरिक गीत-संगीत और वेशभूषा के बीच निकले जुलूस ने आदिवासी संस्कृति और परंपरा की आकर्षक झलक प्रस्तुत की। जुलूस के बाद लालकी माटी में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें आदिवासी समाज के लोगों ने पारंपरिक गीत और नृत्य प्रस्तुत किए। गीत-नृत्य की प्रस्तुतियों पर मौजूद ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आयोजन का आनंद उठाया। पूरे परिसर में पारंपरिक संस्कृति और उत्सव का माहौल बना रहा।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ताजपुर मुखिया प्रतिनिधि अभिमन्यु भगत, कांग्रेस जिला सचिव सह बिहार विधानसभा ऑब्जर्वर रेवाली पासवान, चौपारण मुखिया प्रतिनिधि बिनोद सिंह, समाजसेवी यदुनंदन यादव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस दौरान वक्ताओं ने आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, अधिकार और सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला। साथ ही भगवान बिरसा मुंडा के संघर्षपूर्ण जीवन, उनके बलिदान और आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए किए गए आंदोलन को याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि बिरसा मुंडा आदिवासी समाज के गौरव और संघर्ष के प्रतीक हैं। उनके विचार आज भी समाज को शिक्षा, जागरूकता और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में लोगों ने अपनी भाषा, संस्कृति, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने का संकल्प लिया। अतिथियों ने युवाओं से शिक्षा को प्राथमिकता देने, समाज में जागरूकता फैलाने तथा सामाजिक एकता एवं समरसता को मजबूत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति और पहचान को संरक्षित रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

एक नजर

एसयूवी की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल

रांची : रांची-मेदिनीनगर मुख्य पथ पर मुड़मा पूल के समीप रविवार शाम करीब चार बजे हुए सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान चान्हो थाना क्षेत्र के तरंगा पहाड़टोली निवासी 18 वर्षीय प्रमोद मुंडा और 20 वर्षीय आशीष उरांव के रूप में हुई है। बताया जाता है कि दोनों युवक केटीएम बाइक से मुड़मा की ओर से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान मुड़मा के समीप उनकी बाइक की टक्कर एक चार पहिया वाहन से हो गई। हादसे में दोनों युवक सड़क पर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए मांडर अस्पताल लाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद प्रमोद मुंडा की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार प्रमोद के सिर व शरीर में अंदरूनी चोटें आई हैं और वह हादसे के बाद होश में नहीं था। वहीं, आशीष को मिशन स्थित एक अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

अनशन पर बैठे देवेंद्र नाथ महतो से मंत्रियों ने वीडियो कॉल पर की बात

रांची : आंदोलनकारी छात्रों से वार्ता होने के बीच हेमंत सरकार के मंत्रियों ने अनशन पर बैठे देवेंद्र नाथ महतो से वीडियो कॉल पर बात की है। आंदोलनकारी महतो से मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, मंत्री चमरा लिंडा और मंत्री संजय प्रसाद यादव आदि ने बात की। उनको छात्रों की समस्या के निदान का भरोसा दिया गया है। बता दें कि सरकार और छात्रों के बीच चल रही बातचीत फिलहाल खत्म हो गई है। इस बातचीत से जो बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है, उसके अनुसार सरकार फिलहाल तीन परीक्षाएं रद्द करने जा रही है। इसमें 14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा और बैकलॉग की दो परीक्षाएं शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार जो जानकारी मिली है उसके अनुसार सरकार टीडीपीएल एजेंसी द्वारा ली गई सभी परीक्षाओं की जांच कराएगी।

जेपीएससी सीटों को बेचा गया है, जांच हुई तो कई बड़े चेहरे होंगे बेनकाब : जयराम महतो

रांची : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के सुप्रीमो और विधायक जयराम महतो ने जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित भ्रष्टाचार को लेकर चल रहे छात्र-अभ्यर्थियों के आंदोलन पर सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 15 दिनों से छात्र-अभ्यर्थी लगातार आंदोलनरत हैं, लेकिन सरकार इस गंभीर मुद्दे के प्रति बेहद असंवेदनशील बनी हुई है। इसका मूल कारण जेपीएससी की सीटों को कथित तौर पर 50-60 लाख रुपये लेकर बेचे गए हैं। इतनी बड़ी रकम के कथित घोटाले को सिर्फ अभय तिवारी पचा नहीं सकते। और सरकार जानती है यदि पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच हुई तो कई बड़े बागड़ बिल्ले के नाम सामने आयेंगे। उनके चेहरे बेनकाब हो सकते हैं। शायद यही वजह है कि सरकार पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने से बच रही है। जयराम महतो रविवार को पुराना विधानसभा परिसर में एक दिवसीय निर्जला उपवास के दौरान मीडिया से बोल रहे थे। महतो ने कहा कि यह बेहद दुखद है कि छात्र अभ्यर्थी आमरण अनशन में है। स्थिति बिगड़ रही है। लेकिन सरकार की ओर से उच्च शिक्षा मंत्री सोनू सुदिव्य जैसे लोग छात्र-अभ्यर्थियों के आंदोलन को राजनीति करार दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि आंदोलन राजनीतिक है तो सरकार यह जांच करा ले कि धरनास्थल पर कौन राजनीतिक है और कौन गैर-राजनीतिक।

आंदोलनकारी छात्र-छात्राओं के इलाज का पूरा खर्च उठाएगी राज्य सरकार : इरफान अंसारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में छात्र-छात्राओं के आंदोलन के बीच स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने रविवार को आंदोलनकारी छात्रों के नाम एक भावुक एवं संवेदनशील अपील जारी की है। स्वास्थ्य मंत्री ने जारी अपील में कहा है कि लोकतांत्रिक तरीके से अपने अधिकारों और मांगों के लिए संघर्ष करना उनका अधिकार है, लेकिन अपनी जिंदगी और स्वास्थ्य को खतरे में डालना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार छात्रों की भावनाओं, उनकी मांगों और उनके संघर्ष को गंभीरता से समझ रही है तथा सकारात्मक एवं सम्मानजनक समाधान के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने छात्रों से संवाद और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से समाधान की दिशा में आगे बढ़ने का आग्रह किया। अपने पत्र में स्वास्थ्य मंत्री ने छात्रों से कहा कि आंदोलन के दौरान यदि किसी छात्र-छात्रा की तबीयत बिगड़ती है या अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता पड़ती है, तो राज्य सरकार बेहतर से बेहतर चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य के सभी सरकारी एवं निजी अस्पतालों को निर्देश दिया गया है कि किसी भी आंदोलनकारी छात्र-छात्रा को चिकित्सा सुविधा से वंचित न किया जाए। आंदोलनकारी छात्रों के इलाज के नाम पर किसी प्रकार की राशि नहीं ली जाएगी तथा उपचार से संबंधित आवश्यक खर्च राज्य सरकार एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि आंदोलन स्थल पर भी स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीमों को आवश्यकता के अनुसार तैनात रखा गया है, ताकि आंदोलनकारी छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जा सके और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपनी जान को दांव पर न लगाएं और अपने स्वास्थ्य की अनदेखी न करें। स्वास्थ्य मंत्री ने छात्रों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी मांगों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखें, अपनी आवाज बुलंद करें, लेकिन अनशन और भूख हड़ताल जैसे कदमों से बचें। कहा कि सरकार छात्रों की बात सुन रही है और उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार कर रही है। ऐसे में संवाद और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से समाधान निकालना ही सबसे बेहतर रास्ता है। कहा कि झारखंड के युवा राज्य का भविष्य हैं और उनकी सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। उन्होंने छात्रों से भावुक अपील करते हुए कहा आपकी आवाज जरूरी है, आपका संघर्ष महत्वपूर्ण है, लेकिन आपकी जिंदगी उससे भी ज्यादा कीमती है। अपनी मांगों के लिए लड़िए, अपनी आवाज बुलंद कीजिए, लेकिन अपनी जान को दांव पर मत लगाइए। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि संवाद, संवेदनशीलता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से पूरे मामले का सकारात्मक एवं सम्मानजनक समाधान निकाला जाए। उन्होंने छात्रों से सरकार पर विश्वास रखने और बातचीत का रास्ता खुला रखने की अपील की।अपने संदेश के अंत में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आपकी सरकार आपके साथ है। स्वास्थ्य मंत्री आपके साथ खड़ा है। आपकी पीड़ा मेरी पीड़ा है। उन्होंने एक बार फिर सभी आंदोलनकारी छात्र-छात्राओं से अनशन एवं भूख हड़ताल से बचने, अपने स्वास्थ्य की रक्षा करने और संवाद के माध्यम से समाधान की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपील की।

झारखंड के चार जिलों में 13 अगस्त को भारी बारिश का अलर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य के चार जिलों में 13 अगस्त को भारी बारिश होने की संभावना है। राज्य के जिन इलाकों में भारी बारिश हो सकती है उनमें दक्षिणी जिले (पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां) शामिल है। इधर, मौसम विभाग ने 10, 11 और 12 अगस्त को भी राज्य के विभिन्न जिलों में गर्जन के साथ बारिश होने और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना व्यक्त की है। साथ ही इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवा भी चल सकती है। इसे लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पलामू जिले के ऊंटरी रोड में 44 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। वहीं इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान पाकुड़ में 33.2 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान रांची के कांके में 21.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे। दोपहर बाद हल्की धूप भी खिली। इससे हल्की गर्मी और उमस महसूस किया गया। रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री और न्यूनतम 22.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 28.6 डिग्री और न्यूनतम 25.6 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 32.2 और न्यूनतम 25.1 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 30.5 डिग्री और न्यूनतम 24.1 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 28.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत भव्य तिरंगा यात्रा, हजारों लोग हुए शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के तहत मोरहाबादी मैदान से शहीद अल्बर्ट एक्का चौक तक प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान देशभक्ति के उत्साह और हाथों में तिरंगा लिए हजारों कार्यकर्ताओं एवं आमजनों ने इस यात्रा के माध्यम से राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव का संदेश दिया। दिल में राष्ट्रभक्ति और कदमों में देश के प्रति समर्पण के साथ निकली इस यात्रा ने रांची की धरती पर राष्ट्रप्रेम का अद्भुत संदेश दिया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान आज राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और जनभागीदारी का जनआंदोलन बन चुका है। तिरंगा यात्रा राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान का प्रतीक है और यह देशभक्ति की प्रेरणा जगाती है। यह सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता और सद्भावना का संदेश लेकर घर-घर, गांव-गांव, शहर-शहर और हर नागरिक तक पहुंच रही है। उन्होंने सभी से इस गौरवपूर्ण अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि आप सभी अपने घर एवं प्रतिष्ठान पर तिरंगा फहराएं और राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं गौरव के इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में सहभागी बनें।

संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि तिरंगा केवल ध्वज नहीं, बल्कि हमारा गौरव है। यह तिरंगा यात्रा राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। राष्ट्रभक्ति, एकता और देश के प्रति समर्पण की भावना से ओत-प्रोत यह यात्रा हर भारतीय के हृदय में तिरंगे के गौरव को और अधिक सशक्त करने का संदेश दे रही है। इस दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री संजय सेठ, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, बालमुकुंद सहाय, प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्र, मनोज सिंह, विधायक नवीन जायसवाल, सीपी सिंह, नीरा यादव, प्रदेश मंत्री सुनीता सिंह, पूर्व विधायक जीतू चरण राम, अनंत कुमार ओझा, रांची की मेयर रोशनी खलखो, संजीव विजयवर्गीय, जितेंद्र वर्मा सहित कई वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भगवान बिरसा मुंडा की विरासत को समर्पित भव्य जतरा को चमरा लिंडा ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखण्ड की समृद्ध आदिवासी संस्कृति और वीर शहीद भगवान बिरसा मुंडा की अमर विरासत को जीवंत रखने वाले एक भव्य आयोजन का आज शुभारंभ हुआ। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग झारखण्ड सरकार के माननीय मंत्री चमरा लिंडा ने भगवान बिरसा मुंडा स्मृति पार्क (बिरसा मुंडा कारागृह) जेल मोड़ से भगवान बिरसा मुंडा जतरा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान प्रधान सचिव, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग कृपानन्द झा, आदिवासी कल्याण आयुक्त, कुलदीप चौधरी, विशेष सचिव सह निदेशक सूचना जन संपर्क विभाग, राजीव लोचन पदाधिकारी, परियोजना निदेशक ITDA रांची, मनीषा तिर्की, जिला जन संपर्क पदाधिकारी रांची, उर्वशी पांडेय एवं सम्बंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। यह ऐतिहासिक जतरा भगवान बिरसा मुंडा स्मृति पार्क (बिरसा मुंडा कारागृह) जेल मोड़ से प्रारंभ होकर करम टोली चौक होते हुए एसएसपी आवास से होते हुए मोरहाबादी पहुँचेगी। पूरे मार्ग में जनजातीय संस्कृति की अनुपम झलक देखने को मिलेगी। जतरा में झारखण्ड के सभी जिलों से लगभग 10 हजार कलाकार शामिल हुए हैं। ये कलाकार राज्य की विभिन्न जनजातियों-संथाल, मुंडा, हो, उरांव, खड़िया, खरवार और अन्य-से संबंधित हैं। उन्होंने अपने-अपने पारंपरिक स्थानीय वेश-भूषा, आभूषण और वाद्ययंत्रों (ढोल, नगाड़ा, मांदर, बाँसुरी आदि) से सुसज्जित होकर इस भव्य आयोजन में भाग लिया है। जतरा में कुल 6 आकर्षक झाँकियों का भी प्रदर्शन किया गया, जिनमें भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और आदिवासी संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। यह जतरा केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भगवान बिरसा मुंडा के त्याग, बलिदान और आदिवासी अस्मिता के संरक्षण का प्रतीक है। इसमें शामिल कलाकारों की विशाल संख्या और विविध जनजातीय प्रतिनिधित्व झारखण्ड की सांस्कृतिक एकता और गौरव को प्रदर्शित करता है। मंत्री चमरा लिंडा ने इस अवसर पर सभी कलाकारों, आयोजकों और प्रतिभागियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

सुंडील गांव में शहीद निर्मल महतो को दी गई श्रद्धांजलि

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत शनिवार के दिन कोंचो पंचायत के सुंडील गांव में वीर शहीद निर्मल महतो की आदमकद प्रतिमा पर शहादत दिवस के अवसर पर पूरे सम्मान के साथ पुष्प अर्पित कर उनका लोगों ने नमन किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि उन्होंने अलग झारखंड राज्य के सपने को साकार करने के लिए अपना सब कुछ बलिदान दे दिया था। उनकी शहादत ने ही झारखंड आंदोलन को नई दिशा प्रदान की थी।वे झारखंड की अस्मिता और न्याय के लिए हमेशा आगे रहते थे एवं झारखंड अलग राज्य के लिए उन्होंने पूरा जीवन समर्पित कर दिया।इस मौके पर जिला परिषद सदस्य (पूर्वी)लक्ष्मी देवी,सिल्ली मुखिया भरत मुंडा,अखिल महतो,अखिलेश कुम्हार,धनेश्वर महतो,सौरभ कुमार समेत कई अन्य लोग कार्यक्रम में शामिल रहे।

पारस एचईसी हॉस्पिटल में रोबोटिक सर्जरी सुविधा शुरू
राज्यपाल बोले- झारखंड में ही मिले अत्याधुनिक इलाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को धुर्वा स्थित पारस एचईसी हॉस्पिटल में रोबोटिक सर्जरी सुविधा का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने इसे झारखंड में आधुनिक और उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। राज्यपाल ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से मरीजों को अधिक सटीक, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। रोबोटिक सर्जरी चिकित्सा विज्ञान में तकनीकी प्रगति का उत्कृष्ट उदाहरण है। इससे जटिल सर्जरी के दौरान चिकित्सकों को अधिक सटीकता के साथ काम करने में सहायता मिलती है। साथ ही मरीजों को कम चीरा, कम पीड़ा और अपेक्षाकृत जल्दी रिकवरी जैसे लाभ मिल सकते हैं। उन्होंने कहा कि रोबोटिक सर्जरी की सुविधा शुरू होने से झारखंड के मरीजों को उन्नत शल्य चिकित्सा सेवाएं राज्य में ही मिल सकेंगी। इससे लोगों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे राज्यों का रुख करने की आवश्यकता कम होगी।

राज्यपाल ने अपने व्यक्तिगत अनुभव को साझा करते हुए बताया कि करीब 20 वर्ष पहले एक दुर्घटना में उनके पैर में गंभीर चोट लगी थी। उस समय अच्छे चिकित्सकों की सेवा मिलने के बाद वह उपचार के महज तीन दिन में चलने लगे थे। उन्होंने बताया कि आज भी उनके पैर में नौ बोल्ट लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि उनकी इच्छा है कि झारखंड में ऐसा स्वास्थ्य वातावरण और अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं विकसित हों, जिससे राज्य के लोगों को इलाज के लिए दूसरे राज्यों में जाने की जरूरत न पड़े। बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता ऐसी हो कि देश के अन्य हिस्सों से भी लोग इलाज के लिए झारखंड आएं। राज्यपाल ने कहा कि झारखंड को चिकित्सा क्षेत्र में प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए सभी संबंधित संस्थानों को मिलकर काम करना होगा। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी आधारित स्वास्थ्य सेवाओं के विकास की भी राज्य में व्यापक संभावनाएं हैं। गंगवार ने कहा कि आधुनिक तकनीक का उद्देश्य तभी सार्थक होगा, जब इसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सभी वर्गों के लिए सुलभ, किफायती और विश्वसनीय होनी चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य संस्थानों से पात्र लाभार्थियों को सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ उपलब्ध कराने का आह्वान किया।

संक्षिप्त खबरें

वात्सल्यम 2026: सरला बिरला पब्लिक स्कूल में ग्रैंडपेरेंट्स डे का भव्य आयोजन

रांची : सरला बिरला पब्लिक स्कूल, राँची में वात्सल्यम 2026 - ग्रैंडपेरेंट्स डे का आयोजन अत्यंत आत्मीयता, उल्लास और कृतज्ञता के भाव के साथ किया गया। पहली और दूसरी कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत इस विशेष कार्यक्रम की विषयवस्तु एडुवेरिस - शिक्षा का नया युग रही। इस विषय ने पीढ़ियों के अनुभव और ज्ञान को शिक्षा के बदलते स्वरूप के साथ जोड़ते हुए एक सुंदर एवं सार्थक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। समारोह में ग्रैंडपेरेंट्स द्वारा बच्चों को दिए जाने वाले संस्कार, स्नेह और जीवन की अमूल्य सीख के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई। साथ ही, रचनात्मकता, प्रौद्योगिकी, नवाचार और समग्र विकास से आकार लेती आधुनिक शिक्षा-दृष्टि को भी प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने सजीव स्वागत गीत एवं नृत्य के माध्यम से मनोहारी सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। विशेष मैत्री बंधन समारोह ने ग्रैंडपेरेंट्स और उनके नन्हे-मुन्नों के बीच प्रेम, स्नेह, देखभाल एवं जीवनानुभवों से जुड़े चिरस्थायी संबंध को अत्यंत सुंदरता से अभिव्यक्त किया। हेड गर्ल द्वारा प्रस्तुत विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट में संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों और महत्वपूर्ण पड़ावों को रेखांकित किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि संजय धर, कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन - एलएंडडी), सेल की गरिमामयी उपस्थिति रही। विशिष्ट अतिथि संजय धर ने कहा कि शिक्षा के नए युग में आधुनिक दक्षताओं और चिरस्थायी मूल्यों के बीच सार्थक संतुलन स्थापित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जहाँ एसटीईएम शिक्षा, बहुभाषिकता, कला-एकीकरण, खेल और प्रौद्योगिकी बच्चों के क्षितिज को व्यापक बनाते हैं, वहीं ग्रैंडपेरेंट्स उनमें सहानुभूति, दृढ़ता, अपनत्व और सम्मान जैसे मानवीय गुणों का विकास करते हैं। उन्होंने विद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा केवल कक्षाओं तक सीमित नहीं, बल्कि परिवारों और पीढ़ियों से जुड़ी एक साझा यात्रा है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों की श्रृंखला ने केंद्रीय विषय को जीवंत रूप प्रदान किया। दूसरी कक्षा बी एवं ई के विद्यार्थियों ने विज्ञान और सृजन प्रस्तुत किया, जिसमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास पर विशेष बल दिया गया। वहीं दूसरी कक्षा सी एवं एफ के विद्यार्थियों ने क्रिएटिव कॉसमॉस के माध्यम से कला-एकीकरण द्वारा गणित एवं विज्ञान के अधिगम को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। दूसरी कक्षा ए एवं डी के विद्यार्थियों ने लिटिल लीडर्स के माध्यम से रचनात्मकता, आत्मविश्वास और 21वीं सदी के कौशलों को उजागर किया।

देवघर के लिए मुरी से रवाना हुआ कांवरियों का जत्था

मुरी: मुरी से रविवार के दिन संध्या में देवघर के लिए कांवड़ियों का जत्था रवाना हुआ। जत्था में काफी कांवरिया विभिन्न गांवों से शामिल रहे। कांवड़ियों का यह सिलसिला काफी वर्षों से चला आ रहा है। कांवड़ियों का जत्था बाबा बैद्यनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए भक्ति भाव के साथ ट्रेन से प्रस्थान किये। यह जत्था सुल्तानगंज से गंगाजल भरकर पैदल यात्रा करते हुए देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ पहुंचेगा और जल अर्पित कर क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना करेगा। इस जत्था में लखीराम मांझी, चितरंजन मंडल (कुटाम),नवीन कुमार महतो, राहुल कुमार महतो, धीरेंद्र कुमार महतो, शैलेंद्र महतो (असुरकोड़ा), अविनाश कोईरी (सिल्ली), सुनील नायक, प्रदुम महतो, विमल कुमार महतो, विष्णु प्रजापति, कुंजू महतो (लोदमू), ब्रजेश कुमार (बड़ा मुरी) एवं लखन कुमार (छोटा मुरी) शामिल रहे।

किशोर कुमार जी की जयंती पर 'मेरी आवाज मेरी पहचान' ने दी संगीतमय श्रद्धांजलि

रांची : रविवार को महान गायक किशोर कुमार जी की जयंती एवं विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रांची एवं झारखंड में हलचल मचाने वाली कला सांस्कृतिक संस्था मेरी आवाज मेरी पहचान द्वारा संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन पीपर टोली, हरमू में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ कोर कमेटी के सदस्यों ने किशोर दा के चित्र के निकट दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर संगीतमय श्रद्धांजलि देकर किया गया। संस्था के संस्थापक कुमार गहलोत जी ने कहा किशोर दा मेरे जीवन के आदर्श और गुरु के समान हैं उनके गीतों से मैंने संगीत की बहुत कुछ सीख हासिल की है और आज मेरी पहचान में उनकी ही प्रेरणा का बहुत बड़ा योगदान है। संस्था की सचिव कविता होरो जी के नेतृत्व में कार्यक्रम की पूरी व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित की गई। वे संस्था के कार्यालय एवं विधि-व्यवस्था को संभालने के साथ-साथ कलाकारों को मधुरमय स्वागत एवं समर्पण भाव के साथ किया।

आमरण अनशन पर बैठे छात्र राहुल क्रांति से मिलीं भाजपा की वरिष्ठ नेत्री अस्मिता आनंद

रांची : भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेत्री स्मिता आनंद ने रविवार को रांची स्थित सदर अस्पताल पहुंचकर जेएसएससी एवं जेपीएससी में कथित महाघोटाले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर आमरण अनशन पर बैठे पलामू के छात्र राहुल क्रांति से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। स्मिता आनंद ने चिकित्सकों से राहुल क्रांति के स्वास्थ्य के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। चिकित्सकों ने बताया कि तबीयत अधिक बिगड़ने के कारण उन्हें शनिवार को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लंबे समय से आमरण अनशन पर रहने के कारण उनका स्वास्थ्य चिंताजनक बना हुआ है। आनंद ने राहुल क्रांति के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करते हुए कहा कि छात्रों के हितों और प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए उठाई जा रही उनकी मांग गंभीर और महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकार को छात्रों की चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने चिकित्सकों से राहुल क्रांति को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह किया और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

एक नजर

इटखोरी में जलजमाव से कई एकड़ खेत बर्बाद

इटखोरी (चतरा) : इटखोरी प्रखंड के हजारीबाग रोड स्थित कलना तालाब के समीप लंबे समय से जलजमाव के कारण कई एकड़ जमीन में खेती प्रभावित हो रही है। पानी जमा रहने से किसान अपने खेतों में खेती नहीं कर पा रहे हैं। वहीं, कई घरों में भी खेतों का पानी प्रवेश कर गया है, जिससे ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। ग्रामीणों के अनुसार, सड़क किनारे लंबे समय से पानी जमा रहने के कारण सड़क के भी क्षतिग्रस्त होने की आशंका बनी हुई है। जलजमाव से लखन राम, बीरेंद्र गुप्ता, सकलदेव राम, बिलास राम समेत कई ग्रामीणों के घर और खेत प्रभावित हो रहे हैं। किसानों का कहना है कि पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण हर साल ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है। जलजमाव के कारण खेतों में फसल लगाने में परेशानी होती है और किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल निकासी के लिए पुल का निर्माण कराने अथवा पुराने पुल की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो किसानों और ग्रामीणों की परेशानी और बढ़ सकती है।

दुर्गा पूजा को लेकर ग्रामीणों की बैठक

गिद्धौर (चतरा) : गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय अंतर्गत ठाकुरवाड़ी मंदिर परिसर में दुर्गा पूजा के आयोजन को लेकर रविवार को ग्रामीणों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुखिया निर्मला देवी ने की, जबकि संचालन विधायक प्रतिनिधि कपिल कुमार दांगी ने किया। बैठक में सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार कुशवाहा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में ग्रामीणों ने दुर्गा पूजा को इस वर्ष धूमधाम एवं भव्य तरीके से मनाने को लेकर विचार-विमर्श किया। इसके बाद पूजा समिति के अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया शुरू की गई। अध्यक्ष पद के लिए पंकज कुमार दांगी, पूर्व दुर्गा पूजा अध्यक्ष दशरथ कुमार, आकाश कुमार, विकास कुमार तथा सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार कुशवाहा ने अपना-अपना नाम प्रस्तुत किया। सभी नामों पर आपसी सहमति बनने के बाद लॉटरी के माध्यम से अध्यक्ष का चयन किया गया। लॉटरी में मनोज कुमार कुशवाहा का नाम आने पर उन्हें दुर्गा पूजा समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। ग्रामीणों ने उन्हें बधाई देते हुए पूजा आयोजन को सफल बनाने में सहयोग का भरोसा दिलाया।

उलवार में फुटबॉल मैच का आयोजन

कुंदा (चतरा) : कुंदा प्रखंड के नवादा पंचायत अंतर्गत सुदूरवर्ती गांव उलवार में ग्रामीण युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने और उनकी प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। मुकाबला उलवार और बनियाडीह टीम के बीच खेला गया। मैच का उद्घाटन नवादा पंचायत के मुखिया भरत यादव ने फीता काटकर किया। उन्होंने मैदान पहुंचकर दोनों टीमों के खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान मुखिया ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि इससे युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, आपसी भाईचारा और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है।

युवा शक्ति एक नई सोच नें डोमचांच में निकाला भव्य तिरंगा यात्रा

स्थानीय समाजसेवी व व्यापारियों के द्वारा चौक चौराहा पर स्कूली बच्चों तथा तिरंगा यात्रा में भाग लेने वाले लोगों के लिए शरबत फल फल बिस्किट इत्यादि की व्यवस्था

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

डोमचांच/कोडरमा : अगस्त क्रांति दिवस के उपलक्ष्य पर में रविवार को युवा शक्ति एक नयी सोच संस्था की और से डोमचांच में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गयी।यात्रा चंद्रावती स्मारक उच्च विद्यालय के मैदान से शुरू हुई, जो डोमचांच नगर पंचायत क्षेत्र व प्रखंड के कई इलाकों से गुजरी। यात्रा में विभिन्न स्कूलों के बच्चों नै देशभक्ति के नारे लगाये।पूरा डोमचांच देश क्ति गीतों व नारों, भारत माता की जय व वंदे मातरम्‌ के नारों से गूंज उठा। करीब पांच किलोमीटर लंबी यात्रा के दौरान कई लोगों ने यात्रा में शामिल बच्चों का स्वागत किया।इस मौके पर जिप अध्यक्ष रामधन यादव,प्रमुख डॉ. सत्यनारायण यादव,डोमचांच नगर पंचायत अध्यक्ष उमेश वर्मा, नगर पंचायत उपाध्यक्ष आदर्श कुमार पंकज उर्फ अजय साव, जिप सदस्य शांति प्रिया,भाजपा नेता रमेश सिंह,राजद जिलाध्यक्ष महेन्द्र यादव,थाना प्रभारी अभिमन्यु पडिहारी,भाजपा जिलाध्यक्ष अनूप जोशी आदि मौजूद थे। इस दौरान अपने संबोधन में जिप अध्यक्ष रामधन यादव ने कहा कि तिरंगा यात्रा से हमें अपने देश के प्रति जिम्मेदारियों और कर्तव्यों के बारे में जागरूक होने का अवसर मिलता है। प्रमुख डॉ सत्यनारायण यादव ने कहा कि तिरंगा यात्रा हमारे अंदर राष्ट्र के प्रति समर्पण और बलिदान की भावना को जगाता है।वहीं नगर पंचायत अध्यक्ष उमेश वर्मा ने कहा कि तिरंगा यात्रा हमारे देश की एकता और अखंडता का प्रतीक है। वही बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज की और से स्कूली बच्चों व लोगों के बीच फलदार पौधे बांटे गए। इस मौके सांसद प्रतिनिधि सह भाजपा नगर अध्यक्ष सुजीत मेहता,राजद जिलाध्यक्ष महेन्द्र बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज डोमचांच के सचिव हिमांशु कुमार, संरक्षक व पेड़ मित्र अभियंता प्रेमांशु कुमार युवा नेता संजय मेहता, उदय मेहता,मॉडल एकेडमी की निदेशिका संगीता सिन्हा, श्री महेश एकेडमी के निदेशक सुनील सिन्हा, डीएवी पब्लिक स्कूल के निदेशक दिलीप कुमार यादव, जीएस पब्लिक स्कूल के निदेशक नितेश सिंह,मिथिलेश यादव,अमरदीप कुमार, विवेक इंद्र गुरु,विश्वजीत बनर्जी, किशोर सिन्हा, पंकज कुमार, गणेश पांडेय, बलराम वर्मा, मुकेश पांडेय, सुरज कुमार, मिथिलेश कुमार मेहता, मोनू सिंह आदि मौजूद थे।

राष्ट्रीय शूटिंग शिविर से लौटे एनसीसी कैडेटों का कोडरमा स्टेशन पर स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित एनसीसी के अंतर निदेशालय शूटिंग खेल चैंपियनशिप शिविर से लौटे 45 झारखंड बटालियन एनसीसी, कोडरमा के चार कैडेटों का रविवार को कोडरमा रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत किया गया। तमिलनाडु के त्रिची में 21 जुलाई से 3 अगस्त तक आयोजित राष्ट्रीय शिविर में देशभर के एनसीसी कैडेटों ने हिस्सा लिया था।

बिहार-झारखंड निदेशालय से चयनित 18 कैडेटों में 45 झारखंड बटालियन एनसीसी के चार कैडेट पृथ्वीराज, आदित्य भारती, सलोनी कुमारी और सूरज कुमार सिंह शामिल थे। पृथ्वीराज सीएच प्लस-टू हाई स्कूल, आदित्य भारती आरएलएसवाई इंटर कॉलेज, सलोनी कुमारी जे.जे. कॉलेज और सूरज कुमार सिंह पारसनाथ कॉलेज के छात्र हैं।

चारों कैडेटों ने राष्ट्रीय स्तर के शिविर में अनुशासन, समर्पण, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का परिचय देते हुए झारखंड का प्रतिनिधित्व किया।

45 झारखंड बटालियन एनसीसी के नवनियुक्त कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पारस लिंबू के नेतृत्व और मार्गदर्शन में कैडेटों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जा रहा है। कर्नल पारस लिंबू को राष्ट्रपति द्वारा देश के दूसरे सर्वोच्च वीरता पुरस्कार कीर्ति चक्र से सम्मानित किया जा चुका है।

एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट संतोष कुमार ने कहा कि कर्नल पारस लिंबू का अनुभव और नेतृत्व कैडेटों के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि कैडेटों को केवल अग्निवीर बनने तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि भारतीय सेना और अन्य क्षेत्रों में अधिकारी पदों तक पहुंचने के लिए भी प्रेरित एवं तैयार किया जा रहा है।

कोडरमा स्टेशन पर कैडेटों के स्वागत के दौरान सूबेदार मेजर जीके चौधरी, सूबेदार चंपा मुर्मू, हवलदार अजीत कुमार, एएनओ लेफ्टिनेंट राधिका, लेफ्टिनेंट मिंज और सेकेंड ऑफिसर नवीन चौधरी समेत अन्य एनसीसी पदाधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कैडेटों का उत्साह बढ़ाते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

झारखंड आदिवासी महोत्सव में दिखी संस्कृति की समृद्ध झलक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : बागीटांड स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज में रविवार को झारखंड आदिवासी महोत्सव-2026 का आयोजन हुआ। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशिषा, वन प्रमंडल पदाधिकारी सौमित्र शुक्ला एवं जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर महोत्सव का शुभारंभ किया।

महोत्सव में छात्र-छात्राओं ने आदिवासी लोकगीत, पारंपरिक नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से झारखंड की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, परंपरा और प्रकृति प्रेम को जीवंत किया। छऊ नृत्य, जय जोहार, जय आदिवासी और हम माटी के लाल जैसी प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान पर आधारित प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र रही।

कार्यक्रम में रोजगार मेले में चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र, विभिन्न योजनाओं के लाभुकों को प्रमाण पत्र, बच्चियों को साइकिल तथा बिरहोर परिवारों को राशन कार्ड वितरित किए गए। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के लाभुकों को भी प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

महोत्सव में क्राफ्ट, कौशल विकास, फूड एवं पीएम विश्वकर्मा योजना के स्टॉल लगाए गए। साथ ही रक्तदान, स्वास्थ्य जांच और आयुष्मान कार्ड निर्माण का शिविर भी आयोजित हुआ। कार्यक्रम ने आदिवासी कला-संस्कृति को मंच देने के साथ नई पीढ़ी को अपनी विरासत और गौरवशाली इतिहास से जोड़ने का संदेश दिया।

लाल नगर मरकच्चो मे हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र के मध्य पंचायत स्थित लाल नगर के राधा कृष्ण मंदिर परिसर में हनुमान मंदिर के समक्ष शनिवार से साप्ताहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिला एवं पुरुष एकत्र होकर विधि विधान से भगवान हनुमान जी की पूजा अर्चना तथा सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा पाठ किया। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि प्रत्येक शनिवार को नियमित रूप से साप्ताहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य क्षेत्र में धार्मिक वातावरण को बढ़ावा देना, लोगों को आध्यात्मिक रूप से जोड़ना है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके पर मुकुल चंद्र प्रसाद, अरुण प्रसाद, दिलीप कुमार सिन्हा, प्रदीप सिन्हा, बिनोद कुमार सिन्हा, प्रमोद कुमार सिन्हा, रंजीत कुमार, नारायण सिंह, चंद्रदेव सिंह, आशुतोष कुमार सिन्हा, अमित कुमार, प्रेम कुमार सिन्हा,नवीन कुमार , जयमंगल प्रसाद,दीपक कुमार, शुभाष मोदी, नारायण दास,एतवारी दास समेत कई धर्मप्रेमी उपस्थित थे।

जे. जे. कॉलेज को विभावि से अलग करने के विरोध में अभाविप का तीन दिवसीय धरना समाप्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : जे. जे. कॉलेज, झुमरी तिलैया को विनोबा भावे विश्वविद्यालय (विभावि), हजारीबाग से अलग कर सर जे. सी. बोस विश्वविद्यालय, गिरिडीह से संबद्ध किए जाने के प्रस्ताव के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) कोडरमा जिला का तीन दिवसीय धरना-प्रदर्शन रविवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। धरना के दौरान परिषद ने छात्रहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की और मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी।

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह जिला संयोजक अतुल आनंद ने कहा कि कोडरमा के महाविद्यालयों को विनोबा भावे विश्वविद्यालय से अलग कर गिरिडीह विश्वविद्यालय से जोड़ना विद्यार्थियों के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि कोडरमा से हजारीबाग की दूरी करीब 55 किलोमीटर है, जबकि गिरिडीह करीब 120 किलोमीटर दूर है। ऐसे में विश्वविद्यालय से जुड़े कार्यों के लिए विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय, आर्थिक खर्च और अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ेगी। उन्होंने सरकार से इस प्रस्ताव को तत्काल वापस लेने की मांग की।

नगर मंत्री सुधांशु यादव ने कहा कि जेपीएससी समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक और परीक्षा अनियमितताओं की घटनाएं युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हैं। उन्होंने सभी मामलों की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य चंचल कुमारी ने रांची में छात्र आंदोलन के दौरान प्रशासनिक कार्रवाई और कार्यकताओं की हिरासत पर आपत्ति जताते हुए कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांग रखने वाले छात्रों की आवाज को दबाने के बजाय सरकार को उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

अभाविप नेताओं ने कहा कि गिरफ्तारी या किसी भी प्रकार की दमनात्मक कार्रवाई से छात्रहित की लड़ाई कमजोर नहीं होगी। यदि सरकार ने कोडरमा समेत झारखंड के विद्यार्थियों की समस्याओं पर शीघ्र पहल नहीं की, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

जी. एस. पब्लिक स्कूल के बच्चों ने तिरंगा यात्रा में किया शानदार प्रदर्शन

- शहीद स्मारक की भव्य झांकी, संसद भवन व बच्चों के द्वारा बैंड प्रदर्शन रहा लोगो के आकर्षण का केंद्र
- तिरंगा यात्रा डोमचांच के लिए गर्व व ऐतिहासिक क्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : डोमचांच स्थित जी. एस. पब्लिक स्कूल के बच्चों ने शहीदों की धरती डोमचांच में आयोजित ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा में अपने झांकियों से पूरे शाहरवाशियों का मन मोहा। बतादें की हर वर्ष की भाँती इस वर्ष भी डोमचांच युवा शक्ति- एक नई सोच की पूरी टीम द्वारा यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें डोमचांच के लगभग 35 विद्यालयों ने अपने बच्चों के साथ उपस्थित होकर एक से बढ़कर एक झांकियों का प्रदर्शन किया।

इस कार्यक्रम में जी. एस. पब्लिक स्कूल के बच्चों ने अलग अलग झांकियां प्रस्तुत करते हुए भारत माता, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद, खासकर रानी लक्ष्मी बाई के वेशभुशे में छात्राओं की टोली ने लोगो को खूब आकर्षित किया साथ बच्चों ने अपने हाथों में भारत की शान तिरंगे को अपने हाथों में थामते हुए नजर आए।

कार्यक्रम में जी.एस. पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष प्रदीप सिंह ने पूरे कार्यक्रम की सराहना की व युवा शक्ति की टीम के बैनर तले यह कार्यक्रम कराने को लेकर उनकी प्रशंसा की व सभी बच्चों की खूब तारीफ की।

निदेशक नितेश कुमार ने भी कार्यक्रम की सराहना करते हुए युवा शक्ति की पूरी टीम को अपना धन्यवाद दिया और कहा तिरंगा यात्रा से सभों में देश के प्रति अटूट प्रेम व लोगो के प्रति सद्भाव देखने को मिलता है।

उन्होंने बच्चों का भी अपना धन्यवाद दिया व उनके जोश व जज्बे को अपना सलाम दिया। साथ ही उन्होंने स्कूल के बैंड टीम के सभी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी प्रशंसा की एवं कहा कि उनके बैंड की तारीफ पूरे शहर में होती है व लोगो को इसका इंतजार रहता है।

उपस्थित विद्यालय के उपनिदेशक नीरज सिंह ने भी पूरे जोश के साथ बच्चों के कदम के साथ अपने कदम मिलाये व उनके द्वारा बोले गए अलग अलग नारों में अपना साथ दिया।

तिरंगा यात्रा में शामिल विद्यालय की प्राचार्य प्रतिमा कुमारी, शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा बच्चों ने अपनी भागीदारी निभायीं।

संक्षिप्त खबरें

ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन का वार्षिक सम्मेलन संपन्न

झुमरी तिलैया : ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन का तीसरा वार्षिक सम्मेलन होटल कृष्णा परिसर में रविवार को संपन्न हो गया। मजदूरों के संघर्ष की पहचान लाल झंडा फहराकर सम्मेलन की शुरूआत हुई। जहां शहीद बेदी पर अतिथियों और प्रतिनिधियों ने माल्यार्पण किया। सम्मेलन की अध्यक्षता धनबाद मंडल के अध्यक्ष एस. के. सिंह ने किया। जबकि संचालन शाखा सचिव कपिन्दर कुमार ने किया। सम्मेलन का विधिवत उदघाटन अलारसा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामराज भगत ने किया। मुख्य वक्ता साउथ ईस्टर्न रेलवे सचिव और अर्बन कॉपरेटिव बैंक के डायरेक्टर एस.पी. सिंह ने केन्द्र सरकार की मजदूर, किसान, छात्र युवा विरोधी नीतियों की तीखी आलोचना करते हुए रेलवे के लोको रनिंग स्टाफ के ऊपर दमन, शोषण का जमकर विरोध किया। उन्होंने आने वाले दिनों में 08 घंटे ड्यूटी, 46 घंटे सामुहिक रेस्ट, रात्री में 2 घंटे से अधिक लगातार ड्यूटी नहीं, 36 घंटे में मुख्यालय वापसी आदि मुद्दों पर जबरदस्त आन्दोलन का आह्वान किया। हाजीपुर जोनल सचिव ए. के राऊत और अध्यक्ष डी. पी. श्रीवास्तव ने 10 अगस्त के किसान, मजदूरों के जेलभरो आंदोलन का नैतिक समर्थन की घोषणा किया। उन्होंने लोको पायलट के किलो मीटर भत्ता को केन्द्र सरकार द्वारा समाप्त करने की साजिश का विरोध किया। कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने रेलवे सहित देश के तमाम सार्वजनिक संस्थाओं के निजीकरण का विरोध करने का आह्वान किया। सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने सम्मेलन का अभिनंदन करते हुए कहा कि देश गंभीर दौर से गुजर रहा है। केन्द्र की वर्तमान मोदी सरकार कॉरपोरेट परस्त नीतियाँ लागू कर रही है और मजदूर कर्मचारियों को गुलाम बनाने के लिए चार लेबर कोड को लाया गया है। जिसके खिलाफ एकजुट संघर्ष तेज करना होगा। सम्मेलन को ईसीआरईयू के मंडल सचिव सुनील कुमार सिंह, केन्द्रीय सहायक मंत्री डी. बी. दीन ने भी संबोधित किया। सम्मेलन के अंत में सर्वसम्मति से अगले तीन साल के लिए शाखा कमिटी का चुनाव किया गया। जिसमें आशुतोष कुमार अध्यक्ष, सचिव दिवाकर कुमार, उमा शंकर प्रसाद कार्यकारी अध्यक्ष और अभिषेक कुमार कोषाध्यक्ष के अलावा अजीत कुमार, श्याम नारायण उपाध्यक्ष, अखिलेश कुमार, पंकज कुमार, श्याम किशोर, एन के सिंह, सतीश कुमार सहायक सचिव, प्रभाकर कुमार सहायक कोषाध्यक्ष, सुजेश कुमार, मो आफताब, सुधीर कुमार, राजू कुमार संगठन सचिव एवं कपीन्द्र कुमार अंकेक्षक तथा आई के भारती, धनराज, अमित कुमार, नीलू कुमारी कार्यकारिणी सदस्य चूने गए। सम्मेलन में धनबाद मंडल के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों लोको रनिंग स्टाफ शामिल हुए।

जेल भरो आंदोलन आज, जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करेगी सेविका सहायिका : सीटू

झुमरीतिलैया : केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों और संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर केन्द्र सरकार की किसान मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ 10 अगस्त को जेल भरो आंदोलन का झारखंड राज्य आंगनबाड़ी सेविका सहायिका यूनियन (सीटू) ने समर्थन किया है। साथ ही चार माह से केन्द्र सरकार के द्वारा मिलने वाला मानदेय नहीं मिलने व छह महीने से पोषाहार राशि नहीं मिलने एवं विभाग द्वारा घटिया ड्रेस देने के खिलाफ 10 अगस्त को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करेगी सेविका सहायिकाएं। मालूम हो कि 10 अगस्त से आंगनबाड़ी बच्चों का पोषाहार बंद करने का सेविका सहायिका यूनियन ने पहले ही घोषणा किया हुआ है। इस संबंध में सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने कहा कि पिछले छह माह से पोषाहार राशि नहीं मिलने से आंगनबाड़ी सेविकाओं को काफी परेशानी हो रही है। उधार लेकर सेविकाएं आंगनबाड़ी बच्चों को खाना खिला रही है। अब दुकानदार ने उधार देना बंद कर दिया है। इस परिस्थिति में आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों का पोषाहार बंद करने छोड़कर सेविकाओं के पास कोई रास्ता नहीं है। एक तरफ महंगाई से लोगों का जीना मुस्किल हो गया है। ऐसे में छह महीने से पोषाहार राशि नहीं मिला है। अंडा का दाम 10 रूपया हो गया है। जबकि सरकारी दर 6 रूपया ही है। केन्द्र सरकार ने लेबर कोड लागू कर मजदूरों के संघर्ष के अधिकार को कमजोर करने की कोशिश किया है। अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौता से देश का कृषि और किसान गुलाम हो जाएंगे। आंगनबाड़ी यूनियन की प्रदेश अध्यक्ष मीरा देवी ने कहा कि एक तरफ बाजार में सभी चीजों का दाम आसमान छू रहा है। दूसरी तरफ आंगनबाड़ी सेविकाओं को पांच साल पुराना दर पर सामग्री खरीदने के लिए कहा जाता है। केन्द्र सरकार ने पिछले 9 सालों में मानदेय में एक रूपया की भी बढ़ोतरी नहीं किया है। जबकि कई गुना ज्यादा काम का बोझ बढ़ा दिया है। हमारे पास संघर्ष छोड़ कोई रास्ता नहीं है।

10 अगस्त को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करेगी सेविका सहायिका : सीटू

झुमरी तिलैया : केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों और संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर केन्द्र सरकार की किसान मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ 10 अगस्त को जेल भरो आंदोलन का झारखंड राज्य आंगनबाड़ी सेविका सहायिका यूनियन (सीटू) ने समर्थन किया है। साथ ही चार माह से केन्द्र सरकार के द्वारा मिलने वाला मानदेय नहीं मिलने व छह महीने से पोषाहार राशि नहीं मिलने एवं विभाग द्वारा घटिया ड्रेस देने के खिलाफ 10 अगस्त को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करेगी सेविका सहायिकाएं। मालूम हो कि 10 अगस्त से आंगनबाड़ी बच्चों का पोषाहार बंद करने का सेविका सहायिका यूनियन ने पहले ही घोषणा किया हुआ है। इस संबंध में सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने कहा कि पिछले छह माह से पोषाहार राशि नहीं मिलने से आंगनबाड़ी सेविकाओं को काफी परेशानी हो रही है। उधार लेकर सेविकाएं आंगनबाड़ी बच्चों को खाना खिला रही है। अब दुकानदार ने उधार देना बंद कर दिया है। इस परिस्थिति में आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों का पोषाहार बंद करने छोड़कर सेविकाओं के पास कोई रास्ता नहीं है। एक तरफ महंगाई से लोगों का जीना मुस्किल हो गया है। ऐसे में छह महीने से पोषाहार राशि नहीं मिला है। अंडा का दाम 10 रूपया हो गया है। जबकि सरकारी दर 6 रूपया ही है। केन्द्र सरकार ने लेबर कोड लागू कर मजदूरों के संघर्ष के अधिकार को कमजोर करने की कोशिश किया है। अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौता से देश का कृषि और किसान गुलाम हो जाएंगे। आंगनबाड़ी यूनियन की प्रदेश अध्यक्ष मीरा देवी ने कहा कि एक तरफ बाजार में सभी चीजों का दाम आसमान छू रहा है। दूसरी तरफ आंगनबाड़ी सेविकाओं को पांच साल पुराना दर पर सामग्री खरीदने के लिए कहा जाता है। केन्द्र सरकार ने पिछले 9 सालों में मानदेय में एक रूपया की भी बढ़ोतरी नहीं किया है। जबकि कई गुना ज्यादा काम का बोझ बढ़ा दिया है। हमारे पास संघर्ष छोड़ कोई रास्ता नहीं है।

एक नजर

झारखंड जन सेवा युवा मंच ने आदिवासी दिवस पर किया रक्तदान

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड के भुला पंचायत भवन में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर झारखंड जन सेवा युवा मंच द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया गया।इस दौरान कुल 20 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। शिविर में पंचायत के मुखिया मंगल सिंह,उप मुखिया,समाजसेवी संजय गोराई,आयोजक जगदीश गोप,झामुमो अध्यक्ष दीपांकर महतो, शिक्षक विजय सिंह सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर रक्तदान शिविर, 20 लोगों ने किया रक्तदान

खूंटी : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर सदर अस्पताल खूंटी स्थित रक्त केंद्र के तत्वावधान में रविवार को नगर पंचायत के वार्ड नंबर-10 में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का नेतृत्व वार्ड पार्षद मोहम्मद खालिद हुसैन ने किया। इसका शुभारंभ सिविल सर्जन डॉ. ललित रंजन पाठक और वार्ड पार्षद ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर वार्ड पार्षद मोहम्मद खालिद हुसैन ने कहा कि वार्ड नंबर-10 में समय-समय पर जनहित से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी क्रम में सामाजिक दायित्व के तहत विश्व आदिवासी दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया है। सिविल सर्जन डॉ. ललित रंजन पाठक ने कहा कि रक्तदान महादान है। थैलेसीमिया और सिकल सेल बीमारी से पीड़ित मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के लिए नियमित रक्तदान शिविर जरूरी हैं। उन्होंने शिविर के आयोजन के लिए वार्ड पार्षद मोहम्मद खालिद हुसैन और आजाद समाज पार्टी के जिला प्रभारी मोहम्मद मोजबिल राईन के प्रति आभार जताया। आजाद समाज पार्टी के जिला प्रभारी मोहम्मद मोजबिल राईन ने बताया कि संगठन की ओर से प्रत्येक तीन माह में रक्तदान शिविर आयोजित किया जाता है, जिसमें युवा उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। उन्होंने लोगों से नियमित रक्तदान करने की अपील की। शिविर में चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आनंद किशोर उरांव ने रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया। जांच के बाद कुल 20 लोगों ने रक्तदान किया। शिविर को सफल बनाने में वार्ड पार्षद, पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के अलावा रक्त केंद्र के काउंसलर निशांत झा, सुशांत कुमार और पूनम भेंगरा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सड़क पर गड्ढे के कारण बनी तालाब, युवाओं ने धान रोपकर जताया आक्रोश

पलामू : जिला मुख्यायल मेदिनीनगर के अति व्यस्ततम चौक चौराहों में से एक बैरिया चौक सड़क इन दिनों गड्ढे में तब्दील हो गई है। इन गड्ढे में पानी जमने से हर दिन हादसे से हो रहे हैं। लगातार परेशानी देखकर बड़ी संख्या में युवाओं ने रविवार को सड़क पर धान रोपनी कर आक्रोश जताया। साथ ही मौके पर धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी। धान रोपाई कर रहे लोगों ने कहा कि सड़क की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि बारिश के बाद गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क और खेत में अंतर करना मुश्किल हो गया है। राहगीरों और वाहन चालकों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है। बैरिया चौक से होकर गुजरने वाली यह सड़क जिले के कई महत्वपूर्ण इलाकों को जोड़ती है। यह मार्ग हुसैनाबाद, छतरपुर, पड़वा, पाटन, विश्रामपुर और हरिहरगंज सहित कई क्षेत्रों के आवागमन का प्रमुख जरिया है।

श्रम, सादगी और प्रकृति संरक्षण का संदेश लेकर मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को पटमदा थाना परिसर में प्रशासन एवं सामाजिक कार्यकताओं की ओर से कार्यक्रम आयोजित कर प्रकृति संरक्षण और आदिवासी संस्कृति को बचाने का संदेश दिया गया। इस दौरान थाना परिसर में झाड़खंड का राजकीय वृक्ष साल के पौधों का रोपण किया गया। वहीं, वीर शहीद तिलका मांझी, सिद्धू-कान्हू और बिरसा मुंडा की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उनके संघर्ष और बलिदान को याद किया गया।

कार्यक्रम में अंचल निरीक्षक अजय कुमार मुंडा ने कहा कि आदिवासी समाज की जीवनशैली सदियों से श्रम, सादगी, सरलता, स्वाभिमान, संघर्ष और प्रकृति के साथ सामंजस्य पर आधारित रही है। जल, जंगल और जमीन के संरक्षण की परंपरा आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रकृति के प्रति आदिवासी समाज की संवेदनशीलता आज पूरे विश्व के लिए प्रेरणादायक है। समाजसेवी विश्वनाथ महतो ने कहा कि फसलों की नस्ल सुरक्षित रहे, जंगल अपने कुल-गोत्र के साथ बचा रहे और पृथ्वी को उसके प्राकृतिक स्वरूप में ही देखा जाए, यही आदिवासी जीवन-दर्शन की मूल भावना है। इस दौरान प्रकृति संरक्षण की भावना को व्यक्त करते हुए कहा गया हमने चाहा कि फसलों की नस्ल बची रहे, खेतों के आसमान के साथ।

हमने चाहा कि जंगल बचा रहे,
अपने कुल-गोत्र के साथ।
पृथ्वी को हम पृथ्वी की तरह ही देखें,
पेड़ की जगह पेड़ ही देखें,
नदी की जगह नदी,
समुद्र की जगह समुद्र
और पहाड़ की जगह पहाड़।

कार्यक्रम में पटमदा अंचल के अंचल निरीक्षक अजय कुमार मुंडा, समाजसेवी विश्वनाथ महतो, देश पारानिक जितु मुर्मू, पटमदा थाना के एसआई तंदुर आर्सेन, एएसआई प्रशांत कुमार, सुखराम हेंब्रम, हर्मन लांग, एएसआई विजय कुमार एवं सागर माण्डी, सुकदेव हेम्ब्रम, जितेंद्र मुर्मू, अजय मुर्मू, शंकर सोरेन, सुभाष हेंब्रम समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

सावन महोत्सव में सैन्य मातृशक्ति ने बिखेरी संस्कृति की रंगत, दिखाई प्रतिभा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की इकाई सैन्य मातृशक्ति, जमशेदपुर की ओर से रविवार को मिलन-सह-सावन महोत्सव का आयोजन उत्साह और पारंपरिक रंगों के साथ किया गया। कार्यक्रम में डॉ. मीरा मुंडा, डॉ. त्रिपुरा झा और संध्या सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद रहीं। पूर्व सैनिक परिवारों की महिलाओं और सैन्य मातृशक्ति की करीब 70 सदस्यों ने समारोह में भाग लेकर सावन की खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने और दीप प्रज्वलित करने के साथ हुई। इसके बाद सैन्य मातृशक्ति से जुड़ी नई सदस्यों का स्वागत किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य पुरानी और नई सदस्यों के बीच आपसी परिचय और आत्मीयता बढ़ाने के साथ भारतीय संस्कृति, तीज-त्योहारों और सैन्य परिवारों के संस्कारों को आगे बढ़ाना रहा। सैन्य मातृशक्ति की अध्यक्ष रूबी सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया। महामंत्री विनीता सिंह ने कहा कि आधुनिक जीवनशैली के साथ सैन्य मूल्यों का समन्वय समाज को सकारात्मक दिशा दे सकता है। महिलाओं की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों और नई पीढ़ी में अनुशासन, राष्ट्रप्रेम, सेवा भावना और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे संस्कार विकसित करें। सावन के रंग में रंगी महिलाओं ने हरे रंग के आकर्षक परिधानों में समारोह की शोभा बढ़ाई। सावन गीत, कजरी, सामूहिक संगीत और नृत्य के अलावा मेहंदी, रूप सज्जा और रैंप वॉक जैसी गतिविधियों ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया।

चांडिल में AIDSO की नुक्कड़ सभा, JPSC-JSSC-CGL परीक्षाओं में धांधली की CBI जांच

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला-खरसावां : ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन की सरायकेला-खरसावां जिला कमिटी की ओर से रविवार, 9 अगस्त को चांडिल चौक बाजार में नुक्कड़ सभा आयोजित की गई। सभा के माध्यम से JPSC, JSSC और CGL परीक्षाओं में कथित अनियमितता एवं धांधली के खिलाफ आवाज बुलंद की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए AIDSO के जिला अध्यक्ष विशेश्वर महतो ने कहा कि रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में पिछले 16 दिनों से हजारों छात्र अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से अब तक छात्रों की मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। AIDSO ने आंदोलनरत छात्रों के समर्थन में एकजुटता जताते हुए आगे भी आंदोलन को तेज करने की चेतावनी दी। संगठन ने JPSC, JSSC और CGL परीक्षाओं में कथित धांधली की CBI जांच कराने, झारखंड सरकार द्वारा सभी प्रतियोगी परीक्षाओं का परीक्षा कैलेंडर अविलंब जारी करने और पेपर लीक की घटनाओं पर रोक लगाने की मांग की। इसके अलावा AIDSO ने केंद्र सरकार की NEP 2020 को वापस लेने तथा NTA को रद्द करने की भी मांग उठाई। AIDSO ने कहा कि यदि सरकार छात्रों की मांगों पर जल्द कोई ठोस निर्णय नहीं लेती है, तो आगामी 10 अगस्त को प्रस्तावित विधानसभा घेराव कार्यक्रम में संगठन सक्रिय रूप से भाग लेगा। संगठन ने स्कूल-कॉलेज के छात्रों और युवाओं से बड़ी संख्या में आंदोलन में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की। नुक्कड़ सभा में AIDSO जिला अध्यक्ष विशेश्वर महतो, जिला सचिव युधिष्ठिर प्रामाणिक, प्रभात कुमार महतो, खुशी पोद्दार, पूजा कुमारी, हरिपाल महतो, कृष महतो, वरुण महतो समेत अन्य छात्र एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जेपीएससी धांधली मामले में हो रहे विरोध प्रदर्शन का एनएचआरए ने किया समर्थन

एनएचआरए की एक शिष्टमंडल रांची धरना स्थल पहुंच किया खाद्य सामग्री का वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : पिछले कई दिनों से रांची के जयपाल सिंह स्टेडियम में चल रहे छात्र आंदोलन को राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन ने अपना समर्थन दिया है। साथ ही उनकी मांगो को जायज ठहराते हुए सरकार से उनकी मांगो को अविलंब पूरा करने की मांग की है। राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार, राष्ट्रीय महासचिव संजय सुमन, प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति एवं प्रदेश संयोजक भरत यादव के निर्देश पर रांची की एक टीम राष्ट्रीय सचिव सोनी गुप्ता, प्रदेश संगठन सचिव जगदीश दास, प्रदेश महिला अध्यक्ष ललिता देवी एवं जिलाध्यक्ष उपेंद्र कुमार रजक के नेतृत्व में जयपाल सिंह स्टेडियम स्थित धरना प्रदर्शन स्थल पर पहुंचकर उनकी मांगो का समर्थन किया। राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के शिष्टमंडल ने आंदोलनकारी विद्यार्थियों के बीच खाद्य सामग्री वितरण करते हुए नैतिक समर्थन किया। इधर सरकार ने भी सकारात्मक रुख अपनाते हुए आंदोलकारी छात्राओं की मांगो को पूरा करने की ओर आगे बढ़ी है। नैतिक समर्थन करने वाले राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के जुड़े सोनी गुप्ता राष्ट्रीय मंत्री, ललिता देवी, महिला प्रदेश अध्यक्ष, जगदीश दास प्रदेश संगठन सचिव, उपेंद्र रजक रांची जिला अध्यक्ष, संजू देवी महिला प्रमंडल सचिव, नाजिया परवीन महिला प्रमंडल संगठन सचिव, सीमा मिश्रा, सोनी चौरसिया महिला जिला सचिव, कल्पना सिंह, अंजू देवी, अनवर उल हक, राजेश गुप्ता युवा मोर्चा अध्यक्ष, अर्जुन प्रजापति, जिला मंत्री, मनोज प्रजापति, मोहम्मद आशिफ, दानिश पठान, सोहब खान आदि लोग शामिल थे।

गांजा और नशीली सिरप का कारोबारी गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : एमजीएम थाना पुलिस ने नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बालीगुमा में गुमटी की आड़ से गांजा और प्रतिबंधित नशीली सिरप बेचने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से दो किलो 60 ग्राम गांजा, कोडीन फॉस्फेट युक्त सात बोतल ओनरेक्स सिरप, गांजा बिक्री से प्राप्त 3,320 रुपये नकद सहित अन्य सामान बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान 34 वर्षीय नितेश कुमार झा उर्फ राजू झा के रुप में की गई है। आरोपित पूर्वी सिंहभूम के एमजीएम थाना क्षेत्र के बालीगुमा दुर्गा मंदिर के पीछे का रहने वाला है। ग्रामीण एसपी शुभम खंडेलवाल ने रविवार को प्रेस वार्ता में बताया कि 8 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली थी कि बालीगुमा स्थित एनएच-33 पर किया कार शोरूम के समीप एक गुमटी में नितेश कुमार झा उर्फ राजू झा अवैध रूप से गांजा और प्रतिबंधित नशीली सिरप की बिक्री कर रहा है।

रघुवर दास ने 1000 कांवरियों को सुल्तानगंज के लिए किया रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ की ओर से आयोजित निःशुल्क कांवर यात्रा के तहत रविवार को 1000 कांवरियों का जत्था सुल्तानगंज के लिए रवाना हुआ। कांवरियों को रवाना करने के दौरान झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, भारत सेवा श्रम संघ के प्रमुख श्रीधर जी महाराज, मानगो नगर निगम की मेयर सुधा गुप्ता और बहरागोड़ा के पूर्व विधायक कुणाल सारंगी विशेष रूप से मौजूद थे।

अतिथियों ने कांवरियों को मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए बाबा बैद्यनाथ से सभी की मनोकामना पूरी होने की कामना की।

मानगो डिमना रोड स्थित हीरा होटल के सामने दुर्गा पूजा स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में कदमा, सोनारी, बिष्टुपुर, साकची और मानगो से पंजीकृत कांवरिया एकत्र हुए। गेरुआ वस्त्रों में सजे श्रद्धालुओं के हाथों में कांवर और मुख पर बोलबम के जयकारे थे। शंख, डमरू, ढोल और मंजीरे की ध्वनि से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

कांवरियों के प्रस्थान से पहले धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कदमा और बिष्टुपुर के श्रद्धालु रंकणी मंदिर के समीप पूजा-अर्चना करने के बाद डिमना रोड पहुंचे, जबकि सोनारी के कांवरिया भी पूजा-अर्चना कर मुख्य आयोजन स्थल पर पहुंचे। यहां 11 पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कांवरियों को आशीर्वाद दिया।

इसके बाद जैसे ही कांवरियों का जत्था डिमना रोड से सुल्तानगंज के लिए निकला, पूरा मार्ग बोलबम के जयकारों से गूंज उठा। गेरुआ वस्त्र पहने सैकड़ों श्रद्धालुओं के कारण डिमना रोड का नजारा पूरी तरह शिवमय हो गया। कांवरियों को बसों और अन्य वाहनों से सुल्तानगंज भेजा गया।

संघ के संस्थापक सदस्य विकास सिंह ने बताया कि यह यात्रा का नौवां वर्ष है। इसकी शुरूआत 151 श्रद्धालुओं के साथ हुई थी। कोविड काल में दो वर्षों तक यात्रा स्थगित रही, लेकिन इसके बाद श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ी और इस वर्ष करीब 1000 शिवभक्त निःशुल्क कांवर यात्रा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह यात्रा पूरी तरह निःशुल्क है और श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाता है।

आठ दिनों तक चलने वाली यात्रा में कांवरियों के लिए वाहन, ठहरने के लिए धर्मशाला, भोजन, स्वास्थ्य सुविधा और विभिन्न पड़ावों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की व्यवस्था की गई है। जमशेदपुर से रवाना होने के बाद पूर्णिया की धर्मशाला में रात्रि भोजन की व्यवस्था रहेगी। सुल्तानगंज पहुंचकर श्रद्धालु उत्तरवाहिनी गंगा से जल भरेंगे और वहां से कांवर लेकर पैदल बाबा बैद्यनाथ धाम की यात्रा शुरू करेंगे। बाबा बैद्यनाथ धाम में जलार्पण और पूजा-अर्चना के बाद कांवरिया बासुकीनाथ धाम जाएंगे। वहां जलार्पण करने के बाद सभी श्रद्धालु वापस जमशेदपुर लौटेंगे।

कार्यक्रम में राजकुमार श्रीवास्तव, योगेश्वर ठाकुर, करणी सेना के अध्यक्ष हरी सिंह राजपूत, अनमोल वर्मा, बिपिन झा, विष्णु भगवान पाठक, खगेन चंद्र महतो, हरेन्द्र पांडे, अमरनाथ सिंह सहित बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

विश्व आदिवासी दिवस पर उउवि बागोडीह में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सरिया : विश्व आदिवासी दिवस के सुअवसर पर उउवि बागोडीह,सरिया में रविवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम सह रैली का आयोजन किया गया। विद्यालय के बच्चों को शक्ति लेकर पोषक क्षेत्र का भ्रमण किया। पश्चात विद्यालय में झारखंडी संस्कृति पर आधारित नृत्य संगीत प्रस्तुत किया। इस संबंध में विद्यालय के प्रधानाध्यापक गौतम कुमार मिश्रा, सहायक शिक्षक तरुण बनर्जी आदि ने कहा कि 9 अगस्त वह दिन है जिसे संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व आदिवासी दिवस के रूप मे घोषित किया है। आदिवासियों के लिये यह दिन सिर्फ एक तारीख या उत्सव नहीं है यह उनके अस्तित्व,उनके स्वाभिमान और उनके लंबे संघर्षों कि हुंकार है। आदिवासियों ने इस धरती को सींचा है,पहाड़ों को बचाया है, नदियों को माँ का दर्जा दिया है और जंगलों को अपनी संतान की तरह पाला है। जब जब इस देश कि संस्कृति और स्वतंत्रता पर आंच आयी है तब तब पहले तीर -धनुष लेकर आदिवासियों ने गोली खायी है। आदिवासियों कि भाषा उनकी कला उनके रीतिरिवाज और उनकी प्राकृतिक जीवनशैली ही उनकी असली ताकत है। भगवान बिरसा मुंडा,सिधो-कान्हु,नीलाम्बर-पीताम्बर ,तिलका मांझी ने देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया.हम सबों को उनके जीवन से सीख लेनी चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने लोगों को शुभकामनाएं। मौके पर विद्यालय परिवार के सभी शिक्षक छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

गर्भवती युवती की संदिग्ध मौत, पति पर हत्या का आरोप

पश्चिमी सिंहभूम : जिले के मंझारी थाना क्षेत्र के दौड़पोशी गांव में रविवार को आठ माह की गर्भवती युवती दशमा सवैया (१८) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका बुनुमलता गांव निवासी भारत भूषण कुंकल की पत्नी थी। घटना के बाद मायके और ससुराल पक्ष में शोक का माहौल है। परिजनों के मुताबिक दशमा पिछले करीब दो महीने से अपने मायके दौड़पोशी में रह रही थी। रविवार शाम घर के पास एक परिजन ने उसे गंभीर हालत में देखा। इसके बाद परिवार के अन्य सदस्यों को इसकी जानकारी दी गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद मंझारी थाना की टीम मौके पर पहुंची। बताया गया कि दशमा ने भारत भूषण कुंकल के साथ प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद पिछले कुछ समय से दोनों के बीच विवाद चल रहा था। इसी वजह से दशमा करीब दो महीने पहले अपने मायके आकर रहने लगी थी। परिजनों ने पति पर हत्या का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। मृतका की मां अनीता कुई ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी के साथ हुई घटना के लिए उसके पति भारत भूषण कुंकल जिम्मेदार हैं और वह उसके खिलाफ मामला दर्ज कराएंगी। हालांकि मौत की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है और लगाए गए आरोपों की पुलिस जांच कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराया। मंझारी थाना प्रभारी दिलीप माझी ने बताया कि मामले की जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों के संबंध में स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

श्राद्ध कर्म के लिए गांव गया था परिवार, बंद घर से नकदी सहित लाखों के जेवर की चोरी

पूर्वी सिंहभूम : परसुडीह थाना क्षेत्र के गोलपहाड़ी नया बस्ती में चोरों ने एक बंद मकान का ताला तोड़कर नकदी सहित लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। मकान मालिक का परिवार पिता के निधन के बाद श्राद्धकर्म में शामिल होने बिहार के सिवान स्थित पैतृक गांव गया हुआ था। रविवार को परिवार के जमशेदपुर लौटने पर घर में चोरी की घटना का पता चला। सूचना मिलने के बाद परसुडीह पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। बताया गया कि गोलपहाड़ी नया बस्ती निवासी रिंकी कुमारी सिंह के पिता का 22 जुलाई को निधन हुआ था। इसके बाद परिवार के सदस्य अंतिम संस्कार और श्राद्धकर्म में शामिल होने सिवान चले गए थे। घर में किसी के मौजूद नहीं रहने के कारण मकान में ताला लगा हुआ था। इसी दौरान चोरों ने घर को निशाना बनाया। रविवार को परिवार के सदस्य छपरा-टाटानगर ट्रेन से जमशेदपुर पहुंचे। टाटानगर स्टेशन से घर पहुंचने पर बाहर का ताला लगा हुआ था, लेकिन अंदर जाने पर कमरों के ताले टूटे मिले। सामान की जांच करने पर आलमारी भी क्षतिग्रस्त मिली। आलमारी में रखे करीब 16 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और लगभग दो लाख रुपये नकद गायब मिले। घटना की जानकारी परिजनों ने तत्काल परसुडीह पुलिस को दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि चोरों की पहचान की जा सके। पीड़िता ने आशंका जताई है कि चोरी में किसी ऐसे व्यक्ति की भूमिका हो सकती है, जिसे परिवार के गांव जाने और घर बंद रहने की जानकारी थी। थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने बताया कि पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है और चोरों का पता लगाने का प्रयास जारी है।

आदिवासी महोत्सव के तहत क्रॉस कंट्री दौड़, मांगू और प्रतिका रहे प्रथम

पश्चिमी सिंहभूम : झारखंड आदिवासी महोत्सव-2026 के अवसर पर रविवार को पश्चिमी सिंहभूम जिले में खेल एवं युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रविवार को क्रॉस कंट्री दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता जिला समाहरणालय चाईबासा से घड़ी घर चौक तक आयोजित हुई। इसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया और निर्धारित दूरी पूरी की। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ाने, प्रतिभाओं को उचित मंच उपलब्ध कराने तथा स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों ने पूरे जोश और खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में चाईबासा नगर परिषद अध्यक्ष नितिन प्रकाश, सदर चाईबासा अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार, जिला खेल पदाधिकारी मारकस हेम्ब्रम समेत अन्य पदाधिकारी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। अतिथियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेल के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

अगस्त क्रांति का श्रेय

भारतीय स्वतंत्रता 78 वर्ष की हो गई है। अगस्त स्वाधीनता और क्रांति की पवित्र यादों का महीना है। 1942 की क्रांति ने ब्रिटिश सरकार के छक्के छुड़ा दिए थे। 9 अगस्त 1942 के दिन भारत छोड़ो आंदोलन की घोषणा हुई। संयोग है कि 5 वर्ष बाद अगस्त में ही भारत स्वाधीन भी हुआ। अगस्त क्रांति में पूरा देश सम्मिलित था। कांग्रेस बेमन आन्दोलन का हिस्सा बनी। कांग्रेस कार्यकारिणी (1954) ने एक प्रस्ताव द्वारा अगस्त क्रांति में हुई तोड़फोड़ की निंदा की। इसे दिशाहीन पथ विचलन बताया। प्रस्ताव में प्रमुख कांग्रेसी नेताओं की गिरफ्तारी के कारण भारत की जनता को मार्गदर्शन विहीन बताया गया।

अगस्त क्रांति के दो प्रमुख संचालकों अच्युत पटवर्धन व अरुणा आसफ अली ने कांग्रेस अध्यक्ष को 1946 में पत्र लिखा, आपने जानबूझकर इस तथ्य की अवहेलना की है कि हम लोगों ने आपकी गैरमौजूदगी में दिशा और मार्गदर्शन प्रस्तुत करने का संकल्पपूर्ण प्रयास किया। आपकी राय में अपनाए गए तौर-तरीके अहिंसा की कांग्रेसी नीति से सुसंगत नहीं रहे। जिनके प्राण गए उनकी शहीदी तारीफें लेकिन उनके कार्य की निंदा विरोधाभासी है। (कांग्रेस एंड दि क्विट इंडिया मूवमेंट, एसआर बख्शी, पृ. 237-44)।

कांग्रेस ने आंदोलन कर्म की निंदा की और कर्मफल का मजाक उड़ाया। कहा जाता है कि अगस्त क्रांति जयप्रकाश नारायण, अच्युत पटवर्धन, डॉ. राममनोहर लोहिया और अरुणा आसफ अली जैसे समाजवादी नेताओं की रणनीति से कामयाब हुई। महात्मा गांधी ने अगस्त, 1944 में कहा था, 9 अगस्त, 1942 का दिन मैंने आत्मनिरीक्षण और समझौते के लिए बातचीत का सूत्रपात करने के लिए निश्चित किया था लेकिन सरकार व भाग्य ने कुछ और ही सोच रखा था। तोड़फोड़ और बहुत सारी चीजें कांग्रेस अथवा मेरे नाम पर की गईं। (संपूर्ण गांधी वाङ्मय 78/12)।

गांधी और कांग्रेस ने पूरे क्रांति कर्म और धर्म को ही गलत बताया लेकिन इतिहास ने क्रान्तिकारियों को प्रतिष्ठा दी। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता लीलाधर शर्मा अगस्त क्रांति के एक कार्यकर्ता थे। शर्मा ने अपनी किताब ह्यस्वतंत्रता की पूर्व संध्याह्य में लिखा, संगठित रूप से यदि आंदोलन में कोई कार्य किया गया तो समाजवादी कार्यकर्ताओं की ओर से। नेताओं की गिरफ्तारी के बाद मुंबई सरकार की आँखों में धूल झोंककर उन्होंने देश को एक कार्यक्रम दिया। वे ही अंत तक आंदोलन की ज्योति को जलाए रखने वाले भी थे।

भारतीय स्वाधीनता संघर्ष को समझने के लिए 1920-30 के बीच के 10 वर्ष महत्त्वपूर्ण हैं। इस दशक में कांग्रेस मृतप्राय थी। गांधी भी करीब-करीब अलग थे, लेकिन कांग्रेस ने इसी दशक के आखिर (1929) में पूर्ण स्वराज की माँग की। इसकी मोटामोटी 6 वजहें थीं - (1) ब्रिटेन में लेबर पार्टी जीती और भारत के कथित मित्र रेम्जे मैकडोनाल्ड प्रधानमंत्री बने। वायसराय ने अक्टूबर 1929 में घोषणा की कि साइमन रिपोर्ट के बाद सर्वदलीय गोलमेज सम्मेलन होगा। (2) इसी दशक के मध्य (1925) में एक प्रख्यात क्रांतिकारी कांग्रेसी नेता डॉ. के.बी. हेडगेवार ने प्रखर हिन्दू राष्ट्रवाद के विचार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बनाया। संघ देखते-ही-देखते राष्ट्रीय फलक पर था। (3) भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों के क्रांतिधर्म से भारत का अवनि अंबर आंदोलित था। (4) कांग्रेस के भीतर समाजवादी विचारों के नेताओं/कार्यकर्ताओं का दबाव बढ़ा। (5) कम्युनिस्ट विचार और स्वतःस्फूर्त कारणों से किसान मजदूर आंदोलन बढ़े और (6) इन सबके चलते कांग्रेस से मोहभंग का वातावरण बना। कांग्रेस के सामने अस्तित्व का संकट था। उसने दिसंबर 1929 में पूर्ण स्वराज की माँग की। सिर्फ 25 दिन बाद (26 जनवरी, 1930 को) प्रथम स्वतंत्रता दिवस भी मना डाला। सविनय अवज्ञा आंदोलन चला। गांधी की गिरफ्तारी हुई लेकिन आंदोलन की घोषणा और समझौता कांग्रेस नीति के अंग थे। गांधी-इरविन वार्ता में भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फाँसी न देने का भी मुद्दा था।

सूडोकु नवताल- 7882

✱✫✫✫✫ सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7881 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

भगवान शिव सदा अपने भक्तों पर कृपा बरसाते रहते हैं

विजय केसरी

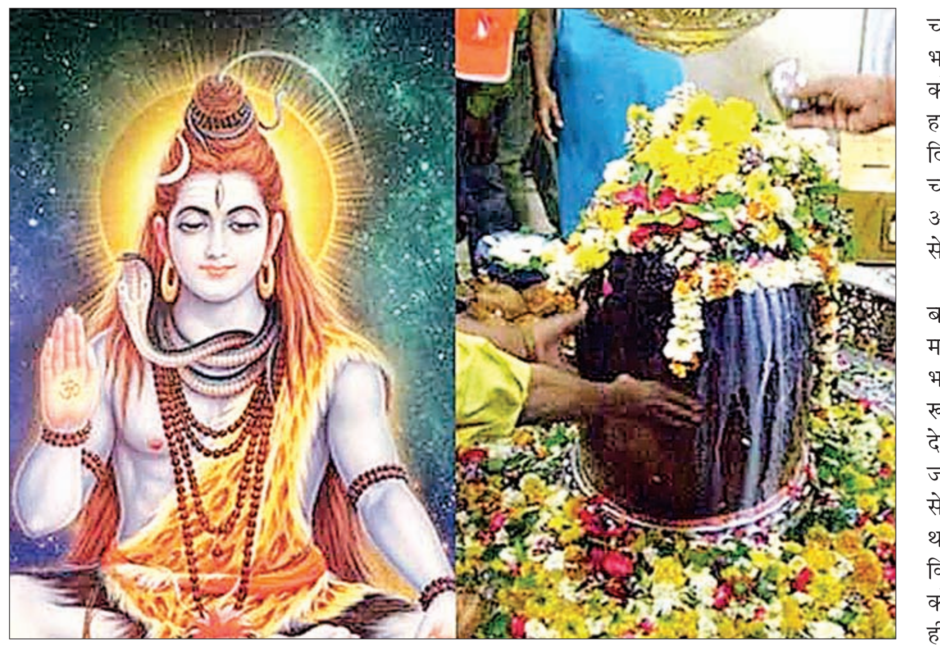

जगत के सभी प्राणियों से प्रेम करना ही सच्ची शिव भक्ति है। भगवान शिव हर एक भक्त के मन की बात को जानते हैं । भगवान शिव सदा अपने भक्तों पर कृपा बरसाते रहते हैं। वहीं दूसरी ओर भगवान शिव यह भी चाहते हैं कि सभी जीवो में श्रेष्ठ मनुष्य भी जगत के सभी प्राणियों, जीव जंतुओं और पेड़ पौधों से प्रेम करें । शिव पुराण में वर्णन है कि स्वयंभू शिव सृष्टि में उत्पन्न सभी जीवों से समान रूप से प्रेम करने वाले भक्तों पर उनकी बड़ी कृपा होती है। वहीं दूसरी और सृष्टि में उत्पन्न जीवों को कष्ट पहुंचाने वाले जातक उनके दंड के भी भागी होते हैं। सावन का यह पवित्र माह हम सबों को सभी जीवो के प्रति दया, करुणा और समानता के भाव की भी सीख प्रदान करता है । यह जगत भगवान शिव की रचित एक माया नगरी है, जहां समय-समय पर से स्वयं भू शिव विविध रूपों में प्रकट होकर जगत का कल्याण करते रहते हैं। शिव पुराण में आगे वर्णन है कि ब्रह्मा, विष्णु और शिव तीनों त्रिदेव एक ही हैं। तीनों त्रिदेव एक ही प्रकाश से उत्पन्न हैं। त्रिदेव का प्रकाश ही प्रकृति है । अर्थात जगत में जो भी कुछ दिख रहा है और दिखाई नहीं भी दे रहा है, सभी स्वयंभू शिव का ही रूप है। इसलिए प्रकृति की रक्षा करना शिव भक्ति के समान है। यह पवित्र महीना हम सबों को यह बताता है कि कभी किसी को स्वयं से कष्ट ना पहुंचाएं।

श्रावण का यह पवित्र मास सभी शिव भक्तों को अपने आराध्य भगवान शिव की भक्ति करने का एक अवसर के रूप में प्राप्त हुआ है। इसलिए हर शिव भक्त को पवित्र मन से भगवान शिव की आराधना करनी चाहिए। यह मास भगवान शिव की उपासना के नाम से जाना जाता है । हर वर्ष की तरह इस बार भी देश के लगभग सभी शिव मंदिरों में शिव भक्तों की भारी भीड़ बनी है। शिव भक्तों के लिए यह पवित्र सावन मास एक वरदान के समान होता है।

काल सर्प योग से निवारण एवं विविध परेशानियों से मुक्ति के लिए रुद्राभिषेक के अनुष्ठान से शिव मंदिर गुंजायमान हो रहे हैं । शिव मंदिर में प्रवेश करते ही मन शिव भक्ति की और उमड़ पड़ता है। सावन मास में शिव भक्ति उपासना का एक अलग ही आनंद है। ऐसे शिव की उपासना सालों पर की जाती है। भगवान शिव की उपासना शिव भक्त हर दिन करते हैं । लेकिन सावन मास की बात ही कुछ निराली होती है। हर शिव भक्त की इच्छा होती है कि सावन मास के सोमवार के दिन भगवान शिव की उपासना कुछ विशेष रूप से करें।

इस बार शिव भक्तों को चार बार सोमवार के दिन भगवान शिव की उपासना करने का अवसर प्राप्त हुआ। हमारे धर्म शास्त्रों में ऐसा वर्णन है कि शिव की उपासना का सबसे खास दिन सोमवार होता है। इसलिए सावन मास के हर सोमवार के दिन सभी शिव मंदिरों में विशेष पूजा, अर्चना, भजन - कीर्तन और भंडारे का आयोजन होता है। शिव पुराण में ऐसा वर्णन है कि सोमवार के दिन हर शिव उपासक को भगवान शिव की आराधना करनी चाहिए। शिव भक्तों को एकाग्रचित होकर और पूरी निष्ठा के साथ भगवान शिव की आराधना करनी चाहिए। भक्त के मन जितने निश्चल और पवित्र होंगे उसी अनुरूप उन्हें शिव की कृपा प्राप्त होगी। कलुषित मन से शिव की आराधना करने वाले भक्तों की उपासना भगवान शिव कदापि स्वीकार नहीं करते हैं।

सावन मास के आरंभ होते ही बोल बम के नारों से संपूर्ण झारखंड गुंजायमान हो उठता । इस प्रांत को भगवान शिव की एक विशेष कृपा प्राप्त है। भगवान शिव का ऐतिहासिक बैजनाथ धाम मंदिर देवघर जिले में स्थित है। इस मंदिर का अनादि काल से पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व है। हमारे हिन्दू धर्म ग्रंथो ने इस मंदिर का बहुत ही गुणगान किया गया है। सावन के पवित्र मास में भारत सहित विदेशों से भी कई शिव भक्त सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर पैदल अस्सी मील की यात्रा कर देवघर जिले में स्थापित भगवान शिव के लिंग पर जल अर्पित करते हैं। इस बार यह कांवर यात्रा 30 जुलाई को प्रारंभ प्रारंभ होकर 31 अगस्त को समाप्त होने जा रही है। गत वर्ष इसरो ने अपना चंद्रयान-3 को चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतार कर और भी विशेष बना दिया था। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंद्रमा की सतह पर विराजमान भारत का विक्रम लैंडर के स्थल को शिवशक्ति नामकरण कर हमेशा हमेशा के लिए यादगार बना दिया। भगवान शिव की जटा पर चंद्रमा हमेशा विराजमान रहते है। आज भगवान शिव इस नामकरण से बहुत प्रसन्न होंगे।

हमारे धर्म शास्त्रों में वर्णन है कि बाबा बैद्यनाथ के दर्शन से समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। भगवान शिव औघड़ दानी देश के रूप में भी जाने जाते हैं। उन्हें देवों के देव महादेव के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने समुद्र मंथन से निकले विष को भी पी लिया था। शिव पुराण में ऐसा वर्णन है कि मां जगदंबे, सती, माता पार्वती को धारण करने की सिर्फ शिव को ही शक्ति प्राप्त है। बाबा भोलेनाथ ऐसे देव हैं, इनकी कृपा सदा अपने भक्तों पर बरसती रहती है। भगवान शिव की आराधना से समस्त कष्ट दूर होते हैं। समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं । साधक के अंदर वैराग्य भाव उत्पन्न होता है । इस संसार के माया बंधन उन्हें जकड़ नहीं सकता है। शिव भक्त इस संसार में रहकर भी संसार के मायावी बंधन से मुक्त होते हैं। शिव भक्त हर पल आनंद का अनुभव करते हैं। शिव भक्त साक्षी भाव से इस धारा पर अपना पूरा जीवन व्यक्तित्व करते हैं। मरणोपरांत उनके लिए मोक्ष का मार्ग प्रशस्त हो जाता है।

ऐसे जहां भी शिव के मंदिर स्थापित है, शिवलिंग है, जहां नियमित पूजा अर्चना होती है, सभी के अपने-अपने महत्व है लेकिन बाबा बैद्यनाथ की बात ही कुछ निराली है। बाबा बैद्यनाथ धाम प्रसिद्ध तीर्थस्थलों और बारह ज्योतिर्लिंग में से एक है। इसे भगवान शिव का सबसे पवित्र स्थल माना जाता है। ये एक ज्योतिर्लिंग है, जो शक्तिपीठ भी है। मान्यता है कि इसकी स्थापना स्वंय भगवान विष्णु ने की थी। इस मंदिर में आने वाले भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इसलिए मंदिर में स्थापित शिवलिंग को कामना लिंग के नाम से भी जाना जाता है। बाबा बैजनाथ धाम में स्थापित शिवलिंग कामना लिंग के रूप में जाना जाने के कारण हर वर्ष कांवरियों की संख्या में वृद्धि होती रहती है। कामना लिंग के रूप में प्रतिष्ठित होने के कारण सालों भर शिव भक्तों की भारी भीड़ बाबा बैजनाथ धाम के दर्शन हेतु आते रहते हैं। कई भक्त ऐसे भी नजर आते हैं, जिनकी संख्या लाखों में है। भगवान शिव ने उन्हें पुत्र व पुत्री से नवाजा। ऐसे याचक भक्त अपने बच्चों का मुंडन बाबा बैजनाथ धाम की पवित्र धरती पर करवाते देखे जाते हैं।

इस बार सावन मास पर हर वर्ष की तरह शिव मंदिरों में शिव भक्तों की भारी भीड़ रहेगी । हर वर्ष की तरह इस बार भी दूसरे सोमवारी को हर शिव मंदिर सजाए जा रहे हैं। ऐसी मान्यता है कि सावन सोमवार के दिन कुंवारी कन्याएं निर्जला उपवास रहकर भगवान शिव की आराधना करती हैं, तब उन्हें मनचाहा वर की प्राप्ति होती है। औघड़ दानी के नाम से विख्यात भगवान शिव की भक्ति से यह सीख मिलती है कि ऊंच - नीच, जात-पात, अमीर गरीब के सारे भेद को भुलाकर समाज के हर प्राणी से प्रेम करना चाहिए। सच्चे अर्थों में जगत के सभी प्राणियों से प्रेम करना ही शिव भक्ति है। हम सब इस पवित्र मास सावन में यह संकल्प लें कि सभी भेदभाव मिटाकर संसार के सभी प्राणियों से प्रेम करें।

राहुल गांधी : सत्ता के लिये गंभीर चुनौती

तनवीर जाफरी

नेता विपक्ष राहुल गांधी की आवाज को दबाने व युवाओं तक उनकी पहुँच को नियंत्रित करने का सरकार का प्रयास पिछले दिनों एक बार फिर विफल हो गया जबकि प्रयागराज के कायस्थ पाठशाला ग्राउंड में सांसद राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के लिए 8 अगस्त को दे दी गयी। इसे प्रशासन की समझदारी ही कहा जायेगा कि उसने ग्राउंड के इस्तेमाल की पुनः अनुमति देकर छात्रों व युवाओं से होने वाले संभावित टकराव को टाल दिया। परन्तु मात्र दो दिनों के भीतर प्रशासन की इस पल्टीबाजी से यह सन्देश तो चला ही गया कि व्यवस्था द्वारा एक बार फिर राहुल गांधी को छात्रों व युवाओं से संवाद करने में विघ्न डालने की कोशिश की गयी। खबर यह भी है कि प्रयागराज के निकटवर्ती जिलों में अनेक छात्र छात्राओं को नजरबंद कर उन्हें सभा में पहुँचने से रोका गया। सभास्थल के आसपास सत्ता समर्थकों द्वारा राहुल गाँधी का विरोध करने वाले पोस्टर लगवाए गए। यहाँ तक कि भाजपा कार्यकताओं द्वारा आनंद भवन के पास राहुल गांधी के काफिले को काला झंडा एवं भगवा झंडा दिखाकर उनका विरोध किया गया। ऐसा लग रहा था कि किसी सत्ताधारी नेता का विरोध किया जा रहा हो। आयोजकों के अनुसार मौसम के चलते ग्राउंड में कीचड़ सफाई व सभास्थल को समतल बनाने में भी स्थानीय प्रशासन द्वारा कोई विशेष सहयोग नहीं किया गया।इन सब के बावजूद राहुल गांधी को सुनने के लिये भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। सवाल यह है कि क्या वजह है कि भाजपा द्वारा कई वर्षों तक करोड़ों रुपए खर्च कर राहुल गांधी की छवि को 'पप्पू' बनाने का नरेटिव गढ़ा गया और सोशल मीडिया पर उनकी छवि बिगाड़ने का बाकायदा अभियान चलाया गया ? भाजपा के आईटी सेल ने करोड़ों रुपये खर्च कर राहुल गांधी की राजनीतिक साख को खत्म करने के लिए सोशल मीडिया पर एक सुनियोजित अभियान चलाया। इस अभियान के तहत राहुल गांधी के भाषणों की अधूरी वीडियो क्लिप्स, मीम्स और भ्रामक प्रचार सामग्री के जरिये उन्हें एक अपरिपक्व राजनेता के रूप में पेश करने की कोशिश की गई। उसी 'पप्पू' से आज भाजपा इतनी डरी हुई है कि जगह जगह उसे राहुल गाँधी के कार्यक्रम निरस्त कराने,जनता से मिलने से उन्हें रोकने तथा उन्हें परेशान करने के लिये तरह तरह के हथकंडे अपनाने पड़ रहे हैं ? अभी गत 17 जुलाई को देहरादून में परेड ग्राउंड में भी इसी तरह का 'छात्रों की गूंज' आयोजित होना था जिसमें राहुल गाँधी को छात्रों से रूबरू होना था। यहाँ भी प्रशासन ने पहले अनुमति दी फिर वहां पहले से एक अन्य सरकारी कार्यक्रम का बहाना बता कर परेड ग्राउंड की अनुमति रद्द कर दी। जबकि कांग्रेस का आरोप था कि उन्होंने 15 से 17 जुलाई तक के लिए परेड ग्राउंड की बाकायदा अग्रिम अनुमति ली थी और नगर निगम में 1.77 लाख की फीस भी जमा कराई थी। परन्तु शायद पुष्कर सिंह धामी सरकार राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियता और ठएएळ पेपर लीक तथा बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर छात्रों के साथ होने वाले राहुल के इस सीधे संवाद से डर गई थी, जिसके कारण ऐन वक़्त पर झूठा बहाना बनाकर अनुमति रद्द कर दी गई। इसके बाद कार्यक्रम का वेन्यू बदलकर देहरादून के ही बन्नू स्कूल मैदान में स्थानांतरित किया गया, जहां अंततः राहुल गांधी का यह छात्र संवाद कार्यक्रम संपन्न हुआ और अनुमान से भी अधिक युवा वहां पहुंचे। इसी तरह उत्तराखंड के कोटद्वार में 4 जून 2026 को उत्तराखंड दौरे के दौरान कोटद्वार (पौड़ी गढ़वाल) और अल्मोड़ा के कार्यक्रमों में प्रशासन ने राहुल गांधी का हेलीकॉप्टर खराब मौसम की बात बताकर उतरने नहीं दिया था। इस के पीछे प्रशासन और पायलटों द्वारा खराब मौसम और सुरक्षा कारणों का हवाला दिया गया था। उस समय भी राहुल के कोटद्वार और अल्मोड़ा के सभी कार्यक्रम रद्द हो गए थे । उस समय भी उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने प्रशासन, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और यूकाडा पर सीधे सवाल उठाए थे । रावत ने आरोप लगाया था कि जब उसी हवाई मार्ग पर सरकार और अन्य निजी ऑपरेटरों की हेलीकॉप्टर सेवाएं सामान्य रूप से उड़ान भर रही थीं और अल्मोड़ा से हल्द्वानी के बीच आवाजाही हो रही थी, तो सिर्फ राहुल गांधी के हेलीकॉप्टर को ही उड़ान भरने की अनुमति क्यों नहीं दी गई? कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया था कि सरकार के इशारे पर प्रशासन ने जानबूझकर खराब मौसम का बहाना बनाया ताकि राहुल गांधी युवाओं, पूर्व सैनिकों और आम जनता से संवाद न कर सकें। इसके कुछ ही दिनों बाद राजस्थान के कोटा में भी 17 जून 2026 को राहुल गांधी के 'छात्र संवाद' कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' के आयोजन स्थल की अनुमति प्रशासन द्वारा रद्द कर दी गयी थी। और कार्यक्रम के प्रचार के लिए लगाए गए कई होर्डिंग्स और पोस्टर्स को हटा दिया गया था। उस समय सत्ताधारी भाजपा नेताओं ने यह तर्क दिया था कि 21 जून को होने वाली ठएएळ पुनः परीक्षा से ठीक 3 दिन पहले इस तरह की राजनैतिक रैली आयोजित करने से कोचिंग के छात्रों में मानसिक तनाव पैदा होगा। जबकि कांग्रेस नेताओं का आरोप था कि स्थानीय प्रशासन ने कोचिंग हब के संस्थानों और हॉस्टल मालिकों को छात्रों के इस कार्यक्रम में न भेजने के लिए डराया-धमकाया था। इससे पूर्व भी राहुल गाँधी पर जगह जगह मानहानि के मुकदमे दायर करवाकर उन्हें परेशान करने की कोशिश की गयी। प्रवर्तन निदेशालय ई डी द्वारा ने जून 2022 में वित्तीय लेनदेन में कथित मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में राहुल गांधी से 5 दिनों में लगभग 50 से 55 घंटे तक तीखे सवाल-जवाब किए गए। हर दिन उन्हें सुबह बुलाकर देर रात तक करीब 10 से 12 घंटे रोजाना ईडी मुख्यालय में बिठाया जाता था और उनके बयानों को दर्ज किया जाता था।

एफसीआरए : धन का 'दान' चाहिए, 'दानव' नहीं

विनोद बंसल

भारत में विदेशी धन के प्रवेश और उसके उपयोग को लेकर बहस नई नहीं है। लंबे समय से विदेशी सहायता से चलने वाले अनेक संगठन देश में शिक्षा, स्वास्थ्य, आपदा राहत, सामाजिक सेवा, धार्मिक गतिविधियों और शोध जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य करते रहे हैं। ऐसे सभी वैध और पारदर्शी कार्यों का स्वागत होना चाहिए लेकिन प्रश्न तब उठता है जब विदेशी धन का प्रयोग घोषित उद्देश्यों से हटकर राजनीतिक प्रभाव, सामाजिक अस्थिरता, धर्मांतरण व अवैध गतिविधियों अथवा भारत के राष्ट्रीय हितों के प्रतिकूल कार्यों के लिए होने लगे। इसी मूल चिंता को ध्यान में रखते हुए ही विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम यानि फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट बनाया गया। इसे पहली बार आपातकाल के दौरान वर्ष 1976 में बनाया गया था जिसका मूल उद्देश्य उस समय विदेशी फंडिंग और राजनीतिक गतिविधियों पर नजर रखना था। बाद में साल 2010 में पुराने कानून को बदलकर एक नया और अधिक सख्त FCRA 2010 अधिनियमित किया गया, जो 1 मई 2011 से प्रभावी हुआ। इस विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम का उद्देश्य विदेशी धन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि भारत में आने वाला विदेशी धन पारदर्शी तरीके से प्राप्त हो और उसी उद्देश्य के लिए खर्च हो जिसके लिए उसे अनुमति दी गई है।

प्रस्तावित कानून को संसद के इसी सत्र में सदन में पेश किए जाने की चर्चा आजकल जोरों पर है। विधेयक का एक महत्वपूर्ण प्रावधान उन संस्थाओं की विदेशी धन से बनी संपत्तियों और विदेशी योगदान के संबंध में व्यवस्था तैयार करना है जिनका FCRA प्रमाणपत्र रद्द हो जाता है, संस्था स्वयं उसे वापस कर देती है अथवा उसका नवीनीकरण नहीं होता। इसके लिए एक Designated Authority (निर्दिष्ट प्राधिकारी) की व्यवस्था प्रस्तावित है जो ऐसी स्थिति में संपत्तियों के अस्थायी नियंत्रण, उनके प्रबंधन और आगे की व्यवस्था देखेगी। यदि संस्था निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपना FCRA पंजीकरण बहाल करा लेती है तो संपत्तियों और अप्रयुक्त विदेशी धन की वापसी का प्रावधान भी है। विधेयक का प्रावधान यह भी कहता है कि यदि इन संपत्तियों में कोई धर्मस्थल आता है तो वहाँ के धार्मिक कार्यकलापों को यथावत जारी रखा जाएगा। विधेयक में एक और महत्वपूर्ण बदलाव दंड व्यवस्था से जुड़ा है। मौजूदा अधिकतम पांच वर्ष की सजा को घटाकर इसे एक वर्ष करने का प्रस्ताव है। साथ ही निर्दिष्ट प्राधिकारी के आदेश के विरुद्ध पुनरीक्षण और न्यायिक अपील का रास्ता भी प्रस्तावित किया गया है। अर्थात इसे केवल विदेशी संस्थाओं पर कार्रवाई के रूप में देखना अधूरा होगा। असल मुद्दा विदेशी धन के साथ जवाबदेही, पारदर्शिता और राष्ट्रीय हित का है।

किसी भी संप्रभु राष्ट्र के लिए यह सामान्य बात है कि वह अपने देश में आने वाले विदेशी धन के स्त्रोत और उपयोग पर निगरानी रखे। भारत अकेला देश नहीं है जो ऐसा करता है। अमेरिका सहित अनेक देशों में विदेशी धन, विदेशी एजेंटों, विदेशी संस्थाओं और राजनीतिक प्रभाव से संबंधित अलग-अलग कानून और व्यवस्थाएं हैं। इसलिए भारत द्वारा अपने यहां विदेशी योगदान के लिए नियमन तय करना किसी धर्म या समुदाय के विरुद्ध कार्रवाई मानना तथ्यात्मक रूप से उचित नहीं है।

इस कानून में संशोधन भी कोई पहली बार नहीं हो रहा। इससे पूर्व वर्ष 1984, 2010, 2016, 2018, 2020 व 2022 में भी इस कानून में विभिन्न पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा संशोधन किए गए। बल्कि वर्ष 2010 में तो इस कानून को पूरी तरह से निरस्त कर एक नया और कठोर कानून बनाया गया था।

आंकड़े बताते हैं कि समस्या काल्पनिक नहीं है। गृह मंत्रालय के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 2016 से 2020 के बीच ही 6,600 से अधिक गैर सरकारी संस्थाओं के FCRA पंजीकरण रद्द किए गए थे। एक अन्य आँकड़े के अनुसार विदेशी पैसों से चलने वाले कुल 52,156 एनजीओ व संस्थानों में से अभी सिर्फ 14,435 ही सक्रिय हैं। 22,496 के पंजीयन रद्द किए जा चुके हैं तथा 15,225 पूरी तरह से निष्क्रिय हैं। नियमानुसार, पंजीकरण रद्द होने के बाद ऐसी संस्थाएं FCRA के अंतर्गत विदेशी योगदान प्राप्त या उपयोग नहीं कर सकतीं। इसलिए इन सभी संस्थाओं को अपने पंजीयन को नवीनीकृत कराना ही चाहिए। ग्रीन पीस इंडिया पर 2015 में FCRA नियमों के उल्लंघन के कई आरोप लगे थे। इनमें विदेशी योगदान के निर्धारित बैंक खाते से बाहर लेन-देन, योगदान की गलत/कम रिपोर्टिंग, प्रशासनिक खर्च की सीमा से अधिक व्यय, विदेशी NGO से भारतीय NGOs/activists के कानूनी खर्च को सहायता और अन्य अनुपालन संबंधी मुद्दे शामिल थे। गृह मंत्रालय ने जांच के बाद उसका पंजीकरण निलंबित किया और आगे कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की। इसी प्रकार 2025 में लद्दाख स्थित स्टूडेंट्स एजुकेशन एंड कल्चरल मूवमेन्ट ऑफ लद्दाख , का FCRA लाइसेंस भी गृह मंत्रालय द्वारा रद्द किया गया था। देशभर में ऐसे सैकड़ों उदाहरण हैं। यह भी समझना चाहिए कि हर विदेशी फंड लेने वाली संस्था संदिग्ध नहीं है। भारत में अनेक संस्थाएं विदेशी सहायता के माध्यम से अस्पताल, विद्यालय, अनाथालय, आपदा राहत, ग्रामीण विकास, शोध, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और अन्य सामाजिक कार्य करती हैं।

दैनिक पंचांग

10 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.09 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कन्या	08.20 बजे से
मंगल	मिथुन में	तुला	10.31 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.46 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	15.02 बजे से
शुक्र	कन्या में	मकर	17.07 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.53 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.26 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	21.57 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		वृष	23.37 बजे से
		मिथुन	01.35 बजे से
		कर्क	03.49 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 222 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि द्वादशी 08.01 बजे तदनन्तर त्रयोदशी 04.55 बजे प्रातः को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 12.27 बजे को समाप्त।
योग वज्र 22.27 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 08.01 बजे, गर 18.28 बजे तदनन्तर वणिज 04.55 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 15° 37'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872797
जूलियन दिन 2461262.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर **तारीख** 26
विशेष द्वितीय श्रावण सोमवार व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

स्वतंत्रता दिवस से पूर्व परेड पूर्वाभ्यास सिदो कान्हु स्टेडियम में शुरू

साहिबगंज : स्वतंत्रता दिवस से पूर्व मुख्य समारोह स्थल सिदो कान्हु स्टेडियम में परेड का पूर्वाभ्यास शुरू हुआ। सार्जेंट मेजर के नेतृत्व में जिला सशस्त्र बल एक प्लाटून, जैप 09 एक प्लाटून, गृह रक्षा वाहिनी एक प्लाटून, एनसीसी एक प्लाटून, गर्ल्स गाइड की छात्राएं सीनियर एक प्लाटून, गर्ल्स गाइड की छात्राएं जूनियर एक प्लाटून, चौकीदार पुरुष व महिला एक एक बटालियन, साहिबगंज कॉलेज, राजस्थान इंटर विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, कस्तूरबा विद्यालय, सेंट्रल स्कूल, संत जेवियर्स स्कूल के 25-25 की टुकड़ी एक एक बटालियन ने परेड का पूर्वाभ्यास किया। वहीं 13 अगस्त को परेड का फाइनल रिहर्सल होगा। जिसमे डीसी एसपी सहित जिला के आला अधिकारी शामिल होंगे।

झारखंड आंदोलनकारियों को किया गया सम्मानित

साहिबगंज: झारखंड की पहचान, अस्मिता, संस्कृति एवं अधिकारों की रक्षा के लिए अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय समर्पित करने वाले झारखंड आंदोलनकारियों के संघर्ष, त्याग एवं योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से झारखंड आदिवासी महोत्सव-2026 के अवसर पर विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सिद्धो-कान्हू सभागार, साहिबगंज में आयोजित महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम के दौरान मुख्य मंच पर उपायुक्त दीपक कुमार दुबे, वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग, अध्यक्ष, नगर परिषद साहिबगंज रामनाथ पासवान सहित अन्य पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा झारखंड आंदोलनकारियों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने झारखंड आंदोलन के दौरान आंदोलनकारियों द्वारा किए गए संघर्ष, त्याग, तपस्या एवं योगदान को स्मरण करते हुए उनके प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की। वक्ताओं ने कहा कि झारखंड राज्य के निर्माण की ऐतिहासिक यात्रा में आंदोलनकारियों का योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। उनके संघर्ष ने झारखंड की जल, जंगल, जमीन, संस्कृति, भाषा एवं पहचान के संरक्षण की आवाज को मजबूती प्रदान की।

अज्ञात वाहन की टक्कर से टोटो दुर्घटनाग्रस्त चालक समेत तीन घायल

साहिबगंज: जिले के पतना प्रखंड अंतर्गत दिग्गी के समीप बाँझी जाने वाले मार्ग पर रविवार को अज्ञात वाहन की जोरदार टक्कर से एक टोटो दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में टोटो चालक समेत उसमें सवार दो स्कूली छात्राएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। मिली जानकारी के अनुसार, टोटो चालक रतन साहा होली फैमिली स्कूल से बच्चों को उनके घर पहुंचाने जा रहे थे। इसी दौरान दिग्गी के समीप बाँझी की ओर जाने वाले मार्ग पर किसी अज्ञात वाहन ने टोटो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टोटो क्षतिग्रस्त हो गया और चालक रतन साहा के सिर में गंभीर चोट आई। वहीं, टोटो में सवार दो स्कूली छात्राएं भी हादसे में घायल हो गईं। दोनों छात्राएं केलाबाड़ी क्षेत्र की रहने वाली बताई जा रही हैं। दुर्घटना के बाद आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को दुर्घटनाग्रस्त टोटो से बाहर निकाला और इलाज के लिए बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया।

पारंपरिक नृत्य, मांदर की थाप और 'जय जोहार-जय झारखंड' के नारों से गूंजा महेशपुर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

महेशपुर : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) प्रखंड कार्यालय महेशपुर में विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन झामुमो प्रखंड समिति एवं महिला मोर्चा प्रखंड समिति की ओर से प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल वदूद के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम का संचालन झामुमो युवा मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष बाबुधन मुर्मू उर्फ डॉन ने किया। कार्यक्रम में झामुमो केंद्रीय समिति की सदस्य उपासना मरांडी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। वहीं एसडीपीओ विजय कुमार और थाना प्रभारी रवि शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत झारखंड के महान आदिवासी वीरों सिदो-कान्हू, तिलका मांझी एवं दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि एवं नमन करने के साथ हुई। इसके बाद झामुमो महिला मोर्चा की पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने मुख्य अतिथि उपासना मरांडी, एसडीपीओ विजय कुमार, थाना प्रभारी रवि शर्मा सहित मंच पर उपस्थित अतिथियों को पुष्पगुच्छ, माला और आदिवासी पारंपरिक परिधान पंची-पाड़हाट भेंट कर सम्मानित किया।

मांदर की थाप पर झूमे आदिवासी समाज के लोग

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति और परंपरा की आकर्षक झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में शामिल आदिवासी महिला-पुरुषों ने ढोल, नगाड़ा और मांदर की थाप पर सोहराय, दोंग एवं लागड़े नृत्य प्रस्तुत किया। पारंपरिक वेशभूषा में कलाकारों की प्रस्तुति ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का मन मोह लिया। पारंपरिक गीत-संगीत और नृत्य से पूरा झामुमो प्रखंड कार्यालय परिसर उत्साह और उमंग से भर गया। इस दौरान 'एक तीर, एक कमान, सब आदिवासी एक समान', 'जय जोहार' और 'जय झारखंड' के नारों से कार्यक्रम स्थल गूंजता रहा। कार्यक्रम में शामिल कार्यकर्ताओं एवं समाज के लोगों के लिए भोजन की भी व्यवस्था की गई थी।

शिक्षा, नशामुक्ति और रोजगार पर जोर

मुख्य अतिथि उपासना मरांडी ने अपने संबोधन में आदिवासी समाज के विकास के लिए शिक्षा, नशामुक्ति और रोजगार को प्राथमिकता देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने में शिक्षा की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने तथा युवाओं को अपने भविष्य के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविन्द्र भवन टाउन हॉल में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में विश्व आदिवासी दिवस 2026 के अवसर पर रविन्द्र भवन टाउन हॉल, पाकुड़ के सभागार में भव्य जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आदिवासी संस्कृति, परंपरा, कला, नृत्य-संगीत एवं पारंपरिक वेशभूषा की समृद्ध झलक देखने को मिली। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण जोड़ा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उपायुक्त मेघा भारद्वाज सहित उपस्थित अतिथियों द्वारा विधिवत दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। नगर परिषद अध्यक्ष सबरी पाल ने कहा कि आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, कला एवं जीवनशैली झारखंड की पहचान और गौरव है। जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के साथ आदिवासी समुदाय ने प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने की अनूठी परंपरा को पीढ़ियों से संजोकर रखा है। उन्होंने कहा कि झारखंड आदिवासी महोत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जानने, समझने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण अवसर है। हमें अपनी पारंपरिक संस्कृति, भाषा, कला, वेशभूषा एवं रीति-रिवाजों को संरक्षित करते हुए आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने सभी को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी संस्कृति हमारी पहचान है और इसका संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, पाकुड़ ने कहा कि आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, कला एवं जीवनशैली हमारी अमूल्य धरोहर है।

रेल यात्रियों को बड़ी सौगात, हावड़ा-नटेसर स्पेशल ट्रेन से बढ़ी कनेक्टिविटी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले और आसपास के रेल यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। हावड़ा और नटेसर के बीच चलने वाली 03029/03030 स्पेशल ट्रेन का परिचालन लंबे समय तक किए जाने से पाकुड़ को हावड़ा, साहिबगंज, भागलपुर समेत बिहार के कई महत्वपूर्ण शहरों से अतिरिक्त रेल कनेक्टिविटी मिलेगी। लंबे समय से इस रेल मार्ग पर बेहतर और अतिरिक्त ट्रेन की मांग कर रहे यात्रियों के लिए रेलवे की यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

रेलवे के अनुसार ट्रेन संख्या 03029 हावड़ा-नटेसर स्पेशल प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शनिवार को चलेगी। इसका परिचालन 10 अगस्त 2026 से 8 फरवरी 2027 तक किया जाएगा। वहीं ट्रेन संख्या 03030 नटेसरझहावड़ा स्पेशल प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार और रविवार को 11 अगस्त 2026 से 9 फरवरी 2027 तक चलेगी। दोनों दिशाओं में कुल 79-79 ट्रिप निर्धारित हैं।

यह स्पेशल ट्रेन हावड़ा, बर्द्धमान, बोलपुर, रामपुरहाट, पाकुड़, बरहरवा, साहिबगंज, भागलपुर, सुल्तानगंज, जमालपुर, अभयपुर, किऊल, मोकामा, बख्तियारपुर, बिहारशरीफ, नालंदा होते हुए नटेसर तक जाएगी।

सावन में कांवरियों के लिए बनेगी वरदान

ट्रेन का परिचालन शुरू होने का समय सावन के दौरान पाकुड़ जिले के शिवभक्तों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु सुल्तानगंज से गंगाजल उठाकर बाबा बैद्यनाथ धाम और बासुकीनाथ धाम की यात्रा करते हैं। पाकुड़ से सुल्तानगंज और भागलपुर तक पहुंचने के लिए सीधी रेल सुविधा मिलने से कांवरियों को काफी सहूलियत होगी। खासकर सोमवार, बुधवार और शनिवार को हावड़ा की ओर से चलने वाली ट्रेन तथा वापसी में मंगलवार, गुरुवार और रविवार को नटेसर से हावड़ा जाने वाली ट्रेन के परिचालन से यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाने में अतिरिक्त विकल्प मिलेगा।

लंबे समय से उठ रही थी अतिरिक्त ट्रेन की मांग

पाकुड़ के यात्रियों की ओर से लंबे समय से हावड़ा, साहिबगंज, भागलपुर और बिहार के अन्य प्रमुख शहरों के लिए बेहतर रेल सुविधा उपलब्ध कराने की मांग उठती रही है।

कांवरियों का जत्था बाबा धाम रवाना बोल बम के जयघोष से गूंजा अमड़ापाड़ा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अमड़ापाड़ा : पाकुड़ जिले से सावन के पावन महीने में बाबा बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक के लिए अमड़ापाड़ा प्रखंड से ग्रामीणों का एक जत्था सुलतानगंज के लिए रवाना हुआ। श्रद्धालु सुलतानगंज स्थित उत्तरवाहिनी गंगा से पवित्र जल लेकर कांवर यात्रा करते हुए देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम और उसके बाद बासुकीनाथ धाम में जल अर्पित करेंगे। रवानगी से पूर्व श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर सुखद एवं सफल यात्रा की कामना की। कांवरियों में यात्रा को लेकर खासा उत्साह देखा गया। इस दौरान हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से माहौल भक्तिमय हो गया। ग्रामीणों में मौजूद हरेराम बम ने बताया कि सावन के दौरान बाबा बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक करने की पुरानी परंपरा रही है। वहीं अमन बम ने बताया कि सभी श्रद्धालु सुलतानगंज से गंगाजल लेकर पैदल यात्रा करते हुए देवघर पहुंचेंगे और बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक करने के बाद बासुकीनाथ धाम में भी पूजा-अर्चना करेंगे। मौके पर मौजूद अन्य कांवरियों ने कहा कि बाबा भोलेनाथ की कृपा से यात्रा निर्विघ्न संपन्न हो और क्षेत्र में सुख, शांति एवं समृद्धि बनी रहे, यही उनकी कामना है। जत्थे के रवाना होने के दौरान ग्रामीणों ने श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं।

सिद्धो कान्हू सभागार में जिला प्रशासन ने किया आदिवासी दिवस का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : आदिवासी संस्कृति, प्रकृति संरक्षण और पारंपरिक जीवन दर्शन की समृद्ध विरासत को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से रविवार को सिद्धो कान्हू सभागार में जिला प्रशासन की ओर से भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां इस कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त दीपक कुमार दुबे, वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग, नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास समेत अन्य अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उधर जेएसएलपीएस की ओर से उपायुक्त दीपक कुमार दुबे को सखुआ पत्ता से बना हुआ टोपी पहनाकर स्वागत किया गया। उधर कार्यक्रम के दौरान आदिवासी समाज की समृद्ध परंपराओं, लोक संस्कृति, कला, नृत्य संगीत और प्रकृति के साथ उनके गहरे जुड़ाव को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया। जहां कार्यक्रम में आदिवासी संस्कृति की विशिष्ट पहचान और उसके संरक्षण की आवश्यकता पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज की जीवनशैली सदियों से प्रकृति के संरक्षण और उसके साथ सामंजस्य पर आधारित रही है। जहां जल, जंगल और जमीन के प्रति सम्मान तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की भावना आदिवासी जीवन दर्शन की महत्वपूर्ण विशेषता है। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से आदिवासी परंपरा और विरासत की मनमोहक झलक देखने को मिली।

राजमहल गंगा घाट से लेकर बाबा गजेश्वर नाथ धाम, शिवगादी तक गूंजा बोल बम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सावन की दूसरी सोमवारी को लेकर राजमहल के उत्तरवाहिनी गंगा तट से बरहेट स्थित शिवगादी धाम तक कांवरियों का पैदल यात्रा से पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना रहा। बाबा को जलाभिषेक करने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने राजमहल से गंगाजल उठाया और पैदल कांवर यात्रा शुरू की। इस दौरान तीनपहाड़ में लगाए गए निशुल्क कांवरिया सेवा शिविर श्रद्धालुओं के लिए प्रमुख पड़ाव बना रहा। उत्तरवाहिनी गंगा से जल उठाने के बाद कांवरियों का जत्था राजमहल बाजार, काजीगांव, पड़रिया, लालबन, बभनगामा मोड़, तीनपहाड़ बैंक मोड़, सगड़भंगा और धौगड़ा पहाड़ होते हुए बरहेट के शिवगादी धाम की ओर रवाना हुआ। इसी मार्ग पर जगह-जगह श्रद्धालुओं कि सेवा एवं स्वागत की भी व्यवस्था की गई थी। वहीं बभनगामा मोड़ स्थित तीनपहाड़ कॉलेज के समीप हर वर्ष की तरह इस बार भी निशुल्क कांवरिया सेवा शिविर लगाया गया। यहां कांवरियों के लिए भव्य भंडारा, चाय-नाश्ता, पेयजल, विश्राम, मालिश तथा भक्ति गीतों का आयोजन किया गया। भक्ति गीतों पर कांवरियों में खासा उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए और सेवा व्यवस्था के लिए आयोजन समिति के सदस्यों का आभार जताया।आयोजकों के अनुसार यह सेवा शिविर वर्ष 2011 से लगातार कांवरियों की सेवा करता आ रहा है।

54 फीट कांवर के साथ निकली सत्य सनातन यात्रा

बोरियो की 54 फीट सत्य सनातन कांवर यात्रा भी इस दौरान आकर्षण का केंद्र रही। शनिवार देर शाम बोरियो से श्रद्धालुओं का जत्था राजमहल के लिए रवाना हुआ रविवार की अहले सुबह करीब चार बजे श्रद्धालुओं ने राजमहल उत्तरवाहिनी गंगा से जल उठाया और 54 फीट कांवर के साथ शिवगादी धाम के लिए प्रस्थान किया। यात्रा राजमहल से होते हुए बभनगामा मोड़ स्थित निशुल्क सेवा शिविर पहुंची। यहां विश्राम करने के बाद कांवरियों का जत्था रामचौकी, वृंदावन होते हुए बोरियो की ओर आगे बढ़ा, जहां से श्रद्धालु बरहेट स्थित शिवगादी बाबा गजेश्वर नाथ धाम पहुंचकर जलाभिषेक करेंगे। जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे। विशाल कांवर और हजारों श्रद्धालुओं का जत्था आकर्षक धार्मिक दृश्य देखने को मिला। पूरे कांवर मार्ग में 'बोल बम' और 'हर हर महादेव' के जयघोष गूंजते रहे और सावन की दूसरी सोमवारी पर तीनपहाड़ से लेकर शिवगादी धाम तक श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा।

संक्षिप्त खबरें

पेड़ से पतंग निकालते समय 11 हजार वोल्ट के तार की चपेट में आने से 15 वर्षीय किशोर की मौत

साहिबगंज: जिले के राजमहल थाना क्षेत्र के मटियाल (चहरबन्ना, वार्ड नंबर 12) में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में 15 वर्षीय किशोर की जान चली गई। मृतक की पहचान मटियाल निवासी मुख्तार शेख के पुत्र समीउल शेख के रूप में हुई है। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पतंग निकालने के दौरान हुआ हादसा प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, समीउल शेख अपने घर के आसपास दोस्तों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान उसकी पतंग पास के ही एक पेड़ में जाकर फंस गई। पतंग को बाहर निकालने के लिए समीउल पेड़ पर चढ़ गया। पेड़ के बिल्कुल करीब से गुजर रहे (11 हजार वोल्ट) बिजली के तार से उसका शरीर स्पर्श हो गया। तेज करंट लगते ही वह बुरी तरह झुलस गया और अनियंत्रित होकर पेड़ से नीचे आ गिरा। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित किया हादसे के तुरंत बाद परिजन और स्थानीय ग्रामीण आनन-फानन में समीउल को राजमहल अनुमंडल अस्पताल ले गए। हालांकि, अस्पताल के डॉक्टर उदय टुडू ने प्राथमिक जांच के बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा घटना की जानकारी मिलते ही राजमहल थाना के एसआई एसके तिर्की पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने जताया शोक हादसे की खबर मिलते ही नगर पंचायत अध्यक्ष मो. केताबुद्दीन शेख और स्थानीय वार्ड पार्षद राजू सरकार घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर इस दुख की घड़ी में उन्हें ढांढस बंधाया। ग्रामीणों का कहना है कि आवासीय क्षेत्र और पेड़ों के इतने करीब से 11 हजार वोल्ट की नंगी तारें गुजर रही हैं, जो हर वक्त किसी बड़े हादसे को न्योता देती हैं। स्थानीय लोगों ने विद्युत विभाग से तारों की तुरंत जांच कराने, इंसुलेटेड केबल लगाने और इलाके में पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

पुलिस ने एक युवक को देसी कट्टा व दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज : जिले में बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत साहिबगंज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कल्याणचक ज्वेलरी लूटकांड में संलिप्त एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के शांतिनगर निवासी सुबोध मंडल के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से दो अवैध देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किया हैं। सदर एसडीपीओ सुशील कुमार ने रविवार को जिरवाबाड़ी थाना में प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि राजमहल थाना कांड संख्या 174/25 के मामले में पुलिस रिमांड पर चल रहे आरोपी विष्णु मंडल से पूछताछ के दौरान कल्याणचक ज्वेलरी लूटकांड से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिले। पूछताछ में विष्णु ने पुलिस को बताया कि लूटकांड में इस्तेमाल किया गया देसी कट्टा और कुछ गोलियां सुबोध मंडल के पास हैं। जानकारी के आधार पर साहिबगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल गठित किया गया। जिरवाबाड़ी और राजमहल थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने 8 अगस्त को शांतिनगर में छापेमारी कर सुबोध मंडल को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने दो देसी कट्टा और दो जिंदा गोलियां बरामद किया। मामले में जिरवाबाड़ी थाना में कांड संख्या 146/26, आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी) ए/26/35 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। छापेमारी दल में जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह, राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी, एसआई कार्तिक उरांव, ओम प्रकाश चौहान, शिवानंद प्रसाद तथा आरक्षी दीपक कुमार सिंह और राम बिहारी ओझा शामिल थे।

तीनपहाड़-राजमहल रेलवे खंड में समपार फाटक संख्या 49 को बंद कर नया अंडरपास खोला

साहिबगंज: पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक गीतिका पांडेय के नेतृत्व में मालदा मंडल ने तिनपहाड़ और राजमहल के बीच समपार फाटक संख्या 49 को स्थायी रूप से बंद कर एक नए सीमित ऊँचाई वाले सबवे का सफलतापूर्वक उद्घाटन किया है। नए अंडरपास के निर्माण और कमीशनिंग का कार्य पूरा होने के बाद 5 अगस्त, 2026 को समपार फाटक को आधिकारिक रूप से बंद कर दिया गया। यह कार्य मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के नेतृत्व में पूरा किया गया। यह वैकल्पिक सुविधा स्थानीय सड़क उपयोगकताओं को रेलवे ट्रैक पार करने के लिए बिना गेट पर प्रतीक्षा किए अधिक सुरक्षित, मौसमरोधी और विश्वसनीय मार्ग उपलब्ध कराती है। समपार फाटक 49 को स्थायी रूप से हटाए जाने से रेलवे सुरक्षा और परिचालन दक्षता में महत्वपूर्ण सुधार होगा। सतह पर रेलवे ट्रैक और सड़क के प्रत्यक्ष संपर्क को समाप्त करने से ट्रेनों के परिचालन में कम व्यवधान आएगा, वहीं पैदल यात्रियों और वाहनों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। इस परियोजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझि ने कहा, "इस अंडरपास का सफल उद्घाटन और समपार फाटक को बंद किया जाना हमारी निरंतर सुरक्षा मुहिम में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हम स्थानीय समुदाय के सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं, जिसने हमें अधिक सुरक्षित और कुशल परिवहन नेटवर्क के निर्माण में सहायता की।

गांजा और नशीली सिरप का कारोबारी गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम: एमजीएम थाना पुलिस ने नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बालीगुमा में गुमटी की आड़ से गांजा और प्रतिबंधित नशीली सिरप बेचने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से दो किलो 60 ग्राम गांजा, कोडीन फॉस्फेट युक्त सात बोतल ओनरेक्स सिरप, गांजा बिक्री से प्राप्त 3,320 रुपये नकद सहित अन्य सामान बरामद किया है।

एक नजर

बोकारो जिला किक बाक्सिंग में मेहक ने सिल्वर व सूरज ने जीता ब्रोंज मेडल

बोकारो : जिला किक बाक्सिंग एसोसिएशन की ओर से रविवार को चतुर्थ बोकारो जिला किक बाक्सिंग चैम्पियनशिप का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता जीएम कॉलोनी सीआईएसएफ कल्याण मंडप में किया गया। जिसमें विभिन्न भार ग्रुप में जिले के कुल 120 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस किक बाक्सिंग प्रतियोगिता में 45 किलो भार बालिका ग्रुप में मेहक कुमारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतने में सफल रही। वहीं बालक ग्रुप में सूरज कुमार ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए भार ग्रुप 60 किलो में ब्रोंज मेडल जीतने में सफल रहे। जबकि ये दोनों खिलाड़ी डॉ राजेन्द्र प्रसाद पब्लिक स्कूल सेक्टर 9 रानीपोखर के खिलाड़ी ने प्रतियोगिता में भाग लेकर बेहतर प्रदर्शन किया। दोनों खिलाड़ियों की ओर से सिल्वर मेडल व ब्रोंज मेडल जीतने पर स्कूल के प्राचार्य डॉ मुकेश कुमार ने दोनों खिलाड़ियों समेत टीम कोच फिरोज अंसारी को बधाई देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। इसके अतिरिक्त 70 किलो भार ग्रुप में जिले के खिलाड़ी विक्की ने गोल्ड मेडल जीतने में सफल रहे।

एनएच 23 पर कार और ऑटो में टक्कर, तीन घायल

बालीडीह : थाना के निकट रविवार करीब साढ़े तीन बजे एनएच 23 पर किनारे खड़ी कार और ऑटो में टक्कर हो गई। इस घटना में बनसिमली निवासी तारकेश्वर आचार्य, अभिषेक कुमार सिन्हा तथा ऑटो चालक घायल हो गए। बताया जाता है कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो पूरी तरह पलट गई। इस घटना में ऑटो चालक को गंभीर चोट लगी है। जिसका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। दोनों पक्ष एक दूसरे पर लगा रहे आरोप - कार संख्या (जेएच 09 एआर 2274) सवार निकोलस मिंज ने कहा कि कार खड़ी कर हम लोग बगल में पार्टी में शामिल होने गए थेँ, आकर देखा तो कार को किसी ने टक्कर मार दी है। वहीं, दूसरे पक्ष से ऑटो में सवार तारकेश्वर आचार्य ने बताया कि कार ने पीछे से आकर टक्कर मारी, जिसके बाद ऑटो पलट गई।

डकैती कांड का खुलासा, तीन गिरफ्तार

चंदनकियारी : चंदनकियारी विद्युत सबस्टेशन में बीते तीन अगस्त की देर रात हुई डकैती का बोकारो पुलिस ने एक सप्ताह के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर एक पिकअप वाहन, एक बोलेरो, करीब 1200 मीटर स्क्रैप तार समेत अन्य सामान बरामद किए गए हैं। पुलिस ने घटना में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी और शेष सामान की बरामदगी के लिए छापेमारी जारी रखने की बात कही है। रविवार को चंदनकियारी थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में सीसीआर डीएसपी रामप्रवेश कुमार और थाना प्रभारी अमित कुमार राय ने मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तीन अगस्त की देर रात 10-12 की संख्या में नकाबपोश अपराधी चंदनकियारी विद्युत सबस्टेशन में घुस गए थे।

रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ बोकारो आदिवासी महोत्सव-2026 का भव्य समापन

आदिवासी फैशन शो, पारंपरिक नृत्य-संगीत ने बांधा समां, कलाकारों की प्रस्तुतियों पर झूमते नजर आए दर्शक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित बोकारो आदिवासी महोत्सव-2026 का समापन रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ। महोत्सव के समापन पर आयोजित आदिवासी फैशन शो, पारंपरिक एवं रंगारंग नृत्य-संगीत की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

पारंपरिक परिधानों में सजे प्रतिभागियों ने आदिवासी संस्कृति एवं विरासत की विविधता को फैशन शो के माध्यम से प्रदर्शित किया। वहीं, कलाकारों/छात्रों ने विभिन्न पारंपरिक नृत्य एवं लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुति देकर समां बांध दिया। कलाकारों की प्रस्तुतियों पर दर्शक भी उत्साहपूर्वक झूमते और तालियां बजाते नजर आए।

मौके पर उपायुक्त श्री अजय नाथ झा, उनकी धर्मपत्नी डॉ प्रतीमा झा, पुलिस अधीक्षक श्री नाथू सिंह मीणा, उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस श्री अरविंद राधाकृष्णन सहित जिला स्तरीय सभी पदाधिकारी दिनभर उपस्थित रहकर *महोत्सव की व्यवस्थाओं एवं कार्यक्रमों का जायजा लेते रहे। महोत्सव के दौरान आदिवासी कला, हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजन, खेल एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से जिले की समृद्ध आदिवासी संस्कृति एवं परंपराओं को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया गया। संस्कृति, परंपरा और प्रकृति संरक्षण के संदेश के साथ बोकारो आदिवासी महोत्सव-2026 का भव्य समापन हुआ।

सेंगेल अभियान ने मनाया 32वें विश्व आदिवासी दिवस आबुआ दिशोम आबुआ राज की स्थापना का संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रविवार को आदिवासी संगठन सेंगेल अभियान के तत्वावधान में बरुआटांड़ ग्राम में संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में आबुआ दिशोम आबुआ राज स्थापित करने के संकल्प के साथ एकता और प्रार्थना की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता चास प्रखंड युवा मोर्चा के कालीचरण किस्कू ने की, जबकि संचालन सेंगेल सरना धर्म मंडवा के बोकारो जिला अध्यक्ष भीम मुर्मू ने किया।

भीम मुर्मू ने कहा कि इस वर्ष दुनिया भर में 32वां विश्व आदिवासी दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि 9 अगस्त 1982 को जेनेवा में आदिवासियों की घटती आबादी पर चिंता व्यक्त की गई थी और 1994 में हुई घोषणा के अनुरूप 1995 से हर वर्ष यह दिवस मनाया जा रहा है। बावजूद इसके, उन्होंने बताया कि वैश्विक स्तर पर आदिवासियों की घटती आबादी और उनके अधिकारों की रक्षा हेतु अभी तक प्रभावी कदम नहीं उठाए जा सके हैं।

सेंगेल अभियान, जिसका राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद सालखन मुर्मू हैं, भारत के बिहार, बंगाल, असम, उड़ीसा, झारखंड, त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश के साथ-साथ नेपाल, भूटान और बांग्लादेश में आदिवासी अधिकारों की रक्षा और संवैधानिक अधिकार दिलाने का काम कर रहा है। कार्यक्रम में संगठन द्वारा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम कुछ प्रमुख मांगे भी प्रस्तुत की गयीं।

मुख्य मांगें इस प्रकार रहीं:

संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित विश्व आदिवासी भाषा दशक (2022-2032) के अंतर्गत, सबसे बड़ी आदिवासी भाषा संताली को झारखंड में संविधान के अनुच्छेद 345 के तहत प्रथम राजभाषा का दर्जा देकर पठन-पाठन, सरकारी कार्य और रोजगार में उपयोग की स्वीकृति दी जाए। लगभग 15 करोड़ आदिवासियों के स्वतंत्र धार्मिक पहचान के अधिकार के तहत सरना धर्म को संविधान के अनुच्छेद 25 के अनुरूप धर्म कोड के रूप में मान्यता दी जाए। असम व अण्डमान में बसे झारखंडी आदिवासियों को शीघ्रता से अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिया जाए।

आदिवासी स्वशासन व्यवस्था में परंपरा के नाम पर चल रहे वंशवादी तत्त्वों में सुधार कर संविधान, कानून और जनतंत्र का पालन सुनिश्चित किया जाए।

झारखंड में स्थानीय-स्तरीय नीति/प्रखंडवार नियोजन की नीतियाँ लागू की जाएं।

विश्व आदिवासी दिवस पर 117 गांवों में विशेष ग्रामसभा और जागरूकता रैली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के तत्वावधान में चतरा जिले के लावालौंग, सिमरिया, कुंदा एवं प्रतापपुर प्रखंड के 117 अनुसूचित जनजाति (एसटी) एवं विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह बहुल गांवों में विशेष ग्रामसभा, जागरूकता कार्यक्रम एवं जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आदिवासी समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक ज्ञान, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और संवैधानिक अधिकारों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना रहा। विशेष ग्रामसभाओं में ग्रामीणों के साथ विश्व आदिवासी दिवस के महत्व, आदिवासी समुदाय के संवैधानिक अधिकारों, पारंपरिक ज्ञान, संस्कृति, सामाजिक सहभागिता तथा जल, जंगल और जमीन के संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित रखने और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। इस दौरान ग्रामीणों, स्वयं सहायता समूहों की दीदियों, सामुदायिक कैडरों एवं स्थानीय समुदाय के सदस्यों की सहभागिता से जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग, सामुदायिक सहभागिता और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया गया। ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जल, जंगल और जमीन के संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया। ग्रामसभाओं के दौरान पारंपरिक जल संरक्षण एवं जल प्रबंधन प्रणालियों पर विशेष जोर दिया गया। ग्रामीणों को बताया गया कि आदिवासी समाज द्वारा पीढ़ियों से अपनाई जा रही पारंपरिक जल संरक्षण तकनीकें आज भी जल संकट के समाधान में प्रभावी और प्रासंगिक हैं।

सिमरिया में हाइवा चतरा छोड़ो आंदोलन शुरू कोयला-फ्लाई ऐश ढुलाई अनिश्चितकाल के लिए बंद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमरिया (चतरा) : कोल ट्रांसपोर्टिंग से लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं और मौतों के विरोध में रविवार से सिमरिया अनुमंडल मुख्यालय के सुभाष चौक पर सर्वदलीय हाइवा चतरा छोड़ो आंदोलन शुरू हो गया। सर्वदलीय संघर्ष समिति के नेतृत्व में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं। आंदोलन के समर्थन में क्षेत्र में कोयला और फ्लाई ऐश की ढुलाई भी अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दी गई है। धरने में वक्ताओं ने कहा कि पिछले 10-12 वर्षों से क्षेत्र में लगातार भारी वाहनों से कोयले की ढुलाई हो रही है। इस दौरान कई लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में जान जा चुकी है। इसके बावजूद हादसों में मृतकों के आश्रितों को क्षतिपूर्ति देने के लिए कोई स्थायी नीति नहीं बनाई गई है। हर दुर्घटना के बाद पीड़ित परिवारों को मुआवजे के लिए आंदोलन करना पड़ता है। वक्ताओं ने कहा कि चतरा जिले की ग्रामीण सड़कें भारी वाहनों के लगातार दबाव को झेलने की स्थिति में नहीं हैं। इसके बावजूद हजारीबाग जिले के पकरी बरवाडीह, जोरदाग, चट्टीबरियातू समेत अन्य कोयला खदानों से कोयले की ढुलाई सिमरिया मार्ग से की जा रही है। आंदोलनकारियों ने हजारीबाग जिले के कोयले की सिमरिया मार्ग से ढुलाई तत्काल बंद करने की मांग की। धरने में झामुमो केंद्रीय सदस्य मनोज कुमार चंद्रा, कांग्रेस जिलाध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य चंद्रदेव गोप, झामुमो जिला सचिव चंद्रदेव साहू, आप जिलाध्यक्ष शत्रुध्न प्रसाद, राजद नेता वीरेंद्र यादव, कांग्रेस नेता कामाख्या नारायण सिंह समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को न्याय की मांग, बड़गांव पहुंचे बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

टंडवा (चतरा) : जिले के टंडव प्रखंड क्षेत्र में नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग को लेकर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी रविवार को टंडवा के बड़गांव पंचायत पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों एवं पीड़ित परिवार से मुलाकात कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। पत्रकारों से बातचीत में बाबूलाल मरांडी ने पुलिस कार्रवाई पर असंतोष जताते हुए स्थानीय थाना की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि परिजनों द्वारा 3 अगस्त को नाबालिग के अपहरण की सूचना थाना में दिए जाने के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं की गई। उनका आरोप है कि यदि पुलिस ने तत्परता दिखाई होती तो आरोपी को समय रहते गिरफ्तार किया जा सकता था और बाद में उत्पन्न जनाक्रोश को भी रोका जा सकता था। उन्होंने भीड़ की पिटाई से दुष्कर्म के आरोपी मो. इमरोज की मौत के बाद पुलिस प्रशासन द्वारा की जा रही कार्रवाई को पक्षपातपूर्ण बताया। मरांडी ने कहा कि दुष्कर्म पीड़िता को बाल सुधार गृह भेजे जाने और उसके माता-पिता को जेल भेजे जाने पर भी गंभीर सवाल उठते हैं, जबकि नाबालिग के अपहरण एवं दुष्कर्म में कथित रूप से शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर भी पुलिस से जवाब मांगा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आरोपी की मौत के बाद बड़ी संख्या में लोगों को नामजद एवं अज्ञात आरोपी बनाया गया है। पुलिस को निष्पक्ष जांच करते हुए निर्दोष लोगों को परेशान करने से बचना चाहिए। साथ ही उन्होंने नाबालिग पीड़िता को न्याय और सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की। मरांडी ने कहा कि मामले में सामने आ रहे विभिन्न तथ्यों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि किसी ने अपराधी को संरक्षण दिया है तो उसकी भूमिका की भी जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा पीड़ित परिवार को हरसंभव सहयोग करेगी। मौके पर चतरा सांसद कालीचरण सिंह, चतरा विधायक जनार्दन पासवान, सिमरिया विधायक कुमार उज्ज्वल दास, पूर्व विधायक किशुन दास, भाजपा जिलाध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता समेत कई वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

झारखंड आदिवासी महोत्सव का भव्य आयोजन, संस्कृति और विरासत की दिखी मनमोहक झलक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन, चतरा की ओर से जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण भवन हॉल में झारखंड आदिवासी महोत्सव-2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पारंपरिक आदिवासी संस्कृति, लोक कला, लोक संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक विरासत की आकर्षक झलक देखने को मिली। जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे जनजातीय समाज के लोगों, जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपायुक्त रवि आनंद सहित अन्य अतिथियों का पारंपरिक आदिवासी रीति-रिवाज से पौधा एवं गमछा भेंट कर स्वागत किया गया। इसके बाद अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उपायुक्त ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध संस्कृति, प्रकृति के प्रति आस्था और अद्वितीय जीवन-दर्शन को सम्मान देने का अवसर है। उन्होंने कहा कि चतरा प्राकृतिक संपदा और सांस्कृतिक विविधता से समृद्ध जिला है। आदिवासी समाज सदियों से जल, जंगल और जमीन के संरक्षण का संदेश देता आया है। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से वनाधिकार पट्टा वितरण, ग्राम सभाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा, छात्रवृत्ति, स्वरोजगार, स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आजीविका संवर्धन, कौशल विकास, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल एवं आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने आदिवासी समाज की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया। महोत्सव में एम.डी. ग्रुप, हजारीबाग की ओर से धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन एवं संघर्ष पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी गई, जिसने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। वहीं जन विकास मंच, रांची द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक झूमर नृत्य और आदिवासी गीत-संगीत पर पूरा सभागार मांदर की थाप पर झूम उठा। इस अवसर पर व्यक्तिगत वन अधिकार अधिनियम के तहत स्वीकृत 6 लाभुकों के बीच कुल 13.53 एकड़ रकबा का व्यक्तिगत वन अधिकार पट्टा भी वितरित किया गया। कार्यक्रम परिसर में बनाया गया आकर्षक सेल्फी प्वाइंट भी लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। अतिथियों एवं आमजनों ने यहां सेल्फी लेकर आयोजन की यादों को संजोया। वहीं झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसायटी की स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा लगाए गए दीदी कैफे एवं उत्पाद प्रदर्शनी स्टॉल का अतिथियों ने अवलोकन किया और स्थानीय उत्पादों तथा महिला समूहों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में एसी अरविंद कुमार, जिप अध्यक्ष ममता कुमारी, जिप उपाध्यक्ष बृज किशोर तिवारी, नगर परिषद अध्यक्ष अताउर रहमान, नगर परिषद उपाध्यक्ष प्रेमचंद साहू, सिमरिया एवं चतरा विधायक के प्रतिनिधि, जिला कल्याण पदाधिकारी सह जिला योजना पदाधिकारी शिशिर पंडित, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शकील अहमद समेत विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कर्मी, स्वयं सहायता समूह की दीदियां एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

मिथिला महिला समिति ने भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ मनाया सावन महोत्सव

बोकारो : प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद् की इकाई मिथिला महिला समिति द्वारा शनिवार की शाम सेक्टर 4 स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के विद्यापति सभागार में सावन महोत्सव भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा की धर्मपत्नी डॉ प्रतिमा झा, मिथिला महिला समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा, सचिव आभा झा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि डॉ प्रतिमा झा ने सभी को सावन महोत्सव की शुभकामनाएं दीं और कहा कि यूं तो भारतीय संस्कृति में सावन का महीना धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता ही है, लेकिन मिथिलांचल में सावन मास का खास महत्व है। भगवान शिव की आराधना, प्रकृति के उत्सव के साथ ही नवविवाहित स्त्रीगण बहुत ही श्रद्धा व उल्लास के साथ मधुश्रावणी त्यौहार मनाती हैं। डॉ प्रतिमा झा ने कहा कि मिथिला महिला समिति के इस कार्यक्रम में आकर उन्हें काफी प्रसन्नता का अनुभव हुआ है। मिथिला की सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण रखने में समिति का योगदान प्रशंसनीय है। इस मौके पर समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा व सचिव आभा झा ने मुख्य अतिथि को सम्मानित किया। इस अवसर पर संगीत-नृत्य के साथ ही विविध प्रतियोगिताओं का भी आयोजन हुआ, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत महाकवि विद्यापति रचित भगवती वंदना जय जय भैरवि असुर भयाउनि... के सुमधुर गायन से हुई। इसके बाद समिति की सदस्याओं ने सावन पर आधारित मैथिली गीतों व नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति से सभी को आनंदित किया। सावन मिलन कार्यक्रम में आयोजित सिया सुंदरी प्रतियोगिता में पूनम झा (शैव्या) ने प्रथम, बीना झा ने द्वितीय व विनीता राय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डाला सजाओ प्रतियोगिता में ऋतु मिश्रा को प्रथम, बीनू चौधरी को द्वितीय व सीमा झा को तृतीय स्थान मिला। बेस्ट डांसर का पुरस्कार प्रीति प्रिया को मिला जबकि बेस्ट पर्सनेलिटी का पुरस्कार मीरा रॉय को मिला। प्रतियोगिताओं की जज के रूप में पूनम झा उपस्थित रहीं। मिथिला महिला समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा ने कहा कि समिति द्वारा समय-समय पर मिथिला की संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं साथ ही समाज उत्थान व गरीबों के सहायतार्थ कार्यक्रम भी चलाये जाते हैं। कार्यक्रम में मंच संचालन बबिता झा ने किया। इस अवसर पर शीला मिश्रा, किरण मिश्रा, नमिता झा, रुबी ठाकुर, आशा झा, इंदिरा झा, जयंती पाठक, चंदा झा, लीला झा, आशा पाठक, डॉ मंजु झा, ऋतु मिश्रा, अर्पणा झा, प्रेरणा ओझा, रंजना भगत, अलका झा, राज कुमारी झा, सविता मिश्रा, किरण झा आदि उपस्थित थीं।

राष्ट्रीय श्रम संस्थान में प्रशिक्षण कार्यक्रम

बोकारो : झारखंड के बोकारो किम्स एचएमएस की महिला अध्यक्ष बबली सिंह ने पी वी गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान में प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा, देश भर के श्रम विभागों, विभिन्न ट्रेड यूनियन, यूनियनों ने, प्रतिष्ठानों के ने भाग लिया। दूसरा श्रम कानून में हो रहे व्यापक बदलाव और उसके कर्मचारियों पर पड़ने वाले प्रभाव को समझाने तथा श्रमिक हितों की प्रभावी पैरवी के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रदेशों के श्रम विभागों के अधिकारियों समेत विभिन्न ट्रेड यूनियनों के अधिकारियों ने सहभागिता की। इसमें विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की एवं संगठनों के प्रतिनिधियों को एक मंच पर अनुभव साझा करने का मौका मिला। श्रम कानून के व्यापक पहलुओं पर विचार-विमर्श करने का अवसर मिला। तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान इंडस्ट्रियल रिलेशन्स कोड 2020, कोड ऑन वेजेज, 2020, तथा अक्यू पेंशन, सेफ्टी हेल्थ ए, वर्किंग कंडीशन कोड 2020, व्यापक पहलुओं पर चर्चा हुई तीन दिवसीय, तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान इंडस्ट्रियल रिलेंस कोड, बीस बीस, कोड ऑन वेजेज बीस उन्नीस तथा ऑक्यूपेशन, सेफ्टी हेल्थ एवं वर्किंग कंडीशन कोड बीस बीस, व्यापिक सुरक्षा स्वास्थ्य एवं कार्य दर्शाए संगीता सहित श्रम कानून से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों द्वारा जानकारी दी गई। प्रतिनिधियों ने कहा कि विभिन्न प्रदेशों ट्रेड यूनियनों, ए प्रतिष्ठानों, प्रतिनिधियों के साथ एक मंच पर प्रशिक्षण प्राप्त करने, करना अपने आप में महत्वपूर्ण अनुभव रहा, जिससे श्रमिक हितों की बेहतर पैरवी, कर्मचारी के अधिकारों की रक्षा तथा मजबूत ट्रेड यूनियन गतिविधियों के लिए समझ और दृष्टिकोण प्राप्त हुआ।

कंजकीरो के समिप हाइवा ट्रक के चपेट मे आने से ठेका मजदूर गंभीर रूप से घायल

बोकारो : जिला अन्तर्गत पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र ऊपरघाट के कंजकीरो नईबस्ती मुख्य सड़क में देर रात्रि हाइवा डम्फर के चपेट में आ जाने से 52 वर्षीय ठेका मजदूर बाइक चालक बलदेव ठाकुर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में तत्काल उसे डीवीसी के बोकारो थर्मल अस्पताल इलाज के लिए ले जाया गया। जहाँ स्थिति गंभीर होता देख चिकित्सकों ने प्रथमिक इलाज करने के बाद बेहतर इलाज हेतु बोकारो अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे पेक नारायणपुर थाना प्रभारी नीतीश कुमार एवं बेरमो मुखिया संघ के अध्यक्ष चंद्रदेव घासी ने बताया कि घायल मजदूर गोविंदपुर बी पंचायत के निसंघाट कॉलोनी का रहने वाला है। शनिवार की देर रात्रि कांजकिरो अपने मित्र के घर गया हुआ था और वापस बोकारो थर्मल लौटने के दौरान कंजकीरो सबस्टेशन के पास मुख्य सड़क में हाइवा डम्फर के चपेट में आ गया। सर और पैर में गंभीर चोट आई है। पेक नारायणपुर थाना की पुलिस हाइवा डम्फर एवं बाइक को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई कर रही है।

ब्रहमपुर में प्रतिभा ज्वेलर्स का शुभारंभ, सोने-चांदी और डायमंड ज्वेलरी पर विशेष छूट

गिद्धौर (चतरा) : गिद्धौर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत चतरा-चौपारण मुख्य सड़क स्थित ब्रहमपुर मुख्य चौक पर रविवार को प्रतिभा ज्वेलर्स गोल्ड एंड डायमंड ज्वेलर्स शॉप का उद्घाटन किया गया। दुकान का उद्घाटन संचालक चंद्रकांत कुमार के पिता बिगन ताम्रकार ने नारियल फोड़कर एवं फीता काटकर किया। संचालक ने बताया कि प्रतिष्ठान में सोने, चांदी और डायमंड ज्वेलरी के लेटेस्ट डिजाइन एवं आकर्षक कलेक्शन उपलब्ध हैं। ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए खरीदारी पर विशेष छूट भी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि सोने के गहनों की मेकिंग चार्ज पर 5 से 10 प्रतिशत तक की छूट तथा डायमंड ज्वेलरी की एमआरपी पर 20 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। उद्घाटन के अवसर पर शिक्षक नरेश तिवारी, डेनियल श्याम, राजेश ताम्रकार, रामजीवन कुमार साहू, प्रदीप पांडेय, नंदकिशोर तिवारी समेत ग्रामीण शुभम कुमार, शंकर कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

गंडक नदी का पानी बढ़ने से पारू में बाढ़, 300 परिवारों के घिरे घर और टूटा संपर्क

पटना (एजेंसी) नेपाल में लगातार हो रही बारिश से गंडक नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है. पारू प्रखंड के चक्की सोहागपुर गांव में बाढ़ का पानी घुसने से 300 परिवार घिर गए हैं. आवागमन ठप होने से भोजन का गंभीर संकट पैदा हो गया है. नेपाल में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण गंडक नदी का जलस्तर अचानक तेजी से बढ़ गया है. नदी का पानी उफनकर पारू प्रखंड की चक्की सोहागपुर पंचायत के चक्की सोहागपुर गांव में घुस गया, जिससे गांव का मुख्य सड़क संपर्क पूरी तरह भंग हो गया है. गांव के लोगों के आने-जाने के सभी रास्ते बंद हो गए हैं, जिससे ग्रामीणों के सामने आवागमन के साथ-साथ जरूरी सामान की उपलब्धता की भी गंभीर समस्या खड़ी हो गई है. 300 परिवार पानी से घिरे, भोजन का संकट चक्की सोहागपुर पंचायत के मुखिया चंदन कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि इस पंचायत में कुल करीब 600 परिवार निवास करते हैं, जिनमें से लगभग 300 परिवार पूरी तरह पानी से घिर चुके हैं. इन प्रभावित परिवारों के आवागमन के सभी मार्ग बंद हो चुके हैं.मुख्य बाजार तक पहुंच समाप्त होने के कारण लोग जरूरी खाद्य सामग्री की खरीदारी नहीं कर पा रहे हैं, जिसके चलते अब उनके सामने भोजन का संकट गहराने लगा है. मुखिया ने आशंका जताई है कि जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए शनिवार रात तक इन 300 परिवारों के घरों के अंदर तक पानी घुस सकता है. उन्होंने कहा कि गांव के पूरी तरह जलमग्न होने की स्थिति में ग्रामीणों की सुविधा के लिए नाव और सामुदायिक भोजन की व्यवस्था अपने स्तर से करने का प्रयास किया जा रहा है. अन्य पंचायतों में भी बढ़ा जलस्तर गंडक नदी के बढ़ते जलस्तर का असर केवल चक्की सोहागपुर तक सीमित नहीं है, बल्कि पारू प्रखंड की बैजलपुर और उस्ती पंचायत के कई अन्य गांवों में भी बाढ़ का पानी सड़कों पर चढ़ने लगा है. इससे इन इलाकों का भी जनजीवन और आवागमन बुरी तरह प्रभावित होने लगा है. नदी के जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोतरी से तटीय इलाकों के ग्रामीणों की धड़कनें तेज हो गई हैं और लोग दहशत के साये में जीने को मजबूर हैं.

सारण के तरैया-अमनौर सहित तीन थानाध्यक्ष निलंबित, एसएसपी ने क्यों की कार्रवाई? जानिए

पटना (एजेंसी) सारण में पुलिस विभाग के कामकाज में लापरवाही बरतने वाले तीन थानाध्यक्षों पर एसएसपी विनीत कुमार ने बड़ी कार्रवाई की है. अवतार नगर, तरैया और अमनौर थाना के थानाध्यक्षों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है. एसएसपी ने स्पष्ट किया कि पुलिसकर्मियों की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. छपरा में पुलिस विभाग के कामकाज में लापरवाही को लेकर एसएसपी विनीत कुमार ने बड़ी कार्रवाई की है. कार्य में शिथिलता और कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही पाये जाने पर जिले के तीन थानाध्यक्षों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है. इनमें अवतार नगर, तरैया और अमनौर थाना के थानाध्यक्ष शामिल हैं. एसएसपी ने स्पष्ट किया कि पुलिसकर्मियों की लापरवाही और अनुशासनहीनता किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जायेगी. सारण पुलिस द्वारा पुलिस पदाधिकारियों के कार्यों की समीक्षा और प्राप्त प्रतिवेदनों के आधार पर यह कार्रवाई की गयी है. निलंबित होने वालों में अवतार नगर थाना के थानाध्यक्ष साकेत बिहारी, तरैया थाना के थानाध्यक्ष धीरज कुमार और अमनौर थाना के थानाध्यक्ष हेमंत कुमार शामिल हैं. अवतार नगर थानाध्यक्ष पर कांडों के अनुसंधान में लापरवाही का आरोप अवतार नगर थानाध्यक्ष साकेत बिहारी को थाना कांडों के निष्पादन और अनुसंधान में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने के कारण निलंबित किया गया है. एसएसपी के अनुसार कर्तव्य निर्वहन में शिथिलता भी पायी गयी, जिसके बाद कार्रवाई की गयी. तरैया थानाध्यक्ष ने सरकारी संपत्ति से जुड़ी घटना में बरती लापरवाही

खगड़िया में फर्जी IAS के घर छापेमारी से हड़कंप, केंद्र सरकार की नेम प्लेट वाली गाड़ियों से लेकर VIP पास तक बरामद

पटना (एजेंसी) खगड़िया के जमालपुर बाजार में एक कथित फर्जी कअर मनीष कुमार गुप्ता के घर पर पुलिस ने बड़ी छापेमारी की. उसके घर से 'भारत सरकार' लिखी दो शक्ढ गाड़ियां, 20 क्रेडिट कार्ड, 80 डेबिट कार्ड, शक्ढ पास और बारहसिंघा के सींग बरामद हुए हैं. खगड़िया के गोगरी थाना क्षेत्र के जमालपुर बाजार में शनिवार को पुलिस की एक बड़ी कार्रवाई से हड़कंप मच गया. खगड़िया एसपी भानु प्रताप सिंह के निर्देश पर डीआईयू, गोगरी डीएसपी चंदन ठाकुर और गोगरी पुलिस की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कथित फर्जी मनीष कुमार गुप्ता के घर पर छापेमारी की. पुलिस के अनुसार तलाशी के दौरान कई ऐसे सामान और दस्तावेज मिले, जिनसे उसकी कथित फर्जी पहचान और रसूख दिखाने की कोशिश का खुलासा हुआ. मामले में गोगरी

थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने मनीष कुमार गुप्ता को नामजद करते हुए प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस टीम जब मनीष कुमार गुप्ता के घर पहुंची तो वहां दो गाड़ियां खड़ी मिलीं. पुलिस के अनुसार दोनों वाहनों पर भारत सरकार लिखा बोर्ड लगा था. इनमें एक काले रंग की टेस्ला पुलिस के मुताबिक दोनों वाहनों पर भारत सरकार का बोर्ड लगा था. पूछताछ के दौरान मनीष ने दोनों गाड़ियों को अपना बताया, लेकिन भारत सरकार का बोर्ड लगाने के संबंध में पुलिस को संतोषजनक जवाब नहीं दे सका. खुद को बताकर दिखाया कथित पहचान पत्र पुलिस के अनुसार छापेमारी के दौरान घर के बाहर मिले मनीष कुमार गुप्ता ने पूछताछ में खुद कोअधिकारी बताया. उसने मोबाइल फोन में एक कथित पहचान पत्र भी दिखाया. पुलिस ने उसका प्रिंट आउट निकालकर जब्त कर लिया. पुलिस का कहना है कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुद को भारतीय सुरक्षा प्रमुख अजीत डोभाल का अंडरकवर एजेंट भी बताया. पुलिस द्वारा किए गए प्रारंभिक सत्यापन में यह दावा प्रथम दृष्टया फर्जी पाया गया. अब पुलिस इस पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है. 20 क्रेडिट कार्ड और 80 डेबिट कार्ड बरामद गोगरी थानाध्यक्ष के अनुसार तलाशी के दौरान मनीष कुमार गुप्ता के घर से विभिन्न बैंक और कंपनियों के 20 क्रेडिट कार्ड, करीब 80 डेबिट कार्ड और दो शक्ढ पास बरामद किए गए. इसके अलावा चार अलग-अलग बैंकों की चेकबुक और 11 उउळश कैमरों का ऊश्फ भी पुलिस ने जब्त किया है. पुलिस इन सभी सामानों और दस्तावेजों की जांच कर रही है. जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि इनका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाता था और आरोपी की गतिविधियों का दायरा कितना बड़ा था. घर से बारहसिंघा के दो सींग मिलने का भी दावा पुलिस के अनुसार छापेमारी के दौरान घर के अंदर से बारहसिंघा के दो सींग भी बरामद हुए. पुलिस ने दोनों सींगों को जब्त कर लिया है. इनके संबंध में वन्यजीव कानून के तहत आगे की कार्रवाई और जांच की जा सकती है. इसके अलावा पुलिस ने घर से विदेशी शराब मिलने की भी बात कही है. बरामद सामान की विस्तृत सूची और उसके स्रोत की जांच की जा रही है. आलीशान मकान और कथित रसूख की भी जांच पुलिस और स्थानीय लोगों के अनुसार मनीष कुमार गुप्ता ने जमालपुर बाजार स्थित कांग्रेस कार्यालय के समीप एक बहुमंजिला मकान बनाया है. स्थानीय स्तर पर उसके कथित रसूख और रहन-सहन को लेकर भी चर्चा रही है. हालांकि आरोपी द्वारा कथित रूप से लोगों को नौकरी दिलाने, प्रभाव जमाने या ठगी करने जैसे आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है. पुलिस अब बरामद दस्तावेजों, बैंक कार्ड, वाहनों, शक्ढ पास और अन्य सामान के आधार पर उसकी गतिविधियों की जांच कर रही है. मामले में पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी. इस कार्रवाई के बाद इलाके में कथित फर्जी कअर के नेटवर्क और उसकी गतिविधियों को लेकर चर्चाएं तेज हो गयी हैं.

बिहार के इन 2 शहरों के लिए खर्च किए जायेंगे 279.95 करोड़ रुपये, 17,745 घरों को मिलेगा फायदा

पटना (एजेंसी) बिहार के दो शहरों मुंगेर और जमालपुर के लोगों के लिए लगभग 279.95 करोड़ रुपये खर्च किए जायेंगे. इस राशि से दोनों शहरों में पानी जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा. इससे लगभग 17,745 घरों को फायदा पहुंच सकेगा मुंगेर और जमालपुर के हजारों परिवारों के लिए अच्छी खबर है. अमृत 2.0 के तहत दोनों शहरों की जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सरकार ने करीब 279.95 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी है. योजना पूरी होने के बाद 17,745 घरों तक नल से पानी पहुंचाने की तैयारी है. मुंगेर में बिछेगा 199 किमी का नेटवर्क जानकारी के मुताबिक, मुंगेर जलापूर्ति परियोजना फेज-1 के लिए 177.72 करोड़ रुपये मंजूर

किए गए हैं. इसके तहत 10,540 घरों को नया नल कनेक्शन दिया जाएगा. शहर में 53 एमएलडी कैपेसिटी का नया वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट भी बनाया जाएगा.

जबकि मौजूदा 14 एमएलडी प्लांट को अपग्रेड किया जाएगा. पानी को शहर के अलग-अलग इलाकों तक पहुंचाने के लिए करीब 199 किलोमीटर लंबा वितरण नेटवर्क बिछाया जाएगा. इसके अलावा 6 नए वॉटर टावर बनाए जाएंगे, जबकि तीन पुराने वॉटर टावर्स का रिनोवेशन किया जाएगा. जमालपुर में भी हजारों घरों तक पहुंचेगा पानी मिली जानकारी के अनुसार, जमालपुर जलापूर्ति परियोजना के लिए लगभग 102.23 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है. इसके तहत 7,205 घरों को नल का कनेक्शन दिया जाएगा. शहर में चार नए वॉटर टावर बनाए जाएंगे. पानी की सप्लाई मजबूत करने के लिए करीब 20.77 किलोमीटर राइजिंग मेन और लगभग 17.49 किलोमीटर वितरण नेटवर्क तैयार किया जाएगा. वॉटर स्टोरेज और पंप हाउस से जुड़े काम भी परियोजना का हिस्सा होंगे. कैसे मिलेगा लोगों को फायदा? दोनों परियोजनाओं पर कुल लगभग 279.95 करोड़ रुपये खर्च होंगे और काम पूरा होने के बाद मुंगेर-जमालपुर के करीब 17,745 घरों को नियमित पेयजल आपूर्ति का लाभ मिलने की उम्मीद है. यानी यह सिर्फ पाइप लाइन बिछाने की योजना नहीं है. इसके जरिए वॉटर प्यूरिफिकेशन से लेकर स्टोरेज और घरों तक पानी पहुंचाने तक पूरी सप्लाई व्यवस्था को मजबूत करने की तैयारी है.

बिहार के 18 शहरों के लिए चलाई जायेंगी बसें, पटना से किशनगंज तक पहुंचना होगा बेहद आसान, जानिए प्लानिंग

पटना (एजेंसी) पर्व-त्योहार के दौरान दिल्ली से बिहार आना पहले के मुकाबले अब और भी आसान होने वाला है. दिल्ली से बिहार के लगभग 18 शहरों के लिए बसें चलाई जायेंगी. इनमें पटना, गयाजी, मजफ्फरपुर, पूर्णिया, किशनगंज समेत कई जिले शामिल हैं. दिल्ली सरकार बिहार के लगभग 18 प्रमुख शहरों तक सीधी बस सेवा शुरू करने की तैयारी में है. अगर दोनों राज्यों के बीच प्रस्तावित समझौते को मंजूरी मिल जाती है, तो दिल्ली से पटना ही नहीं, बल्कि पूर्णिया, अररिया और किशनगंज जैसे शहरों तक भी सीधे बस से पहुंचना संभव होगा. दिल्ली परिवहन विभाग ने बिहार सरकार के सामने इंटर स्टेट रिसिप्रोकल ट्रांसपोर्ट एग्रीमेंट का प्रस्ताव रखा है. इस पहल का मकसद दिल्ली और बिहार के बीच लगातार बढ़ रही यात्रियों की संख्या को देखते हुए सार्वजनिक परिवहन के विकल्प बढ़ाना है. पटना से लेकर किशनगंज तक कनेक्शन

प्रस्तावित योजना में दिल्ली से पटना, गया, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, अररिया, पूर्णिया और किशनगंज समेत कई प्रमुख शहरों को जोड़ा जाएगा. इसके अलावा बिहारशरीफ, बक्सर, पूर्वी चंपारण, मधुबनी और नवादा जैसे शहर भी प्रस्तावित लिस्ट में हैं. सबसे खास बात दिल्ली-पटना कनेक्शन को लेकर है. यहां चार अलग-अलग रूट प्रस्तावित किए गए हैं. जबकि दिल्ली से गया और मुजफ्फरपुर के लिए दो-दो रूट रखे गए हैं. बसें सिर्फ दिल्ली से बिहार ही नहीं जाएंगी, बल्कि बिहार से दिल्ली आने वाले यात्रियों के लिए भी संचालित होंगी. किशनगंज वाला सफर होगा सबसे लंबा प्रस्तावित रूट में दिल्ली-किशनगंज सबसे लंबा रूट होगा. इसकी दूरी करीब 1,416 किलोमीटर होगी. दिल्ली से पूर्णिया करीब 1,390 किलोमीटर और दिल्ली से अररिया लगभग 1,348 किलोमीटर दूर होगा. पटना के लिए अलग-अलग रूट के हिसाब से दूरी करीब 1,045 से 1,182 किलोमीटर के बीच रहेगी. इस तरह से बिहार के अलग-अलग जिलों में रहने वाले लोगों के लिए यह महज बस सेवा नहीं, बल्कि दिल्ली तक पहुंचने का एक नया सीधा सड़क संपर्क बन सकता है. कब तय होगा समय और किराया? इस प्रस्ताव की एक और खासियत है. बिहार पहुंचने से पहले कुछ रूट उत्तर प्रदेश के बड़े शहरों से होकर गुजरेंगे. इनमें नोएडा, आगरा, कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी और गोरखपुर शामिल हैं. साथ ही बिहार में गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, दरभंगा और आरा जैसे शहर भी कुछ प्रस्तावित मार्गों में आएंगे. प्रस्तावित व्यवस्था में दिल्ली और बिहार के लिए चिन्हित रूटों पर 12-12 बसों का परमिट कोटा रखा गया है। बसों का समय, किराया, ठहराव और यात्री कर से जुड़े नियम दोनों राज्यों की आपसी सहमति के बाद तय होंगे.

लालू प्रसाद से मिले शत्रुघ्न सिन्हा, कहा- हमारी दोस्ती पुरानी, कुछ दिन पहले प्रशांत किशोर की जीत पर की थी तारीफ

पटना (एजेंसी) राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद से टीएमसी के सांसद और एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा ने मुलाकात की. इस मुलाकात को लेकर शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि लालू प्रसाद से उनकी दोस्ती पुरानी है. ऐसे में वह सिर्फ हालचाल पूछने के लिए आए थे. अभिनेता से नेता बने और तृणमूल कांग्रेस के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा अचानक राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद के आवास उनसे मिलने पहुंचे. मुलाकात लंबी चली और बाहर निकले तो सिन्हा ने इस मुलाकात को पूरी तरह व्यक्तिगत बताया. इसके बाद से बिहार की सियासत में कयासों का सिलसिला शुरू हो गया है. लालू यादव और शत्रुघ्न सिन्हा के बीच ऐसी क्या बात हुई, इसे लेकर सियासी गलियारों में चर्चा तेज हो गई है. मुलाकात को लेकर शत्रुघ्न सिन्हा ने क्या कहा? मुलाकात के बाद शत्रुघ्न सिन्हा ने साफ कहा कि लालू यादव से उनकी दोस्ती पुरानी है. लालू प्रसाद उनके सिर्फ राजनीतिक परिचित नहीं, बल्कि पारिवारिक दोस्त हैं. शत्रुघ्न सिन्हा ने लालू प्रसाद को देश का बड़ा और कद्दावर नेता बताते हुए कहा कि लोग उन्हें गरीबों का मसीहा मानते हैं. मैं जब भी पटना आता हूं, उनसे मुलाकात करता हूं. शनिवार को भी दोनों के बीच काफी देर बातचीत हुई. प्रशांत किशोर का किया था समर्थन इस दौरान शत्रुघ्न सिन्हा ने लालू प्रसाद और उनकी पत्नी राबड़ी देवी की सेहत और लंबी उम्र की कामना भी की. कहा यह जा रहा है कि मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब बिहार की राजनीति में शत्रुघ्न सिन्हा की भूमिका को लेकर पहले भी चर्चा हो चुकी है. बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के दौरान उन्होंने जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार प्रशांत किशोर को समर्थन दिया था. साथ ही उनकी जीत पर जमकर तारीफ भी की थी. बिहार की अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें एक्स पर प्रशांत किशोर के लिए क्या लिखा? एक्स पर पोस्ट शेयर कर उन्होंने लिखा था, 'एक बिहारी बाबू होने के नाते, मैं यह स्वीकार करता हूं कि आम जनता और बिहार में हमारे लोग पटना के बांकीपुर में आपकी शानदार जीत से बेहद खुश हैं. आपके कारण बांकीपुर आज पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया है. आपकी इस योग्य जीत ने लोगों, विशेषकर युवा पीढ़ी में उत्साह का संचार कर दिया है. अब आप न केवल हीरो हैं, बल्कि बिहार का भविष्य भी हैं. मेरी आशा, कामना और प्रार्थना है कि आप जनता से किए गए अपने वादों और अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे.' तेजस्वी-तेज प्रताप से नहीं हो सकी मुलाकात दूसरी तरफ, शत्रुघ्न सिन्हा ने इस मुलाकात को किसी राजनीतिक समीकरण से जोड़ने से साफ इनकार कर दिया. जानकारी के मुताबिक, मुलाकात के दौरान तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव दोनों मौजूद नहीं थे

कैमूर के प्राचीन मुंडेश्वरी मंदिर का मध्य प्रदेश के बटेश्वर मॉडल से होगा वैज्ञानिक पुनरुद्धार, पद्मश्री केके मोहम्मद ने बताया

पटना (एजेंसी) विश्व प्रसिद्ध पुरातत्वविद केके मोहम्मद ने कैमूर के प्राचीन मुंडेश्वरी मंदिर के संरक्षण पर महत्वपूर्ण पहल की है. बटेश्वर मंदिर समूह की तर्ज पर वैज्ञानिक तरीके से पुनरुद्धार की योजना बनाई गई है, जिससे मंदिर का ऐतिहासिक वैभव और निखरेगा. बिहार के कैमूर जिले में स्थित देश के प्राचीन जीवंत मंदिरों में शामिल मुंडेश्वरी मंदिर को उसके मूल स्वरूप में संरक्षित और विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू हो गयी है. मंदिर परिसर का निरीक्षण करने पहुंचे विश्व प्रसिद्ध पुरातत्वविद एवं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक पद्मश्री केके मोहम्मद

ने प्रभात खबर से विशेष बातचीत में इसके संरक्षण को लेकर अपनी बात रखी. उन्होंने कहा कि मुंडेश्वरी मंदिर का पुनरुद्धार मध्य प्रदेश के बटेश्वर मंदिर समूह की तर्ज पर किया जा सकता है. वैज्ञानिक पद्धति और धैर्य के साथ काम किया जाये तो मुंडेश्वरी मंदिर का ऐतिहासिक वैभव और अधिक निखरकर सामने आ सकता है. बटेश्वर मंदिर समूह की तर्ज पर संरक्षण की बात केके मोहम्मद ने बताया कि बटेश्वर मंदिर समूह कभी पत्थरों के बिखरे ढेर में तब्दील हो चुका था. वर्षों की उपेक्षा, प्राकृतिक क्षरण और अन्य कारणों से वहां के अधिकांश मंदिर ध्वस्त हो गये थे. एएसआइ ने वहां प्रत्येक पत्थर का सर्वेक्षण किया और उन्हें क्रमांकित किया. इसके बाद वैज्ञानिक तकनीक एनास्टाइलोसिस के माध्यम से उन्हीं मूल पत्थरों को उनकी वास्तविक स्थिति में दोबारा स्थापित किया गया. इसी वजह से आज बटेश्वर मंदिर समूह फिर से अपनी भव्यता के साथ खड़ा है और देश-विदेश के पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन चुका है. मूल पत्थरों को वास्तविक स्थिति में स्थापित करने पर जोर पद्मश्री केके मोहम्मद के अनुसार, मुंडेश्वरी मंदिर के संरक्षण में भी वैज्ञानिक तरीके को अपनाना जरूरी है. मंदिर से जुड़े मूल पत्थरों और स्थापत्य अवशेषों का अध्ययन कर उन्हें उनकी वास्तविक स्थिति में दोबारा स्थापित करने की दिशा में काम किया जा सकता है. उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक पद्धति के साथ धैर्यपूर्वक कार्य किया जाये तो मंदिर की ऐतिहासिक संरचना और वैभव को बेहतर तरीके से सामने लाया जा सकता है. सफल होगी परियोजना, केके मोहम्मद ने जताया भरोसा केके मोहम्मद ने कहा कि मुंडेश्वरी मंदिर केवल बिहार ही नहीं, बल्कि पूरे देश की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर है. इसका संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी जिम्मेदारी है. उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य सरकार, पुरातत्व विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों के सहयोग से यह परियोजना सफल होगी. उनका मानना है कि बटेश्वर मॉडल की तरह यदि मुंडेश्वरी मंदिर का वैज्ञानिक पुनरुद्धार किया गया तो यह न केवल अपनी ऐतिहासिक गरिमा को और मजबूती से स्थापित करेगा, बल्कि धार्मिक और विरासत पर्यटन को भी नयी ऊंचाई देगा. 1637 वर्षों से आस्था और इतिहास का अद्भुत संगम कैमूर जिले के भगवानपुर प्रखंड की लगभग 600 फुट ऊंची पंवरा पहाड़ी पर स्थित मां मुंडेश्वरी देवी का मंदिर भारत के सबसे प्राचीन एवं निरंतर पूजा-अर्चना वाले जीवंत मंदिरों में गिना जाता है. पुरातत्वविदों के अनुसार, यहां मिले शिलालेख 389 ईस्वी के हैं. उत्तर गुप्तकालीन शैली में बना यह दुर्लभ अष्टकोणीय मंदिर अपनी उत्कृष्ट नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है. मंदिर के गर्भगृह में पंचमुखी शिवलिंग और पूर्वी कोने में मां मुंडेश्वरी यानी महिषासुरमर्दिनी की प्रतिमा स्थापित है. श्रद्धालुओं के बीच शिवलिंग का सूर्य की स्थिति के अनुसार रंग बदलता प्रतीत होना भी विशेष आकर्षण का विषय है. मुंडेश्वरी मंदिर करीब 1637 वर्षों से आस्था और इतिहास के अद्भुत संगम के रूप में श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है.

महामृत्युंजय मंत्र की रचना कैसे हुई

महामृत्युंजय मंत्र को लंबी उम्र और अच्छी सेहत का मंत्र कहते हैं। शास्त्रों में इसे महामंत्र कहा गया है। इस मंत्र के जप से व्यक्ति निरोगी रहता है। आइए जानें इस महामंत्र की उत्पत्ति कैसे हुई?

महामृत्युंजय मंत्र की उत्पत्ति के बारे में पौराणिक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार, शिव भक्त ऋषि मृकण्डु ने संतान प्राप्ति के लिए भगवान शिव की कठोर तपस्या की। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने ऋषि मृकण्डु को इच्छानुसार संतान प्राप्त होने का वर तो दिया परन्तु शिव जी ने ऋषि मृकण्डु को बताया कि यह पुत्र अल्पायु होगा। यह सुनते ही ऋषि मृकण्डु विषाद से घिर गए। कुछ समय बाद ऋषि मृकण्डु को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ऋषियों ने बताया कि इस संतान की उम्र केवल 16 साल ही होगी। ऋषि मृकण्डु दुखी हो गए.यह देख जब उनकी पत्नी ने दु:ख का कारण पूछा तो उन्होंने सारी बात बताई। तब उनकी पत्नी ने कहा कि यदि शिव जी की कृपा होगी, तो यह विधान भी वे टाल देंगे। ऋषि ने अपने पुत्र का नाम मार्कण्डेय रखा और उन्हें शिव मंत्र भी दिया। मार्कण्डेय शिव भक्ति में लीन रहते। जब समय निकट आया तो ऋषि मृकण्डु ने पुत्र की अल्पायु की बात पुत्र मार्कण्डेय को बताई। साथ ही उन्होंने यह दिलासा भी दी कि यदि शिवजी चाहेंगें तो इसे टाल देंगें। माता-पिता के दु:ख को दूर करने के लिए मार्कण्डेय ने शिव जी से दीर्घायु का वरदान पाने के लिए शिव जी आराधना शुरू कर दी। मार्कण्डेय जी ने दीर्घायु का वरदान की प्राप्ति हेतु शिवजी की आराधना के लिए महामृत्युंजय मंत्र की रचना की और शिव मंदिर में बैठ कर इसका अखंड जाप करने लगे।

महामृत्युंजय मंत्र : ऊँ त्र्यम्बकं स्यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।
उर्वारुकमिव बन्धनान मृत्योर्मुक्षीय मामृतात

समय पूरा होने पर मार्कण्डेय के प्राण लेने के लिए यमदूत आए परंतु उन्हें शिव की तपस्या में लीन देखकर वे यमराज के पास वापस लौट आए.पूरी बात बताई। तब मार्कण्डेयके प्राण लेने के लिए स्वयं साक्षात यमराज आए। यमराज ने जब अपना पाश जब मार्कण्डेय पर डाला, तो बालक मार्कण्डेय शिवलिंग से लिपट गए। ऐसे में पाश गलती से शिवलिंग पर जा गिरा। यमराज की आक्रमकता पर शिव जी बहुत क्रोधित हुए और यमराज से रक्षा के लिए भगवान शिव प्रकट हुए। इस पर यमराज ने विधि के नियम की याद दिलाई। तब शिवजी ने मार्कण्डेय को दीर्घायु का वरदान देकर विधान ही बदल दिया। सा थ ही यह आशीर्वाद भी दिया कि जो कोई भी इस मंत्र का नियमित जाप करेगा वह कभी अकाल मृत्यु को प्राप्त नहीं होगा।

10 मनोकामना, 10 द्रव्य 10 सरल अभिषेक

शिवजी का अत्यंत प्रिय मास चल रहा है, इस माह में पूरे मन से शिव जी का पूजन करने से हर मनोकामना पूर्ण होती है। आइए जानते हैं किस प्रकार की मनोकामना के लिए शिव शंकर का किस द्रव्य से पूजन करना चाहिए। सभी अभिषेक द्रव्य का फल अलग-अलग है। यहां जानिए.

- गंगाजल या शुद्ध जल- सौभाग्य वृद्धि।
- दुग्ध गाय का- गृह शांति तथा लक्ष्मी प्राप्ति।
- सुगंधित तेल- भोग प्राप्ति।
- सरसों का तेल- शत्रु नाश।
- मीठा जल या दुग्ध- बुद्धि प्राप्ति।
- घी- वंश वृद्धि।
- पंचामृत- मनोवांछित प्राप्ति के लिए।
- गन्ने का रस या फलों का रस- लक्ष्मी तथा ऐश्वर्य प्राप्ति।
- छाछ- ज्वर से छुटकारा।
- शहद- ऐश्वर्य प्राप्ति।

भगवान शिवशंकर करोड़ों सूर्य के समान दीप्तिमान हैं। जिनके ललाट पर चन्द्रमा शोभायमान है। नीले कण्ठ वाले, अभिष्ट वस्तुओं को देने वाले हैं। तीन नेत्रों वाले यह शिव, काल के भी काल महाकाल हैं। कमल के समान सुन्दर नयनों वाले अक्षमाला और त्रिशूल धारण करने वाले अक्षर- पुरुष हैं। यदि क्रोधित हो जाएं तो त्रिलोक को भस्म करने के शक्ति रखते हैं और यदि किसी पर दया कर दें तो त्रिलोक का स्वामी भी बना सकते हैं। यह भयावह भव सागर पार कराने वाले समर्थ प्रभु हैं। भोले नाथ बहुत ही सरल स्वभाव, सर्वव्यापी और भक्तों से शीध्र ही प्रसन्न होने वाले देव हैं। उनके सामने मानव क्या दानव भी वरदान मागने आये जो उसे भी मुंह मांगा वरदान देने में पीछे नही हटते हैं।

विवेक है शिव का तीसरा नेत्र

शव का अर्थ है कल्याण करने वाला पर उनका दूसरा प्रसिद्ध नाम रुद्र भी है क्योंकि वह दुष्टों को रुलाने वाले हैं। करोड़ों देवी-देवताओं में शिव ही हैं जिन्होंने 3 नेत्र धारण किए हैं। सृष्टि के सृजन, पालन और संहार का दायित्व शिव के पास है। इस प्रकार शिव का एक नेत्र ब्रह्मा अर्थात सृजनकर्ता, दूसरा विष्णु अर्थात पालनकर्ता तीसरा स्वयं रुद्र रूप अर्थात संहारकर्ता। अन्य प्रकार से देखें तो पहला नेत्र धरती, दूसरा आकाश और तीसरा नेत्र बुद्धि के देव सूर्य की ज्योति से प्राप्त ज्ञान-अग्नि का प्रतीक है। ज्ञान जब खुला तो कामदेव भस्म हुआ। अर्थात जब आप अपने ज्ञान और विवेक की आंख खोलते हैं तो कामदेव जैसी बुराई लालच, भ्रम, अंधकार आदि से स्वयं को दूर कर सकते हैं। इसके पीछे कथा भी है। एक बार पार्वती जी ने भगवान शिव के पीछे जाकर उनकी दोनों आंखें हथेलियों से बंद कर दीं। इससे समस्त संसार में अंधकार छा गया क्योंकि भगवान शिव की एक आंख सूर्य है, दूसरी चंद्रमा। अंधकार से संसार में हाहाकार मच गया तब भोले भंडारी ने तुरन्त अपने माथे से अग्नि निकाल कर पूरी दुनिया में रोशनी फैला दी। रोशनी इतनी तेज थी कि इससे हिमालय जलने लगा। इस दृश्य को देखकर पार्वती घबरा गईं तथा तुरन्त अपनी हथेलियां शिव की आंखों से हटा दीं। तब शिव जी ने मुस्कुरा कर अपनी तीसरी आंख बंद की। शिव पुराण के अनुसार पार्वती जी को इससे पूर्व ज्ञान नहीं था कि शिव त्रिनेत्रधारी हैं। इनका दायां नेत्र सूर्य के समान तेजस्वी है। जिस प्रकार सूर्य में उत्पन्न करने की विशेष ऊर्जा है और वह पृथ्वी ही नहीं, अनेक ग्रहों को भी प्रकाशमय करता है। उसी प्रकार शिव का दायां नेत्र भी सृष्टि को जीवन दायक शक्ति प्रदान करता है। स्वयं सूर्य को भी शिव के इसी नेत्र से तेज मिलता है। वैदिक ग्रंथों में शिव एवं चंद्रमा का विशेष संबंध बताया गया है। जलतत्व सोम को अमृततुल्य माना जाता है। जीवन का पोषण जल ही करता है और यही जल तत्व शिव का बायां नेत्र है। शिव का तीसरा नेत्र जो बंद ही रहता है, अग्नि रूप है। यह वही अग्नि है जो सकारात्मक रूप में तो कल्याणकारी है परन्तु यदि इस पर अंकुश न लगाया जाए तो यही विनाश का कारण भी बनती है। शिव अपनी इस शक्ति पर नियंत्रण रखते हैं और इसका इस्तेमाल केवल बुराई के नाश के लिए ही करते हैं। इस संबंध में एक कथा भी है। सृष्टि के समय जीव में रस की प्राप्ति के लिए कामदेव को जिम्मेदारी दी गई परन्तु जब कामदेव ने शिव पर ही अपनी शक्ति का परीक्षण करना चाहा तो शिव ने अपने तीसरे नेत्र की संहारक शक्ति का प्रयोग कर उसे तत्काल भस्म कर दिया। इसी प्रकार जीव को कर्म करने की स्वतंत्रता है और यदि वह अपने अंदर की बुराइयों (काम, क्रोध, लोभ, मोह व अहंकार) पर अपने तीसरे नेत्र का अंकुश रखे, तो वह सदैव सुखी रहेगा परन्तु यदि वह इन पर अंकुश नहीं रख पाता तो यही उसका विनाश कर देती है। शिव और शक्ति एक-दूसरे के पर्याय हैं। इसलिए शिव के तीनों नेत्र शिव का ही प्रतीक हैं, जो क्रमश- गौरी के रूप में जीव को मातृत्व का स्नेह देते हैं, लक्ष्मी के रूप में उसका पोषण करते हैं तथा काली के रूप में उसकी आंतरिक तथा बाहरी बुराइयों का नाश करते हैं। भगवान भोले भंडारी के ललाट पर सुशोभित तीसरा नेत्र असल में मुक्ति का द्वार है जो शिव को तो स्वत- प्राप्त है लेकिन मनुष्य अज्ञान के चलते इसे अपने मस्तक पर देख नहीं पाता। यह दोनों नेत्रों के मध्य इसलिए है क्योंकि यह स्थान पवित्र माना गया है। त्राटक के मध्य कुंडलिनी जागरण का भी विशेष महत्व है। यही स्थान सर्वाधिक ऊर्जावान है। इसी स्थान पर विशेष दबाव अपना प्रभाव दिखाता है। दूसरी ओर शिव के अधखुले नेत्र व्यक्ति के कर्म के साक्षी हैं। इसी कारण शिव को परमयोगी कहा जाता है। गृहस्थ में रह कर भी शिव सृष्टि का नियंत्रण, (सृजन, पालन तथा संहार) स्वतंत्र रूप में करते हैं। स्वयं पर नियंत्रण, अपने कर्मों का सही आकलन ही शिव के तीनों नेत्रों का रहस्य है। शिव का तीसरा नेत्र ही मुक्ति का द्वार है.,

शिवजी योगी से क्यों बने गृहस्थ

भगवान शिव एक योगी हैं, बैरागी है और संन्यासियों को गुरु हैं। वे परिव्राजक है अर्थात जगह जगह घूमते रहते हैं और जब घूमना बंद होता है तो बस समाधी में लीन रहते हैं।

- भगवान शिव महान योगी थे और वे हमेशा ही समाधी और ध्यान में ही लीन रहते थे लेकिन माता पार्वती का ये प्रेम ही था कि योगी बना एक गृहस्थ।
- गृहस्थ का योगी होना जरूरी है तभी वह एक सफल दाम्पत्य जीवन का निर्वाह कर सकता है।
- भगवान शिव के साथ उल्टी गंगा बही। कई लोग ऐसे हैं जो विवाह के बाद उम्र के एक पड़ाव पर जाकर बैरागी बनकर संन्यस्त होकर अपनी पत्नी को छोड़ चले। जैसे गौतम बुद्ध या अन्य कई ऋषि मुनि, परंतु भगवान शिव तो पहले से ही योगी, संन्यासी या कहें कि बैरागी थे।
- यह तो माता पार्वती का तप ही था जो योगी गृहस्थ बन गए। कहना तो यह चाहिए कि माता पार्वती भी तो जोगन थीं। पत्नी के साथ यदि सात जन्म के फेरे लिए हैं तो फिर कैसे इसी जन्म में संन्यास के लिए छोड़कर चले जाएं? भगवान शंकर ने यह सबसे बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया था।
- माता सती ने जब दूसरा जन्म हिमवान के यहां पार्वती के रूप में लिया तब उन्होंने पुन: शिव को पाने के लिए घोर तप और व्रत किया। उस दौरान तारकासुर का आतंक था। उसका वध शिवजी का पुत्र ही कर सकता था ऐसा उसे वरदान था। लेकिन शिवजी तो तपस्या में लीन थे। ऐसे में देवताओं ने शिवजी का विवाह पार्वतीजी से करने के लिए एक योजना बनाई। उसके तहत कामदेव को तपस्या भंग करने के लिए भेजा गया। कामदेव ने तपस्या तो भंग कर दी लेकिन वे खुद भस्म हो गए। बाद में शिवजी ने पार्वतीजी से विवाह किया। इस विवाह में शिवजी बरात लेकर पार्वतीजी के यहां पहुंचे। इस कथा का रोचक वर्णन पुराणों में मिलेगा। शिव को विश्वास था कि पार्वती के रूप में सती लौटेंगी तो पार्वती ने भी शिव को पाने के लिए तपस्या के रूप में समर्पण का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया।

श्रावण में शिवजी होते हैं शीघ्र प्रसन्न

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार चैत्र मास के शुरू होने के बाद पांचवां मास श्रावण मास का है। देवषयन का यह प्रथम चातुर्मास है। इस मास मे कथा भागवत और अनगिनत उत्सव मनाये जाते है। श्रावन मास के प्रत्येक सोमवार को श्रावन सोमवार कहा जाता है। श्रद्धालु पवित्र जल से शिवलिंग को स्नान कराते हैं। फूल, मालाओं से मूर्ति या शिवलिंग को पूजते हैं। मंदिर में 24 घंटे दीप जलते रहते हैं। उत्तर भारत के विभिन्न प्रान्तों से इस महीने शिवभक्त गंगाजल लेने.. यानी कांवड का पवित्र जल लेने हरिद्वार, ऋषिकेश, काशी और गंगासागर की यात्रा पैदल करके श्रावण कृष्ण चतुर्दशी को अपने क्षेत्र के शिवमन्दिर में शिवलिंग का अभिषेक करके पुण्य अर्जित करते हैं। कांवड लाकर रुद्राभिषेक करना बहुत ही कष्टसाध्य तप है जिसे देवगण, मानव, दानव सहित यक्ष किन्नर और साधुगण आदि काल से करते आ रहे हैं। शिव सभी के लिए वरदाता है जो जैसा मांगें उसे वैसी ही सम्पदा दे देते हैं। श्रावण मास में आशुतोष भगवान शंकर की पूजा का विशेष महत्व है। जो प्रतिदिन पूजन न कर सकें उन्हें सोमवार को शिव पूजा अवश्य करनी चाहिए और व्रत रखना चाहिए। सोमवार भगवान शंकर का प्रिय दिन है, अत: सोमवार को शिवाराधना करनी चाहिए। इसी प्रकार मासों में श्रावण मास भगवान शंकर को विशेष प्रिय है। श्रावण में पार्थिव शिवपूजा का विशेष महत्व है। अत: इस महीने शिव पूजा या पार्थिव शिवपूजा अवश्य करना चाहिए। इस मास में लघुरुद्र, महारुद्र अथवा अतिरुद्र पाठ कराने का भी विधान है। श्रावणमास में जितने भी सोमवार पड़ते हैं, उन सब में शिवजी का व्रत किया जाता है। इस व्रत में प्रात: गंगा स्नान अथवा किसी पवित्र नदी या सरोवर में अथवा विधिपूर्वक घर पर ही स्नान करके शिवमन्दिर में जाकर स्थापित शिवलिंग या अपने घर में पार्थिव मूर्ति बनाकर यथाविधि षोडशोपचार-पूजन किया जाता है। यथासम्भव विद्वान ब्राह्मण से रुद्राभिषेक भी कराना चाहिए। इस व्रत में श्रावणमाहात्म्य और श्रीशिवमहापुराण की कथा सुनने का विशेष महत्त्व है। पूजन के पश्चात् ब्राह्मण-भोजन कराकर एक बार ही भोजन करने का विधान है। भगवान शिव का यह व्रत सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला है। मनीषियों का कहना है कि समुद्र मंथन भी श्रावन मास में ही हुआ। इस मंथन मंज 14 प्रकार के तत्व निकले। इसमें जहर को छोड़ कर सभी 13 तत्वों को देवताओं और राक्षसों में वितरित किया गया। इन सभी तत्वों में से निकले जहर को भगवान् शिव पी गये और इसे अपने कंठ में संग्रह कर लिया। इस प्रकार इनका नाम नील कंठ पड़ा। इसके बाद देवताओं ने भगवान शिव को जहर के संताप से बचाने के लिए उन्हें गंगा जल अर्पित किया। इसके बाद से ही शिव भक्त श्रावण मास में भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। श्रावण मास भगवान शिव का प्रिय मास है। इसलिए भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए अपनाएं जरुरी बातें -

- श्रावन मास में रुद्राक्ष पहनना बहुत ही शुभ माना गया है। इसलिए पूरे मास रुद्राक्ष की माला धारण करें व रुद्राक्ष माला का जाप करें।
- शिव को भभूती लगावें। अपने मस्तक पर भी लगावें।
- शिव चालीसा और आरती का गायन करें।
- महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें।
- सोमवार को श्रद्धापूर्वक व्रत धारण करें. (यदि पूरे दिन का व्रत सम्भव न हो तो सूर्यास्त तक भी व्रत धारण किया जा सकता है)
- बेलपत्र, दूध, शहद और पानी से शिवलिंग का अभिषेक करें।

श्रावण मास के अन्य व्रत

अपशकुनों से बचनें के लिए नवविवाहित जोड़ों को मंगलागौरी व्रत धारण करना चाहिए। शुक्रवार को सुहागिन स्त्रियों को वरदलक्ष्मी व्रत (श्रावण शुक्रवार व्रत) धारण करना चाहिए। ओम नम: शिवाय. का जप चलते, फिरते, उठते-बैठते करते रहना चाहिए।

मनचाही उन्नति के लिए श्रावण में शिव को चढ़ाएं ये शुभ प्रसाद

हम सभी जानते हैं कि शिव को भोलेभंडारी और आशुतोष कहा जाता है। भोले यानी मासूम और आशुतोष यानी तुरंत तुष्ट या प्रसन्न होने वाले। शिव को पवित्र और सच्चे भाव से जो अर्पित किया जाता है वह ग्रहण करते हैं।शिव को सामान्यत: गेंहू से बनी चीजें अर्पित की जाती हैं। ऐश्वर्य पाने के लिए शिव को मूंग का भोग लगाया जाना चाहिए। मनचाहा जीवनसाथी पाने के लिए शिव को चने की दाल का भोग लगाया जाना चाहिए। शिव को तिल चढ़ाने की भी मान्यता है। शिव को तिल चढ़ाने से पापों का नाश होता है। श्रावण में चढ़ाएं शिव जी को यह प्रसाद

•इमरती •खीर •मावा लड्डू •ड्रायफ्रूट्स •रबड़ी •मालपुए •खोपरापाक •बूंदी के लड्डू •बर्फी •बेसन के व्यंजन •कलाकंद •मैसूर पाक •रसमलाई •पेड़ा •घेवर •सत्तू की मिठाई •हलवा •पेठा •गुलाब जामुन •जलेबी •रसगुल्ला। इसके अलावा नारियल बर्फी, मक्खन बड़ा, मोदक, चमचम, मिल्क केक, पुए, बूंदी आदि।

बिल्वपत्र की जड़ में होता है साक्षात लक्ष्मीजी का वास

शिवजी को बिल्वपत्र, धतूरा और आंकड़ा अर्पित करना बहुत ही शुभ माना जाता है। हिन्दू धर्म में बिल्व अथवा बेल (बिल्ला) पत्र भगवान शिव की आराधना का मुख्य अंग है। शिवजी को अर्पित करने के 12 फायदे।

- कहते हैं शिव को बिल्वपत्र चढ़ाने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है क्योंकि बिल्वपत्र की जड़ में साक्षात लक्ष्मीजी का वास होता है। इसीलिए इसके वृक्ष को श्रीवृक्ष भी कहते हैं। इसकी पूजा करने से धन की प्राप्ति होती है।
- इस वृक्ष की जड़ में घी, अन्न, खीर या मिष्ठान्न दान अर्पित करने से दरिद्रता का नाश होता है और कभी भी धनाभाव नहीं रहता है।
- इस वृक्ष की जड़ का विधिवत पूजन करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिल जाती है।
- यदि संतान सुख पाना चाहते हैं तो शिवलिंग पर इसका फूल, धतूरा, गंध और स्वयं बिल्वपत्र चढ़ाने के बाद इस वृक्ष के जड़ का पूजन करना चाहिए।
- बिल्वपत्र के वृक्ष की जड़ का जल अपने माथे पर लगाने से समस्त तीर्थ यात्राओं का पुण्य प्राप्त होता है।
- बिल्वपत्र की जड़ को पानी में घिसकर फिर उबालकर औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है। कष्टकारी रोगों में भी यह अमृत के समान लाभकारी होती है।
- बिल्वपत्र का सेवन, त्रिदोष यानी वात (वायु), पित्त (ताप), कफ (शीत) व पाचन क्रिया के दोषों से पैदा बीमारियों से रक्षा करता है।
- बिल्वपत्र का सेवन त्वचा रोग और डायबिटीज के बुरे प्रभाव बढ़ने से भी रोकता है व तन के साथ मन को भी चुस्त-दुरुस्त रखता है।
- हिन्दू धर्म में बिल्व वृक्ष के पत्र (पत्ते) शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं। भगवान शिव इसे चढ़ाने से प्रसन्न होते हैं।
- जो व्यक्ति शिव-पार्वती की पूजा बेलपत्र अर्पित कर करते हैं, उन्हें महादेव और देवी पार्वती दोनों का आशीर्वाद मिलता है।
- यह माना जाता है कि देवी महालक्ष्मी का भी बेल वृक्ष में वास है। जिस घर में एक बिल्व का वृक्ष लगा होता है उस घर में लक्ष्मी का वास बतलाया गया है।
- बिल्व पत्र को शिवजी के तीनों नेत्रों का प्रतीक भी माना जाता है। यह तीन नेत्र भूत, भविष्य और वर्तमान देखते हैं। उसी तरह महाशिवरात्रि के दिन शिवजी को बिल्व पत्र चढ़ाने से समृद्धि, शांति और शीतलता आती है।

चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी, अमावस्या और किसी माह की संक्राति को बिल्वपत्र नहीं तोडना चाहिए।

बिल्वपत्र चढ़ाने का मंत्र

नमो बिल्ल्मिने च कवचिने च नमो वर्म्मिणे च वरूथिने च।
नम: श्रुताय च श्रुतसेनाय च नमो दुन्दुब्भ्याय चा हनन्न्याय च नमो घृश्णवे।
दर्शनं बिल्वपत्रस्य स्पर्शनम पापनाशनम। अघोर पाप संहारं बिल्व पत्रं शिवार्पणम।
त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रिधायुधम। त्रिजन्मपापसंहारं बिल्वपत्रं शिवार्पणम।
अखण्डै बिल्वपत्रैश्च पूजये शिव शंकरम। कोटिकन्या महादानं बिल्व पत्रं शिवार्पणम।
गृहाण बिल्व पत्राणि सपुश्पाणि महेश्वर। सुगन्धीनि भवानीश शिवत्वंकुसुम प्रिय।

अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिपः बसंत कुमार ने हाई जंप में सिल्वर मेडल जीतकर रचा इतिहास

यूजीन। बसंत कुमार मेघवाल ने ओरेगन के यूजीन में हो रही अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की हाई जंप में सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 2.21 मीटर की अपनी पर्सनल बेस्ट जंप की बराबरी की। राजस्थान के गंगानगर के रहने वाले 19 साल के बसंत, किसी भी विश्व स्तर इवेंट में हाई जंप में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। बसंत ने पहले 2.06 मीटर, फिर 2.12 मीटर और 2.17 मीटर की ऊंचाई पार की। इसके बाद 2.21 मीटर की शानदार जंप ने पोडियम पर उनकी जगह पक्की कर दी। टॉप तीन एथलीटों ने 2.21 मीटर की ऊंचाई पार की, लेकिन 'काउंटबैक' नियम के आधार पर बसंत ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। अल्जीरिया के यूनिस अयाची ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि ब्रिटेन के ओटिस पूल ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

वहीं, शाहनवाज खान ने पुरुषों की लॉन्ग जंप में 7.84 मीटर की बेस्ट जंप के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। यह किसी भारतीय पुरुष लॉन्ग जंपर द्वारा जीता गया पहला विश्व स्तरीय मेडल भी है। शुरुआत में पीछे रहने के बाद, शाहनवाज ने तीसरे राउंड में 7.84 मीटर की जबरदस्त जंप लगाई और फिर पांचवें राउंड में 7.83 मीटर की जंप के साथ दुनिया के बेहतरीन एथलीटों के बीच अपनी जगह और पोडियम पर अपना स्थान बनाया। इटली के इनजोली ने 7.97 मीटर की बेस्ट जंप के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया के मैकग्रोडर (7.96 मीटर) ने सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया।

शुक्रवार को जैवलिन थ्रो में आशीष यादव के सिल्वर मेडल के बाद, यह इस चैंपियनशिप में भारत का तीसरा मेडल है। इसके साथ ही, भारतीयों ने 2021 की अंडर 20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपने अब तक के सबसे अच्छे प्रदर्शन (कुल तीन मेडल) की बराबरी कर ली है। इवेंट खत्म होने में अभी एक दिन बाकी है और भारत के पास टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा मेडल जीतने का रिकॉर्ड कायम करने का सुनहरा मौका है।इससे पहले, भारत की महिलाओं की 4म400 मीटर रिले टीम - जिसमें भूमिका नेहते, तहुरा खातून, तनु चौधरी और थिया अरुमुगम शामिल थीं ने अपनी हीट में टॉप तीन में जगह बनाकर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया।

संक्षिप्त समाचार

कोरिया फुटबॉल संघः विदेशी मैच अधिकारियों को अनुचित फेवर के देने के लगे आरोप

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया फुटबॉल संघ (केएफए) ने 2011 और 2012 में देश में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मुकाबलों के दौरान विदेशी रेफरी और मैच अधिकारियों को कथित तौर पर अनुचित तरह का मनोरंजन उपलब्ध कराने के आरोपों को लेकर माफी मांगी है। संघ ने कहा कि वह एक दशक से भी पहले की कथित अनियमितताओं को लेकर बेहद शर्मिंदा है और इस मामले से लोगों में पैदा हुई निराशा और चिंता के लिए खेद व्यक्त करता है। 'सिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय मीडिया ने हाल ही में आरोप लगाया कि केएफए ने 2011 और 2012 में विश्व कप और ओलंपिक क्वालिफायर के अलावा कुछ दोस्ताना मुकाबलों से पहले और बाद में विदेशी रेफरी तथा अन्य मैच अधिकारियों के लिए अनुचित मनोरंजन की व्यवस्था की थी। इन आरोपों के सामने आने के बाद केएफए को संसदीय सुनवाई, अपने मुख्यालय पर पुलिस की छापेमारी और मीडिया रिपोर्ट्स का सामना करना पड़ा है। संघ ने कहा कि इन घटनाओं से पैदा हुई निराशा और चिंता के लिए वह 'बेहद शर्मिंदा' है। केएफए ने हालांकि स्पष्ट किया कि मौजूदा समय में ऐसी कोई गलत प्रथा नहीं चल रही है और न ही कॉर्पोरेट कार्ड का दुरुपयोग किया जा रहा है। संघ ने पारदर्शिता और नैतिक मानकों को मजबूत करने तथा जनता का भरोसा दोबारा हासिल करने के लिए व्यापक सुधार करने का वादा किया है। केएफए पहले से ही राष्ट्रीय टीम के पूर्व मुख्य कोच होंग म्युंग-बो की नियुक्ति को लेकर विवादों में है। साल 2024 में हुई उनकी नियुक्ति प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जांच के तहत पुलिस ने इस सप्ताह की शुरुआत में केएफए के मुख्यालय पर छापा मारा था। पिछले महीने केएफए के पूर्व अध्यक्ष चुंग मोंग-ग्यू और होंग म्युंग-बो से राष्ट्रीय टीम के प्रबंधन और संघ के कामकाज को लेकर संसदीय सुनवाई में सवाल भी पूछे गए थे। दक्षिण कोरिया के 2026 फीफा विश्व कप अभियान के निराशाजनक प्रदर्शन के बीच चुंग मोंग-ग्यू ने कुछ सप्ताह पहले केएफए अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। टीम के नॉकआउट चरण में पहुंचने में नाकाम रहने के बाद कोच होंग म्युंग-बो को भी पद छोड़ना पड़ा। दक्षिण कोरिया ग्रुप-ए में तीन अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। टीम ने चेक गणराज्य को हराया, लेकिन मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसे हार का सामना करना पड़ा। इस्तीफे की घोषणा करते हुए चुंग ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों और असफलताओं, दोनों को स्वीकार किया। दक्षिण कोरिया एशिया की शीर्ष फुटबॉल टीमों में से एक है। टीम का सबसे यादगार विश्व कप प्रदर्शन 2002 में आया था, जब दक्षिण कोरिया ने जापान के साथ मिलकर टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। अपने घरेलू विश्व कप में दक्षिण कोरिया सेमीफाइनल तक पहुंचा था और चौथे स्थान पर रहा था। सेमीफाइनल में उसे जर्मनी के हाथों हार मिली थी। जर्मनी बाद में फाइनल में ब्राजील से हार गया था।

जूनियर एशिया कप के लिए भारत की 18 सदस्यीय हॉकी टीम घोषित, अनमोल एक्का कप्तान

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने चीन के मोकी में 30 अगस्त से 13 सितंबर तक होने वाले एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। टूर्नामेंट के लिए 18 सदस्यीय मुख्य टीम चुनी गई है, जबकि दो खिलाड़ियों को वैकल्पिक खिलाड़ी के तौर पर रखा गया है। डिफेंडर अनमोल एक्का टीम की कप्तानी करेंगे। भारतीय टीम फिलहाल बंगलूरू स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में नए मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज की निगरानी में प्रशिक्षण कर रही है। टीम ने टूर्नामेंट की तैयारियों के तहत हाल ही में बेल्जियम का एक्सपोजर दौरा भी किया था, जहां खिलाड़ियों ने मजबूत अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ मुकाबले खेले। इस दौरे से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मैच खेलने का अनुभव मिला। साथ ही टीम को अपनी प्रगति का आकलन करने, संयोजन बेहतर करने और टूर्नामेंट से पहले तैयारियों को मजबूत करने का मौका मिला। भारतीय टीम फिलहाल साइ केंद्र में मलेशिया की अंडर-21 टीम के खिलाफ अभ्यास मैचों के जरिए भी अपनी तैयारियों को धार दे रही है।

अस्मिता चलिहा बनीं कोरिया मास्टर्स चैंपियन

पहला गेम हारने के बाद किया कमाल का कमबैक

असान, एजेंसी। भारत की बैडमिंटन खिलाड़ी अस्मिता चलिहा ने शानदार वापसी करते हुए विक्टर कोरिया मास्टर्स 2026 का महिला एकल खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल में अस्मिता ने चीन की हान कियान शी को 14-21, 21-14, 21-14 से हराया। 53 मिनट तक चले मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी की और लगातार दो गेम जीतकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब हासिल किया।

फाइनल की शुरुआत अस्मिता के लिए अच्छी नहीं रही। वह पहले गेम में अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करती नजर आईं। हान कियान शी ने इसका फायदा उठाते हुए शुरुआत से ही मुकाबले पर पकड़ बनाई और पहला गेम 21-14 से अपने नाम कर लिया।

एक गेम से पिछड़ने के बाद अस्मिता ने अपने खेल की गति और आक्रामकता बढ़ाई। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम में लगातार आक्रामक शॉट लगाए और चीनी खिलाड़ी को दबाव में रखा। अस्मिता ने दूसरा गेम भी 21-14 से जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया।

तीसरे गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। दोनों लगातार अंक हासिल करती रहीं और मुकाबला बेहद करीबी रहा। हालांकि, मध्यांतर के बाद अस्मिता ने धीरे-धीरे मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। उन्होंने 12-11 की बढ़त बनाने के बाद एक सटीक विनर लगाया। इसके बाद कोर्ट के बाहर जाते हुए बेहद मुश्किल शॉट को भी अस्मिता ने अंदर रखने में सफलता हासिल की और अपनी बढ़त 15-11 कर ली। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। अस्मिता ने शानदार क्रॉस-कोर्ट विनर के जरिए स्कोर 19-14 किया। अगले रिटर्न पर हान की शटल बाहर चली गई और भारतीय खिलाड़ी जीत के बेहद करीब पहुंच गई। आखिरकार अस्मिता ने 21-14 से तीसरा गेम जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया।

कोरिया मास्टर्स की यह जीत अस्मिता चलिहा के करियर की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है। यह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के सुपर 300 स्तर पर उनका पहला खिताब भी है। पहला गेम हारने के बाद जिस तरह अस्मिता ने मुकाबले में वापसी की, वह उनकी मानसिक मजबूती और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता को दिखाता है। निर्णायक गेम में भी करीबी मुकाबले के बीच उन्होंने अपना संयम बनाए रखा और अहम मौकों पर आक्रामक खेल दिखाकर इतिहास रच दिया।

पहले किया शानदार गोल, फिर उतारी जर्सी...!

डी पॉल ने मेसी को दिया ट्रिब्यूट; भावुक कर देने वाला पल

मियामी। इंटर मियामी के लिए खेलते हुए अर्जेंटीना के स्टार मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल ने शनिवार को ऐसा गोल किया, जिसने मुकाबले से ज्यादा अपने खास जश्न के कारण सुर्खियां बटोरीं। डी पॉल ने मॉन्टेरी के खिलाफ शानदार लंबी दूरी का गोल दागने के बाद अपनी जर्सी उतारी। इसके नीचे लियोनल मेसी की मशहूर नंबर-10 वाली जर्सी नजर आई। उनका यह अंदाज मेसी और उनके परिवार के प्रति भावुक श्रद्धांजलि के तौर पर देखा जा रहा है।

गोल के बाद दिखी मेसी की नंबर-10 जर्सी

मुकाबले के 31वें मिनट में डी पॉल को पेनल्टी एरिया के बाहर गेंद मिली।

उन्होंने बिना ज्यादा समय गंवाए जोरदार लॉन्ग-रेंज शॉट लगाया। मॉन्टेरी के गोलकीपर लुइस कार्डेनास ने गेंद को रोकने के लिए डाइव लगाई, लेकिन वह उसे गोल में जाने से नहीं रोक सके।

गोल करने के तुरंत बाद डी पॉल ने अपनी जर्सी उतार दी। उनके नीचे मेसी की नंबर-10 वाली जर्सी थी। डी पॉल का यह सेलिब्रेशन सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया और इसे मेसी के पिता जॉर्ज मेसी के निधन के बाद उनके दोस्त को समर्थन देने के संदेश के रूप में देखा गया।

मेसी के बेहद करीबी दोस्तों में हैं डी पॉल

डी पॉल लंबे समय से लियोनल मेसी के बेहद करीबी साथियों में गिने जाते हैं। अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम में दोनों की दोस्ती काफी मजबूत रही है और मैदान के बाहर भी डी पॉल ने कई मौकों पर मेसी का साथ दिया है। 2026 फीफा विश्व कप के दौरान भी मेसी निजी और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण भावनात्मक रूप से परेशान नजर आए थे। उस समय डी पॉल उनके साथ खड़े रहे थे। अब क्लब स्तर पर भी उन्होंने अपने दोस्त को यह खास संदेश दिया।लियोनल मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का निधन हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें अर्जेंटीना के रोसारियो स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जॉर्ज अपने पीछे पत्नी और चार बच्चों, लियोनल, रोड्रिगो, मातियास और मारिया सोल को छोड़ गए हैं। जॉर्ज मेसी ने लियोनल के करियर में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह उनके एजेंट रहे और उनके व्यावसायिक मामलों को संभालते थे। युवा मेसी के साथ वह 2000 के दशक की शुरुआत में बार्सिलोना गए थे, जहां मेसी ने क्लब की मशहूर युवा अकादमी ला मासिया में ट्रायल दिया था।

मेसी के करियर में पिता का बड़ा योगदान

जॉर्ज खुद भी फुटबॉल खेल चुके थे। वह मिडफील्डर के तौर पर न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज की युवा टीम तक पहुंचे थे, लेकिन अनिवार्य सैन्य सेवा पूरी करने के लिए उन्हें खेल छोड़ना पड़ा। बाद में उन्होंने अपने बेटे के करियर को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। लियोनल मेसी ने 2005 में सीनियर फुटबॉल में डेब्यू किया और आगे चलकर आठ बैलन डी'ओर पुरस्कार जीते। उन्होंने अर्जेंटीना को 2022 फीफा विश्व कप का खिताब भी दिलाया। ऐसे में डी पॉल का गोल के बाद मेसी की नंबर-10 जर्सी दिखाना सिर्फ एक सेलिब्रेशन नहीं, बल्कि अपने दोस्त और उसके परिवार के प्रति समर्थन का भावुक संदेश भी माना जा रहा है।

लक्ष्मण बोलेः सीरीज के दौरान नहीं हो सकता यो-यो टेस्ट

बंगलूरू । भारतीय क्रिकेट में बढ़ती चोटों के बीच बंगलूरू स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (छ्श्श्ब) पर सवाल उठ रहे हैं। खिलाड़ियों की रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया, फिटनेस आकलन और स्पोर्ट्स साइंस टीम और राष्ट्रीय चयन समिति के बीच तालमेल को लेकर आलोचना के बीच सीओई के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने संस्थान का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि सीओई की भूमिका केवल चोटिल खिलाड़ियों के रिहैबिलिटेशन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य क्रिकेटरों को बेहतर बनाने और उत्कृष्टता हासिल करने में मदद करना भी है।

लक्ष्मण ने बताया कि भारतीय खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर टीम मैनेजमेंट अब लगातार निगरानी पर जोर दे रहा है। उन्होंने कहा कि किसी सीरीज के दौरान खिलाड़ियों का पारंपरिक यो-यो टेस्ट कराना संभव नहीं होता। ऐसे में फिटनेस पर नजर बनाए रखने के लिए ब्रोंको टेस्ट को इस्तेमाल में लाया गया है।

लक्ष्मण ने बताया कि ब्रोंको टेस्ट के जरिए सीरीज के दौरान भी खिलाड़ियों की फिटनेस को लगातार मॉनिटर किया जा सकता है। इसे एड्रियन ने तैयार किया है। लक्ष्मण ने कहा, 'जब कोई खिलाड़ी सीरीज का हिस्सा होता है, तब यो-यो टेस्ट नहीं किया जा सकता। इसलिए हमने एड्रियन द्वारा तैयार किया गया ब्रोंको टेस्ट पेश किया है, ताकि फिटनेस की लगातार निगरानी की जा सके।' इस व्यवस्था का मकसद खिलाड़ियों पर अतिरिक्त दबाव डाले बिना उनकी फिटनेस की स्थिति पर नजर रखना है। इससे टीम मैनेजमेंट को यह समझने में मदद मिलती है कि खिलाड़ी मैच खेलने के लिए किस स्तर तक तैयार है।

लक्ष्मण ने बताया कि जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन को फिटनेस के आधार पर विशेष रूप से परखा गया। दोनों खिलाड़ियों की फिटनेस को अलग-अलग मानकों पर जांचा गया और खेलने की मंजूरी देने से पहले उनकी स्थिति का कई स्तरों पर आकलन किया गया।

उन्होंने कहा, 'जसप्रीत बुमराह और बी. साई सुदर्शन को फिटनेस के आधार पर विशेष रूप से परखा गया। खेलने की मंजूरी देने से पहले हम उन्हें एक पैरामीटर से दूसरे पैरामीटर तक ले जाते हैं। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और टीम मैनेजमेंट के बीच संवाद काफी सहज है।' लक्ष्मण ने यह भी बताया कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और भारतीय टीम के मैनेजमेंट के बीच लगातार संवाद बना हुआ है।

श्रीलंका ने 200 रन बनाकर घोषित अपनी पारी, यशस्वी ने की तेज बैटिंग

कोलंबो। भारत और श्रीलंका इलेवन के बीच कोलंबो के नॉन्डस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब ग्राउंड में तीन दिवसीय वार्म अप मैच खेला जा रहा है। श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी छह विकेट पर 200 रन बनाकर घोषित कर दी। टीम इंडिया के सामने 207 रन का लक्ष्य है। हालांकि, इससे भी बड़ी बात यह है कि कप्तान शुभमन गिल दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए उतरे।

वह यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग करने आए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी निभाई। यशस्वी 46 गेंद में नौ चौके और दो छक्के की मदद से 61 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। वहीं, गिल अर्धशतक से चूक गए। वह 54 गेंद में सात चौके की मदद से 44 रन बनाकर आउट हुए। फिलहाल ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल क्रीज पर हैं। भारत ने एक विकेट पर 135+ रन बना लिए हैं।

शुभमन की अंगुली में लगी थी चोट

शुभमन को वार्म अप मैच से पहले अंगुली में चोट लगी थी और वह शुरुआती दो दिन मैदान पर नहीं उतरे थे। इस वार्म अप मैच में एक दिन श्रीलंका को बल्लेबाजी करनी थी और एक दिन भारत को। तीसरे दिन दोनों टीमों को 45-45 ओवर बल्लेबाजी करनी थी।

फैंस ने ली राहत की सांस

श्रीलंका इलेवन ने अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 363 रन बनाकर घोषित कर दी थी। जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी में छह विकेट पर 357 रन बनाए और पारी घोषित कर दी। तीसरे दिन श्रीलंका इलेवन ने 45 ओवर में छह विकेट पर 200 रन बनाए। पहली पारी के आधार पर छह रन की लीड के साथ उनकी कुल बढ़त 206 रन की हुई और भारत को 207 रन का लक्ष्य मिला। गिल के खेलने पर संशय था, लेकिन अब जब वह बल्लेबाजी के लिए उतरे हैं तो टीम मैनेजमेंट के साथ-साथ फैंस ने राहत की सांस ली होगी। गिल की गैरमौजूदगी में दो दिन केएल राहुल ने कमाल संभाली थी।

श्रीलंका इलेवन की दूसरी पारी

श्रीलंका-इलेवन के लिए दूसरी पारी में सबसे ज्यादा रन निशान मदुशंका ने बनाए। उन्होंने 73 गेंद में 63 रन की पारी खेली और रिटायर्ड हर्ट हुए। इसके अलावा अंजला बंदारा ने 35 रन और निपुण धनंजय ने 46 रन की पारी खेली। भारत की ओर से गुरनूर बराड़ और रवींद्र जडेजा ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को एक-एक विकेट मिला। भारत ने अपनी पहली पारी में 357 रन बनाए थे। केएल राहुल ने 40 रन और रवींद्र जडेजा ने 63 रन की पारी खेली थी। मानव सुथार ने 41 रन बनाए थे। इसके अलावा सारांश जैन ने 22 रन और गुरनूर बराड़ ने 18 गेंद में दो चौके और चार छक्के की मदद से ताबड़तोड़ 36 रन बनाए।

आदिवासी दिवस पर विशेष

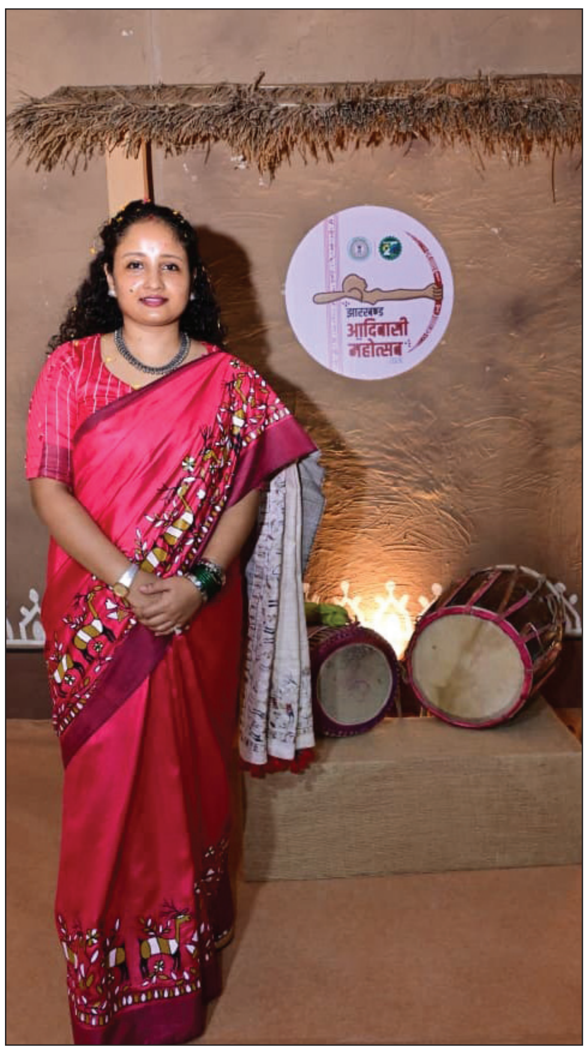

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**